



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक  
WEEKLY

सं. 15। नई दिल्ली, अप्रैल 6—अप्रैल 12, 2008, शनिवार/वीत्र 17—घंटा 23, 1930  
No. 15। NEW DELHI, APRIL 6—APRIL 12, 2008, SATURDAY/CHAITRA 17—CHAITRA 23, 1930

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृष्ठक संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सार्विक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India  
(Other than the Ministry of Defence)

कार्यिक, लोक शिक्षायक तत्त्वां पैशान व्यावसाय  
(कार्यिक और प्रशिक्षण विभाग)  
नई दिल्ली, 24 मार्च, 2008

का.आर. 787.—केंद्रीय सरकार एतद्वाया दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का अधिनियम सं. 2) की धारा 24 की उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित अधिवक्ताओं को असम राज्य, गुवाहाटी में विचारण न्यायालयों में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (कें.आ.ब्यू.) द्वारा संस्थित और उन्हें केंद्रीय अव्यवस्था ब्यू. द्वारा संचालित गए मामलों के अधियोजन और विधि द्वारा स्थापित मुनरीक्षण अथवा अपील न्यायालयों में इन मामलों से उद्भूत अपीलों/मुनरीक्षणों अथवा अन्य विषयों का संचालन करने के लिए विशेष लोक अधियोजक के रूप में नियुक्त करती है :-

सर्वेश्वरी

- ए.सी. बुरगोहैन,
- श्रीमती डेजी बुरुआ गोपोई,
- सुश्री गौरी सिन्हा।

[सं. 225/27/2006-ए. वी. डी. II]

चंद्र प्रकाश, अवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC  
GRIEVANCES AND PENSIONS  
(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 24th March, 2008

S.O. 787.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Government hereby appoints the following Advocates as Special Public Prosecutor for conducting prosecution of cases instituted by the Delhi Special Police Establishment (CBI) in the State of Assam at Guwahati as entrusted to them by the Central Bureau of Investigation in the trial Courts and appeal/ revisions or other matter arising out of these cases in revisional or appellate courts established by law:

S/Shri

1. A.C. Buragohain,
2. Smt. Daisy Baruah Gogoi,
3. Ms. Gauri Sinha.

[No. 225/27/2006-AVD-II]

CHANDRA PRAKASH, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2008

का.आ. 788.—केंद्रीय सरकार एतद्वारा दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का अधिनियम सं. 2) की धारा 24 की उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शाकितयों का प्रयोग करते हुए मुंबई की अधिकारी श्रीमती नीलिमा एस. कस्तुरे को मुंबई में प्रधानाचार निर्वाचन अधिनियम, 1988 के अन्तर्गत नियुक्त विशेष न्यायालयीश के न्यायालय में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (कौ.आ. व्यू.) द्वारा संस्थित मामलों के संचालन के लिए विशेष सोक अधियोजक के रूप में नियुक्त करती है :-

[सं. 225/39/2005-ए. वी. डी.-II]

चंद्र प्रकाश, अवर सचिव

New Delhi, the 27th March, 2008

**S.O. 788.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Government hereby appoints Mrs. Nilima S. Kasture, Advocate, Mumbai as Special Public Prosecutor for conducting prosecution in cases instituted by Delhi Special Police Establishment (CBI) in the Court of Special Judge appointed under prevention of Corruption Act, 1988 at Mumbai.

[No. 225/39/2005-AVD-II]

CHANDRA PRAKASH, Under Secy.

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 28 मार्च, 2008

का.आ. 789.—इस विभाग की अधिसूचना संख्या 228/47/2007-एवीडी-II दिनांक 6 नवंबर, 2007 के हिंदी रूपांतरण के अंतिक आशोधन में 7वीं पर्यावरण में “को साथ पठित” शब्दों के बाद और 8वीं पर्यावरण में “को धारा 4” से पहले “आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 (1955 के अधिनियम सं. 10)” हटा दिया जाए और इसके स्थान पर “विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1908 (1908 का अधिनियम सं. 6)” लिखा जाए।

[सं. 228/47/2007-ए. वी. डी.-II]

चंद्र प्रकाश, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 28th March, 2008

**S.O. 789.**—In partial modification of English version of this Department notification No. 228/47/2007-AVD-II dated 6th November, 2007 the words, “Essential Commodities Act, 1955 (Act No. 10 of 1955)” occurring in the 11th line after the words “Sec. 4 of” and in the 12th line before the words “and Section 10 & 13”, be omitted and in its place the following words shall be substituted “Explosive Substances Act, 1908 (Act No. 6 of 1908)”.

[No. 228/47/2007-AVD-II]

CHANDRA PRAKASH, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केंद्रीय उत्पाद शुल्क, पुणे-1 के आयुक्त का कार्यालय

पुणे, 3 मार्च, 2008

संख्या 01/2008-केंद्रीय उत्पाद शुल्क (नॉन टैरिफ)

का.आ. 790.—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 01-07-1994 को जारी अधिसूचना संख्या 33/94-सी. शु. (नॉन टैरिफ) को दिनांक 25-10-2004 को जारी अधिसूचना संख्या 122/2004-सी. शु. (नॉन टैरिफ) द्वारा संशोधित करते हुए मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं, श्रीमती आई.डी. मजुमदर, आयुक्त, केंद्रीय उत्पाद शुल्क पुणे-1 आयुक्तालय, पुणे, एतद्वारा महाराष्ट्र राज्य में पुणे जिले के, तालुका मुलशी के गांव ‘चाकड़’ को, ‘शतप्रतिशत निर्यातकशी यूनिट/सॉफ्टवेअर टेक्नोलॉजी पार्क यूनिट’ स्थापन करने के लिए सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 9 के अधीन वे अरहाउसिंग स्टेशन घोषित कर रही हैं।

[का. सं. वि. जी एन. (19)25/एसटीपी/2008]

श्रीमती आई.डी. मजुमदर, आयुक्त

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF CENTRAL  
EXCISE, PUNE-I

Pune, the 3rd March, 2008

No. 01/2008. C.E. (NT)

**S.O. 790.**—In exercise of the powers conferred on me by the Notification No. 33/94-CUS (NT) dated 01-07-1994 as amended by Notification No. 122/2004-Cus (NT) dated 25-10-2004 of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue New Delhi, I, Smt. I.D. Majumder Commissioner of Central Excise, Pune-I Commissionate, Pune, hereby declare Village : Wakad, Taluka : Mulshi; Dist. Pune in the State of Maharashtra to be Warehousing Station under Section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) for setting up of 100% Export Oriented Unit/STP unit.

[F. No. VGN (19) 25/STP/2008]

Smt. I. D. MAJUMDER, Commissioner,

कार्यालय मुख्य आयकर आयुक्त

जयपुर, 18 मार्च, 2008

सं. 18/2007-08

का.आ. 791.—आयकर अधिनियम, 1962 के नियम 2 सी.ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43वाँ) की धारा 10 के खण्ड (23सी) की उप-धारा (vi) के द्वारा प्रदत्त शाकितयों का प्रयोग करते हुए मुख्य आयकर आयुक्त, जयपुर एतद्वारा निर्धारण वर्ष 2006-07 एवं आगे के लिए कथित धारा के उद्देश्य से “आल इन्डिया सोसायटी फॉर इंडियास एज्युकेशन एण्ड रिसर्च, अलवर” को स्वीकृत देते हैं।

बशर्ते कि समिति आयकर नियम, 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 के उपखण्ड (23 सी) की उपधारा (vi) के प्रावधानों के अनुरूप कार्य करे।

[क्रमांक : मु.आ.आ./अ.आ.आ.(समन्वय)/जय./10/(23 सी)(vi)2007-08/7761]

एस. सी. कपिल, मुख्य आयकर आयुक्त

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF  
INCOME TAX

Jaipur, the 18th March, 2008

No. 18/2007-08

**S.O. 791.**—In exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of Clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) read with rule 2CA of the Income-tax Rules, 1962, the Chief Commissioner of Income-tax, Jaipur hereby approves "All India Society for Advance Education & Research, Alwar" for the purpose of the said Section for the A.Y. 2006-07 and onwards.

Provided that the Society conforms to and complies with the provisions of sub-clause (vi) of Clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 2CA of the Income-tax Rules 1962.

[No. CCIT/JPR/Addl. CIT(Coord.)/ 10(23C)(vi)/2007-08/7761]

S. C. KAPIL, Chief Commissioner of Income-tax

जयपुर, 31 मार्च, 2008

सं. 22/2007-08

**का.आ. 792.**—आयकर नियम, 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43वीं) की धारा 10 के खण्ड (23सी) की उपधारा (vi) के द्वारा प्रदत्त शाकितयों का प्रयोग करते हुए मुख्य आयकर आयुक्त, जयपुर एतद्वारा निर्धारण वर्ष 2007-08 एवं आगे के लिए कथित धारा के उद्देश्य से "श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति, जयपुर" को स्वीकृति देते हैं।

बशर्ते कि समिति आयकर नियम 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 के उपखण्ड (23 सी) की उपधारा (vi) के प्रावधानों के अनुरूप कार्य करे।

[क्रमांक : मु.आ.आ./अ.आ.आ.(समन्वय)/जय./10/(23 सी)(vi)2007-08/7766]

एस. सी. कपिल, मुख्य आयकर आयुक्त

Jaipur, the 31st March, 2008

No. 22/2007-08

**S.O. 792.**—In exercise of the powers conferred by sub-Section (vi) of Clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) read with rule 2CA of the Income-tax Rules, 1962, the Chief Commissioner of Income-tax, Jaipur hereby approves "Shri Bhawani Niketan Shiksha Samiti, Jaipur" for the purpose of the said Section for the A.Y. 2006-07 and onwards.

Provided that the Society conforms to and complies with the provisions of Sub-clause (vi) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 2CA of the Income-tax Rules, 1962.

[No. CCIT/JPR/Addl. CIT(Coord.)/ 10(23C)(vi)/2007-08/7766]

S. C. KAPIL, Chief Commissioner of Income-tax

जयपुर, 31 मार्च, 2008

सं. 21/2007-08

**का.आ. 793.**—आयकर नियम, 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43वीं) की धारा 10 के खण्ड (23सी) की उपधारा (vi) के द्वारा प्रदत्त शाकितयों का प्रयोग करते हुए मुख्य आयकर आयुक्त, जयपुर एतद्वारा निर्धारण वर्ष 2007-08 एवं आगे के लिए कथित धारा के उद्देश्य से "अरुण शान्ति एन्जुकेशन इंस्टी, जयपुर" को स्वीकृति देते हैं।

बशर्ते कि समिति आयकर नियम, 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 के उपखण्ड (23 सी) की उपधारा (vi) के प्रावधानों के अनुरूप कार्य करे।

[क्रमांक : मु.आ.आ./अ.आ.आ.(समन्वय)/जय./10/(23 सी)(vi)2007-08/7763]

एस. सी. कपिल, मुख्य आयकर आयुक्त

Jaipur, the 31st March, 2008

No. 21/2007-08

**S.O. 793.**—In exercise of the powers conferred by Sub-clause (vi) of Clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) read with rule 2CA of the Income-tax Rules, 1962, the Chief Commissioner of Income-tax, Jaipur hereby approves "Arun Shanti Education Trust, Jaipur" for the purpose of the said Section for the A.Y. 2007-08 and onwards.

Provided that the Society conforms to and complies with the provisions of Sub-clause (vi) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 2CA of the Income-tax Rules, 1962.

[No. CCIT/JPR/Addl. CIT(Coord.)/ 10(23C)(vi)/2007-08/7763]

S. C. KAPIL, Chief Commissioner of Income-tax

जयपुर, 4 अप्रैल, 2008

सं. 01/2008-09

**का.आ. 794.**—आयकर अधिनियम, 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43वीं) की धारा 10 के खण्ड (23सी) की उपधारा (vi) के द्वारा प्रदत्त शाकितयों का प्रयोग करते हुए मुख्य आयकर आयुक्त, जयपुर एतद्वारा निर्धारण वर्ष 2007-08 एवं आगे के लिए कथित धारा उद्देश्य से "चाचान एन्जुकेशन इंडिपेंडेंट सोसायटी, निकानी, अलवर" को स्वीकृति देते हैं।

बहस्तों कि समिति आयकर नियम, 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 10 के उपचारण (23 सी) की उपधारा (vi) के प्रावधानों के अनुरूप कार्य करे।

[क्रमांक : मु.आ.आ./अ.आ.आ.(समन्वय)/बय/10/  
(23 सी)(vi)2008-09/85]

एस. सी. कपिल, मुख्य आयकर आयुक्त  
Jaipur, the 4th April, 2008

No. 01/2008-09

**S.O. 794.**—In exercise of the powers conferred by Sub-clause (vi) of Clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) read with rule 2CA of the Income-tax Rules, 1962, the Chief Commissioner of Income-tax, Jaipur hereby approves “Chachan Educational & Welfare Society, Chikani, Alwar” for the purpose of the said Section for the A.Y. 2007-08 & onwards.

Provided that the Society conforms to and complies with the provisions of Sub-clause (vi) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 2CA of the Income-tax Rules, 1962.

[No. CCIT/JPR/Addl.CIT(Coord.)Y 10(23C)(vi)/  
2008-09/85]

**S. C. KAPIL, Chief Commissioner of Income-tax**  
(केन्द्रीय प्रम्यक्ष कर बोर्ड)  
नई दिल्ली, 14 मार्च, 2008

**का.आ. 795.**—सर्वसाधारण की जनकारी के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि केंद्र सरकार द्वारा आयकर नियमावली, 1962 (उक्त नियमावली) के नियम 5ग 5थे के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 (उक्त अधिनियम) की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनार्थ दिनांक 1-4-2006 से संगठन आगला कैमर रिसर्च सेंटर, त्रिसूर (केरल) को मिन्हलिखित रातों के अधीन अधिकारी रूप से अनुसंधान कार्यकलापों में लारी ‘वैज्ञानिक अनुसंधान संघ’ की श्रेणी में अनुमोदित किया गया है, अर्थात्:—

(i) अनुमोदित “वैज्ञानिक अनुसंधान संघ” का एक मात्र उद्देश्य वैज्ञानिक अनुसंधान करना होगा;

(ii) अनुमोदित संगठन स्वयं वैज्ञानिक अनुसंधान कार्य-कलाप जारी रखेगा;

(iii) अनुमोदित संगठन बही-खाता जारी रखेगा तथा उक्त अधिनियम की धारा 288 की उपधारा (2) के स्पष्टीकरण में यथा परिभ्रान्ति किसी लेखाकार से अपनी खाता-बही की लेखा परीक्षा कराएगा और उक्त अधिनियम की धारा 139 की उपधारा (1) के अंतर्गत आय विवरणी प्रस्तुत करने की नियत तिथि हक ऐसे लेखाकार द्वारा विधिवत सत्यापित एवं इस्ताकरित लेखा परीक्षा रिपोर्ट मामले में संप्राधिकार रखने वाले आयकर आयुक्त अधिका आयकर निदेशक को प्रस्तुत करेगा।

(iv) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान तथा प्रयुक्त राशि का अलग विवरण रखेगा और उपर्युक्त लेखा

परीक्षा रिपोर्ट के साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत सत्यापित विवरण की प्रति प्रस्तुत करेगा।

2. केंद्र सरकार यह अनुमोदन वापस ले लेगी यदि अनुमोदित संगठन :—

(क) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में डिलिखित लेखा वही नहीं रखेगा; अथवा

(ख) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में डिलिखित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा

(ग) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iv) में डिलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान एवं प्रयुक्त राशि का अपना विवरण प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा

(घ) अपना अनुसंधान कार्यकलाप करना बंद कर देगा अथवा इसके अनुसंधान कार्यकलाप को जायज नहीं पाया जायेगा; अथवा

(इ) उक्त नियमावली के नियम 5 ग और 5 घ के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड(ii) के प्रावधानों के अनुरूप नहीं होगा तथा उनका पालन नहीं करेगा।

[अधिसूचना सं 38/2008/पा. सं 203/142/2007/आ.क.नि.-II]  
सुरेन्द्र पाल, अवर सचिव

(Central Board of Direct Taxes)  
New Delhi, the 14th March, 2008

**S.O. 795.**—It is hereby notified for general information that the organization Amala Cancer Research Centre, Thrissur (Kerala), has been approved by the Central Government for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 (said Act) read with rules 5C and 5D of the Income-tax Rules, 1962 (said Rules) with effect from 1-4-2006 in the category of ‘Scientific research association’ subject to the following conditions, namely:—

(i) The sole objective of the approved ‘scientific research association’ shall be to undertake scientific research;

(ii) The approved organization shall carry on the scientific research activity by itself;

(iii) The approved organization shall maintain books of accounts and get such books audited by an accountant as defined in the explanation to sub-section (2) of section 288 of the said Act and furnish the report of such audit duly signed and verified by such accountant to the Commissioner of Income-tax or the Director of Income-tax having jurisdiction over the case, by the due date of furnishing the return of income under sub-section (1) of Section 139 of the said Act;

(iv) The approved organization shall maintain a separate statement of donations received and amounts applied for scientific research and a copy of such statement duly certified by the auditor shall accompany the report of audit referred to above.

2. The central Government shall withdraw the approval if the approved organization:—

- (a) fails to maintain books of account referred to in sub-paragraph (ii) of paragraph 1; or
- (b) fails to furnish its audit report referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
- (c) fails to furnish its statement of donations received and amounts applied for scientific research referred to in sub-paragraph (iv) of paragraph 1; or
- (d) ceases to carry on its research activities or its research activities are not found to be genuine; or
- (e) ceases to conform to and comply with the provisions of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the said Act read with rules 5C and 5D of the said Rules.

[Notification No. 38/2008/F, No. 203/142/2007/ITA-II]  
SURENDER PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 मार्च, 2008

का.आ. 796.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा आयकर नियमावली, 1962 (उक्त नियमावली) के नियम 5ग और 5ड के साथ एवं आयकर अधिनियम, 1961 (उक्त अधिनियम) की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) को प्रयोजनार्थ दिनांक 1-4-2005 से संगठन इन्डप्रैस्ट कैंसर सोसाइटी एंड रिसर्च सेंटर, नई दिल्ली को निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयकर रूप से अनुसंधान कार्यकलापों में लगी 'अन्य संस्था' की श्रेणी में अनुमोदित किया गया है, नामतः—

(i) अनुमोदित संगठन को प्रदत्त राशि का उपयोग वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए किया जाएगा;

(ii) अनुमोदित संगठन अपने संकाय सदस्यों अथवा अपने नामांकित छात्रों के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान करेगा;

(iii) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए इसके द्वाय प्राप्त राशि के संबंध में अलग खाता—बही रखेगा जिसमें अनुसंधान करने के लिए प्रयुक्त राशि दर्शाई गई हो, उक्त अधिनियम की धारा 288 की उपधारा (2) के स्पष्टीकरण में यथा परिभाषित किसी लेखाकार से अपनी खाता—बही की लेखा परीक्षा कराएगा और उक्त अधिनियम की धारा 139 की उपधारा (1) के अंतर्गत आय विचरणी प्रस्तुत करने की नियत तिथि तक ऐसे लेखाकार द्वारा विधिवत सत्यापित एवं हस्ताक्षरित लेखा परीक्षा रिपोर्ट मामले में क्षेत्राधिकार रखने वाले आयकर आयुक्त अथवा आयकर निदेशक को प्रस्तुत करेगा।

(iv) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दून तथा प्रयुक्त राशि का अलग विवरण रखेगा और उपर्युक्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत सत्यापित विवरण की प्रति प्रस्तुत करेगा।

2. केन्द्र सरकार यह अनुमोदन वापस ले लेगी यदि अनुमोदित संगठन :—

(क) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित वृथक लेखा बही नहीं रखेगा; अथवा

(ख) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा

(ग) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iv) में उल्लिखित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान एवं प्रयुक्त राशि को अपना विवरण प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा

(घ) अपना अनुसंधान कार्य करना बंद कर देगा अथवा इसके अनुसंधान कार्य को जायज नहीं पाया जावेगा; अथवा

(ङ) उक्त नियमावली के नियम 5 ग और 5 ड के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रावधानों के अनुरूप नहीं होगा तथा उनका पालन नहीं करेगा।

[अधिसूचना सं. 37/2008/का. सं. 203/142/2007/आ.क.नि.—II]  
सुनेद्र पाल, अपर सचिव

New Delhi, the 14th March, 2008

S.O. 796.—It is hereby notified for general information that the organization Indraprastha Cancer Society and Research Centre, New Delhi has been approved by the Central Government for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 (said Act) read with rules 5C and 5E of the Income-tax Rules, 1962 (said Rules) with effect from 1-4-2005 in the category of 'other Institution' partly engaged in research activities subject to the following conditions, namely:—

(i) The sums paid to the approved organization shall be utilized for scientific research;

(ii) The approved organization shall carry out the scientific research through its faculty members or its enrolled students;

(iii) The approved organization shall maintain separate books of account in respect of the sums received by it for scientific research, reflect therein the amounts used for carrying out research, get such books audited by an accountant as defined in the explanation to sub-section (2) of section 288 of the said Act and furnish the report of such audit duly signed and verified by such accountant to the Commissioner of Income-tax or the Director of Income-tax having jurisdiction over the case, by the due date of furnishing the return of income under sub-section (1) of Section 139 of the said Act;

(iv) The approved organization shall maintain a separate statement of donations received and amounts applied for scientific research and a copy of such statement duly certified by the auditor shall accompany the report of audit referred to above.

2. The Central Government shall withdraw the approval if the approved organization:—

(a) fails to maintain separate books of account referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or

(b) fails to furnish its audit report referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or

(c) fails to furnish its statement of donations received and sums applied for scientific research referred to in sub-paragraph (iv) of paragraph 1; or

(d) ceases to carry on its research activities or its research activities are not found to be genuine; or

(e) ceases to conform to and comply with the provisions of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the said Act read with rules 5C and 5E of the said Rules.

[Notification No. 37/2008/F. No. 203/144/2007/ITA-II]

SURENDER PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 मार्च, 2008

का.आ. 797.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा आयकर नियमावली, 1962 (उक्त नियमावली) के नियम 5ग और 5ड के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 (उक्त अधिनियम) की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनार्थ दिनांक 1-4-2007 से संगठन नेशनल इंस्टीट्यूट आफ एड्युकेश्नल स्टडीज, बंगलौर को निम्नलिखित शर्तों के अधीन आशिक रूप से अनुसंधान कार्यकलापों में लगी, 'अन्य संस्था' की श्रेणी में अनुमोदित किया गया है, नामतः—

(i) अनुमोदित संगठन को प्रदत्त राशि का उपयोग वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए किया जाएगा;

(ii) अनुमोदित संगठन अपने संकाय सदस्यों अथवा अपने नामांकित लोगों के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान करेगा;

(iii) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए इसके द्वारा प्राप्त राशि के संबंध में अलग रखाता—बही रखेगा जिसमें अनुसंधान करने के लिए प्रयुक्त राशि दर्शाई गई हो, उक्त अधिनियम की धारा 288 की उपधारा (2) के स्पष्टीकरण में यथा परिभ्रषित किसी लेखाकार से अपनी खाता—बही की लेखा परीक्षा कराएगा और उक्त अधिनियम की धारा 139 की उपधारा (1) के अंतर्गत आय विवरणी प्रस्तुत करने की विधत तक ऐसे लेखाकार द्वारा विधिवत सत्यापित एवं हस्ताक्षरित लेखा परीक्षा रिपोर्ट मामले में क्षेत्रधिकार रखने वाले आयकर आयुक्त अथवा आयकर निदेशक को प्रस्तुत करेगा।

(iv) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान तथा प्रयुक्त राशि का अलग विवरण रखेगा और उपर्युक्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत सत्यापित विवरण की प्रति प्रस्तुत करेगा।

2. केन्द्र सरकार यह अनुमोदन बापत्ति ले लेगी यदि अनुमोदित संगठन :—

(क) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित पृथक लेखा बही नहीं रखेगा; अथवा

(ख) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा

(ग) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iv) में उल्लिखित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त एवं प्रयुक्त दान राशि का अपना विवरण प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा

(घ) अपना अनुसंधान कार्य करना बंद कर देगा अथवा इसके अनुसंधान कार्य को जायज नहीं पाया जायेगा; अथवा

(ड.) उक्त नियमावली के नियम 5 ग और 5 ड के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रावश्यकों के अनुरूप नहीं होगा तथा उनका पालन नहीं करेगा।

[अधिसूचना सं. 36/2008/फ. सं. 203/70/2007/आ.क.पि.-II]

सुन्दर गाल, अवर सचिव

New Delhi, the 14th March, 2008

S.O. 797—It is hereby notified for general information that the organization National Institute of Advanced Studies, Bangalore has been approved by the Central Government for the purpose of clause (ii) of sub-section 1 of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 (said Act) read with rules 5C and 5E of the Income-tax Rules, 1962 (said Rules) with effect from 1-4-2007 in the category of 'other Institution' partly engaged in research activities subject to the following conditions, namely:—

(i) The sums paid to te approved organization shall be utilized for scientific research;

(ii) The approved organization shall carry out the scientific research through its faculty members or its enrolled students;

(iii) The approved organization shall maintain separate books of account in respect of the sums received by it for scientific research, reflect therein the amounts used for carrying out research, get such books audited by an accountant as defined in the explanation to sub-section (2) of section 288 of the said Act and furnish the report of such audit duly signed and verified by such accountant to the Commissioner of Income-tax or the Director of Income-tax having jurisdiction over the case, by the due date of furnishing the return of income under sub-section (1) of Section 139 of the said Act;

(iv) The approved organization shall maintain a separate statement of donations received and amounts applied for scientific research and a copy of such statement duly certified by the auditor shall accompany the report of audit referred to above.

2. The Central Government shall withdraw the approval if the approved organization:—

(a) fails to maintain separate books of account referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or

(b) fails to furnish its audit report referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or

(c) fails to furnish its statement of donations received and sums applied for scientific research referred to in sub-paragraph (iv) of paragraph 1; or

(d) ceases to carry on its research activities or its research activities are not found to be genuine; or

(e) ceases to conform to and comply with the provisions of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the said Act, read with rules 5C and 5E of the said Rules.

[Notification No. 36/2008/F. No. 203/70/2007/ITA-II]

SURENDER PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 मार्च, 2008

क्र.आ. 798.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा आयकर नियमावली, 1962 (उक्त नियमावली) के नियम ५ ग और ५ ड. के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 (उक्त अधिनियम) की धारा ३५ की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनार्थ दिनांक 1-4-2007 से संगठन हर्बीक्यूर हेल्पर्स बायो-हर्बल रिसर्च फाउंडेशन, कोलकाता को निम्नलिखित लक्तों के अधीन आशिक रूप से अनुसंधान कार्यकलापों में लगी 'अन्य संस्था' की श्रेणी में अनुमोदित किया गया है, नामतः—

- (i) अनुमोदित संगठन को ग्रहण का उपयोग वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए किया जाएगा;
- (ii) अनुमोदित संगठन अपने संकाय सदस्यों अथवा अपने नामांकित लक्तों के पाठ्यप से वैज्ञानिक अनुसंधान करेगा;
- (iii) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए इसके द्वारा प्राप्त राशि के संबंध में अलग खाता बही रखेगा जिसमें अनुसंधान करने के लिए प्रयुक्त राशि दराई गई हो, उक्त अधिनियम की धारा २४४ की उपधारा (2) के स्पष्टीकरण में यथा परिभाषित किसी लेखाकार से अपनी खाता-बही की लेखा परीक्षा कराएगा और उक्त अधिनियम की धारा १३९ की उपधारा (1) के अंतर्गत आय विवरणी प्रस्तुत करने की नियम तिथि तक ऐसे लेखाकार द्वारा विधिवत सत्यापित एवं हस्ताक्षरित लेखा परीक्षा रिपोर्ट मालै में क्षेत्राधिकार रखने वाले आयकर आयुक्त अथवा आयकर निदेशक को प्रस्तुत करेगा।
- (iv) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान तथा प्रयुक्त राशि का अलग विवरण रखेगा और उपर्युक्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत सत्यापित विवरण की प्रति प्रस्तुत करेगा।

2. केन्द्र सरकार यह अनुमोदन बापिस हो लगी यदि अनुमोदित संगठन—

- (क) पैराग्राफ । के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित पृथक लेखा बही नहीं रखेगा; अथवा
- (ख) पैराग्राफ । के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (ग) पैराग्राफ । के उप-पैराग्राफ (iv) में उल्लिखित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त एवं प्रयुक्त दान का अपना विवरण प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (घ) अपना अनुसंधान कार्य करना बंद कर देगा अथवा इसके अनुसंधान कार्य को जायज नहीं पाया जाएगा; अथवा
- (ङ) उक्त नियमावली के नियम ५ ग और ५ ड. के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा ३५ की उपधारा (1) के खंड (ii) के ग्रावधारों के अनुलय नहीं होगा तथा उनका पालन नहीं करेगा।

[अधिसूचना सं. 35/2008/का.सं. 203/135/2007/आक्रमि-II]  
सुरेन्द्र पाल, अवर सचिव

New Delhi, the 14th March, 2008

S.O. 798.—It is hereby notified for general information that the organization Herbiculture Healthcare Bio-Herbal Research Foundation, Kolkata has been approved by the Central Government for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 (said Act), read with Rules 5C and 5E of the Income-tax Rules, 1962 (said Rules), with effect from 1-4-2007 in the category of 'Other Institution', partly engaged in research activities subject to the following conditions, namely:—

- (i) The sums paid to the approved organization shall be utilized for scientific research;
- (ii) The approved organization shall carry out scientific research through its faculty members or its enrolled students;
- (iii) The approved organization shall maintain separate books of accounts in respect of the sums received by it for scientific research, reflect therein the amounts used for carrying out research, get such books audited by an accountant as defined in the explanation to sub-section (2) of Section 288 of the said Act and furnish the report of such audit duly signed and verified by such accountant to the Commissioner of Income-tax or the Director of Income-tax having jurisdiction over the case by the due date of furnishing the return of income under sub-section (1) of Section 139 of the said Act;
- (iv) The approved organization shall maintain a separate statement of donations received and amounts applied for scientific research and a copy of such statement duly certified by the auditor shall accompany the report of audit referred to above.

2. The Central Government shall withdraw the approval if the approved organization:

- (a) fails to maintain separate books of accounts referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
- (b) fails to furnish its audit report referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
- (c) fails to furnish its statement of the donations received and sums applied for scientific research referred to in sub-paragraph (iv) of paragraph 1; or
- (d) ceases to carry on its research activities or its research activities are not found to be genuine; or
- (e) ceases to conform to and comply with the provisions of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the said Act read with rules 5C and 5E of the said Rules.

[Notification No. 35/2008/F.No.203/135/2007/ITA-II]  
SURENDER PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 मार्च, 2008

क्र.आ. 799.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा आयकर

नियमावली, 1962 (उक्त नियमावली) के नियम 5ग और 5ड के साथ पटित आयकर अधिनियम, 1961 (उक्त अधिनियम) की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनार्थ दिनांक 1-4-2001 से संगठन साईटिक सेंटर, मुम्बई को निम्नलिखित शर्तों के अधीन और्तिक रूप से अनुसंधान कार्यकलापों में लगी 'अन्य संस्था' की श्रेणी में अनुमोदित किया गया है, नामतः—

- (i) अनुमोदित संगठन को प्रदत्त राशि का उपयोग वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए किया जाएगा;
- (ii) अनुपोदित संगठन अपने संकाय सदस्यों अधिका अपने नामांकित छात्रों के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान करेगा;
- (iii) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए इसके द्वारा प्राप्त राशि के संबंध में अलग खाता बही रखेगा जिसमें अनुसंधान करने के लिए प्रयुक्त राशि दर्शाई गई हो, उक्त अधिनियम की धारा 288 की उपधारा (2) के स्पष्टीकरण में यथा परिभाषित किसी लेखाकार से अपनी खाता-बही की लेखा परीक्षा करणा और उक्त अधिनियम की धारा 139 की उप धारा (1) के अंतर्गत आय विवरणी प्रस्तुत करने की नियत तथि तक ऐसे लेखाकार द्वारा विधिवत सत्यापित एवं हस्ताक्षरित लेखा परीक्षा रिपोर्ट यांत्रे में क्षेत्राधिकार रखने वाले आयकर आयुक्त अथवा आयकर निदेशक को प्रस्तुत करेगा।
- (iv) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान तथा प्रयुक्त राशि का अलग विवरण रखेगा और उपर्युक्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत सत्यापित विवरण की प्रति प्रस्तुत करेगा।

2. केन्द्र सरकार यह अनुमोदित चारिस ते लेगी यदि अनुमोदित संगठन—

- (क) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित पृथक लेखा बही नहीं रखेगा; अथवा
- (ख) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (ग) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iv) में उल्लिखित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त एवं प्रयुक्त दान का अपना विवरण प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (घ) अपना अनुसंधान कार्य करना बंद कर देगा अथवा इसके अनुसंधान कार्य को जायज नहीं पाया जाएगा; अथवा
- (इ) उक्त नियमावली के नियम 5 ग और 5 ड. के साथ पटित उक्त अधिनियम की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रावधानों के अनुरूप नहीं होगा तथा उनका पासन नहीं करेगा।

[अधिसूचना सं. 42/2008/पा.सं. 203/21/2004/आ.क.नि-II]

सुरेन्द्र पाल, अवर सचिव

New Delhi, the 17th March, 2008

S.O. 799.—It is hereby notified for general information that the organization Scitech Centre, Mumbai has been approved by the Central Government for the

purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 (said Act), read with Rules 5C and 5E of the Income-tax Rules, 1962 (said Rules), with effect from 1-4-2001 in the category of 'other Institution', partly engaged in research activities subject to the following conditions, namely—

- (i) The sums paid to the approved organization shall be utilized for scientific research;
- (ii) The approved organization shall carry out scientific research through its faculty members or its enrolled students;
- (iii) The approved organization shall maintain separate books of accounts in respect of the sums received by it for scientific research, reflect therein the amounts used for carrying out research, get such books audited by an accountant as defined in the explanation to sub-section (2) of Section 288 of the said Act and furnish the report of such audit duly signed and verified by such accountant to the Commissioner of Income-tax or the Director of Income-tax having jurisdiction over the case by the due date of furnishing the return of income under sub-section (1) of Section 139 of the said Act;
- (iv) The approved organization shall maintain a separate statement of donations received and amounts applied for scientific research and a copy of such statement duly certified by the auditor shall accompany the report of audit referred to above.

3. The Central Government shall withdraw the approval if the approved organization—

- (a) fails to maintain separate books of accounts referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
- (b) fails to furnish its audit report referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
- (c) fails to furnish its statement of the donations received and sums applied for scientific research referred to in sub-paragraph (iv) of paragraph 1; or
- (d) ceases to carry on its research activities or its research activities are not found to be genuine; or
- (e) ceases to conform to and comply with the provisions of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the said Act read with rules 5C and 5E of the said Rules.

[Notification No. 42/2008/F.No.203/21/2004/ITA-II]

SURENDER PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 मार्च, 2008

का.आ. 800.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एलट्टारा यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा आयकर नियमावली, 1962 (उक्त नियमावली) के नियम 5ग और 5ड. के साथ पटित आयकर अधिनियम, 1961 (उक्त अधिनियम) की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनार्थ दिनांक 1-4-2004 से संगठन डॉ. प्रशान्त बनजी होम्योपैथिक रिसर्च फाउंडेशन, कोलकाता

को निम्नलिखित शर्तों के अधीन अंशिक रूप से संलग्न 'अन्य संस्था' की श्रेणी में अनुमोदित किया गया है, अधीक्षण:-

- (i) अनुमोदित संगठन को प्रदत्त राशि का उपयोग वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए किया जाएगा;
- (ii) अनुमोदित संगठन अपने संकाय सदस्यों अथवा अपने नामांकित छात्रों के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान करेगा;
- (iii) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए इसके द्वारा प्राप्त राशि के संबंध में अलग खाता वही रखेगा जिसमें अनुसंधान कार्य करने के लिए प्रयुक्त राशि को दर्शाएगा तथा उक्त अधिनियम की धारा 288 की उप धारा (2) के स्पष्टीकरण में यथा परिपालित किसी लेखाकार से अपनी खाता-बही को लेखा परीक्षा कराएगा और उक्त अधिनियम की धारा 139 की उप धारा (1) के अंतर्गत आप विवरणी प्रस्तुत करने की नियत तिथि तक ऐसे लेखाकार द्वारा विधिवत सत्यापित एवं हस्ताक्षरित लेखा परीक्षा रिपोर्ट मामले में संकेतिकार रखने वाले आयकर आयुक्त अथवा आयकर निदेशक को प्रस्तुत करेगा।
- (iv) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान यथा प्रयुक्त राशि का अलग विवरण रखेगा और उपर्युक्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत सत्यापित विवरण की प्रति प्रस्तुत करेगा।

2. केन्द्र सरकार यह अनुमोदन विप्रिय ले लेगी यदि अनुमोदित संगठन:-

- (क) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में डिल्लीखित पृथक लेखा वही नहीं रखेगा; अथवा
- (ख) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iv) में उल्लिखित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (ग) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iv) में डिल्लीखित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त एवं प्रयुक्त दान का अपना विवरण प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (घ) अपना अनुसंधान कार्य करना बंद कर देगा अथवा इसके अनुसंधान कार्य को जायज नहीं पाया जाएगा; अथवा
- (इ) उक्त नियमावली के नियम 5ग और 5द के साथ परित उक्त अधिनियम की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रवाधानों के अनुरूप नहीं होगा तथा उनका पालन नहीं करेगा।

[अधिसूचना सं. 41/2008/फासं. 203/32/2007/आ.क.नि-11]

सुरेन्द्र पाल, अवर सचिव

New Delhi, the 17th March, 2008

S.O. 800.—It is hereby notified for general information that the organization Dr. Prasanta Banerji Homeopathic Research Foundation, Kolkata, has been approved by the Central Government for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 (said Act), read with Rules 5C and 5E of the Income-tax Rules, 1962 (said Rules), with effect from 1-4-2004 in the

category of 'other Institution', partly engaged in research activities subject to the following conditions, namely:

- (i) The sums paid to the approved organization shall be utilized for scientific research;
- (ii) The approved organization shall carry out scientific research through its faculty members or its enrolled students;
- (iii) The approved organization shall maintain separate books of accounts in respect of the sums received by it for scientific research, reflect therein the amounts used for carrying out research, get such books audited by an accountant as defined in the explanation to sub-section (2) of section 288 of the said Act and furnish the report of such audit duly signed and verified by such accountant to the Commissioner of Income-tax or the Director of Income-tax having jurisdiction over the case, by the due date of furnishing the return of income under sub-section (1) of section 139 of the said Act;
- (iv) The approved organization shall maintain a separate statement of donations received and amounts applied for scientific research and a copy of such statement duly certified by the auditor shall accompany the report of audit referred to above.

2. The Central Government shall withdraw the approval if the approved organization:

- (a) fails to maintain separate books of accounts referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
- (b) fails to furnish its audit report referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
- (c) fails to furnish its statement of the donations received and sums applied for scientific research referred to in subparagraph (iv) of paragraph 1; or
- (d) ceases to carry on its research activities or its research activities are not found to be genuine; or
- (e) ceases to conform to and comply with the provisions of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the said Act read with rules 5C and 5E of the said Rules.

[Notification No.41/2008/F.No.203/32/2007/ITA-II]

SURRENDER PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 मार्च, 2008

का.आ. 801.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा आयकर नियमावली, 1962 (उक्त नियमावली) के नियम 5ग और 5द, के साथ परित आयकर अधिनियम, 1961 (उक्त अधिनियम) की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोगनार्थ दिनांक 1-4-2005 से संगठन श्री बैंकटेशवारा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, तिरुपति, आंध्र प्रदेश को निम्नलिखित शर्तों के अधीन अंशिक रूप से अनुसंधान कार्यकलापों में लगी 'विश्वविद्यालय' की श्रेणी में अनुमोदित किया गया है, नामतः-

(i) अनुमोदित संगठन को प्रदत्त राशि का उपयोग वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए किया जाएगा;

(ii) अनुमोदित संगठन अपने संकाय सदस्यों अथवा अपने नामांकित छात्रों के भाव्यप से वैज्ञानिक अनुसंधान करेगा;

(iii) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए इसके हारा प्राप्त राशि के संबंध में अलग खाता बही रखेगा जिसमें अनुसंधान करने के लिए प्रयुक्त राशि दराई गई हो, उक्त अधिनियम की धारा 288 की उपधारा (2) के स्पष्टीकरण में यथा परिपायित किसी लेखाकार से अपनी खाता-बही की लेखा परीक्षा कराएगा और उक्त अधिनियम की धारा 139 की उप धारा (1) के अंतर्गत आय विवरणी प्रस्तुत करने की विधि तक ऐसे लेखाकार हारा विधिवत सत्यापित एवं इस्तीकरित लेखा परीक्षा रिपोर्ट आमले में क्षेत्राधिकार रखने वाले आयकर आयुक्त अधिकारी आयकर निदेशक को प्रस्तुत करेगा।

(iv) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान तथा प्रयुक्त राशि का अलग विवरण रखेगा और उपर्युक्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ लेखा परीक्षक हारा विधिवत सत्यापित विवरण की प्रति प्रस्तुत करेगा।

2. केन्द्र सरकार यह अनुमोदन विधिसे से लेरी यदि अनुमोदित संगठन—

(क) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित पुरुषक लेखा बही नहीं रखेगा; अथवा

(ख) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा

(ग) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iv) में उल्लिखित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त एवं प्रयुक्त दान का अपना विवरण प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा

(घ) अपना अनुसंधान कार्य करना बंद कर देगा अथवा इसके अनुसंधान कार्य को जायज नहीं पाया जाएगा; अथवा

(ङ) उक्त नियमावली के नियम ५ग और ५ड. के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 35 की उपधारा (1) के छांड (ii) के प्रवाधारों के अनुरूप नहीं होगा तथा उनका पालन नहीं करेगा।

[अधिसूचना सं. 40/2008/फा.सं.203/12/2008/आ.क्र.नि-11]

सुरेन्द्र पाल, अवर सचिव

New Delhi, the 17th March, 2008

**S.O. 801.**—It is hereby notified for general information that the organization Sri Venkateswara Institute of Medical Sciences, Tirupati, Andhra Pradesh has been approved by the Central Government for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 (said Act), read with Rules 5C and 5E of the Income-tax Rules, 1962 (said Rules), with effect from 1-4-2005 in the category of 'University', partly engaged in research activities subject to the following conditions, namely:—

(i) The sums paid to the approved organization shall be utilized for scientific research;

(ii) The approved organization shall carry out scientific research through its faculty members or its enrolled students;

(iii) The approved organization shall maintain separate books of accounts in respect of the sums received by it for scientific research, reflect therein the amounts used for carrying out research, get such books audited by an accountant as defined in the explanation to sub-section (2) of section 288 of the said Act and furnish the report of such audit duly signed and verified by such accountant to the Commissioner of Income-tax or the Director of Income-tax having jurisdiction over the case, by the due date of furnishing the return of income under sub-section (1) of section 139 of the said Act;

(iv) The approved organization shall maintain a separate statement of donations received and amounts applied for scientific research and a copy of such statement duly certified by the auditor shall accompany the report of audit referred to above.

2. The Central Government shall withdraw the approval if the approved organization:

(a) fails to maintain separate books of accounts referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or

(b) fails to furnish its audit report referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or

(c) fails to furnish its statement of the donations received and sums applied for scientific research referred to in sub-paragraph (iv) of paragraph 1; or

(d) ceases to carry on its research activities or its research activities are not found to be genuine; or

(e) ceases to conform to and comply with the provisions of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the said Act read with rules 5C and 5E of the said Rules.

[Notification No.40/2008/F.No.203/12/2008/TTA-II]

SURENDER PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 मार्च, 2008

**कर.आ. 802.—सर्वसाधारण को जानकारी के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार हारा आयकर नियमावली, 1962 (उक्त नियमावली) के नियम ५ग और ५ड. के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 (उक्त अधिनियम) की धारा 35 की उपधारा (1) के छांड (ii) के प्रयोगनार्थ दिनांक 1-4-2004 से संगठन मैसर्स विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान, बंगलौर को निम्नलिखित शर्तों के अधीन आंशिक रूप से संलग्न 'अन्य संस्था' की श्रेणी में अनुमोदित किया गया है, अर्थात्:—**

(i) अनुमोदित संगठन को प्रदत्त राशि का उपयोग वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए किया जाएगा;

(ii) अनुमोदित संगठन अपने संकाय सदस्यों अथवा अपने नामांकित छात्रों के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान करेगा;

(iii) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए इसके द्वारा प्राप्त राशि के संबंध में अलग खाता वही रखेगा जिसमें अनुसंधान कार्य करने के लिए प्रयुक्त राशि को दर्शाएगा तथा उक्त अधिनियम की धारा 288 की उपधारा (2) के स्पष्टीकरण में यथा परिभाषित किसी लेखाकार से अपनी खाता-बही की लेखा परीक्षा कराएगा और उक्त अधिनियम की धारा 139 की उप-धारा(1) के अंतर्गत आय विवरणी प्रस्तुत करने की नियम तिथि तक ऐसे लेखाकार द्वारा विधिवत सत्यापित एवं हस्ताक्षरित लेखा परीक्षा रिपोर्ट नाम्पले में क्षेत्राधिकार रखने वाले आयकर आयुक्त अम्भावा आयकर निदेशक को प्रस्तुत करेगा।

(iv) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान तथा प्रयुक्त राशि का अलग विवरण रखेगा और उपर्युक्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत सत्यापित विवरण की प्रति प्रस्तुत करेगा।

2. केन्द्र सरकार यह अनुमोदन वापिस ले ले गी यदि अनुमोदित संगठन:-

(क) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित पृथक लेखा वही नहीं रखेगा; अथवा

(ख) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा

(ग) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iv) में उल्लिखित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त एवं प्रयुक्त दान का अपना विवरण प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा

(घ) अपना अनुसंधान कार्य करता बंद कर देगा अथवा इसके अनुसंधान कार्य को जायज नहीं पाया जाएगा; अथवा

(ङ.) उक्त नियमावली के नियम 5 ग्र और 5 ड. के साथ पटित उक्त अधिनियम की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोगाधारों के अनुरूप नहीं होगा तथा उनका पालन नहीं करेगा।

[अधिष्ठना सं. 39/2008/फा.सं.203/96/2007/आ.क.नि- II]

सुरेन पाल, अवर सचिव

New Delhi, the 17th March, 2008

S.O. 802.—It is hereby notified for general information that the organization Vivekananda Yoga Anusandhana Samsthana, Bangalore, has been approved by the Central Government for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 (said Act), read with Rules 5C and 5E of the Income-tax Rules, 1962 (said Rules), with effect from 1-4-2004 in the category of 'other Institution', partly engaged in research activities subject to the following conditions, namely:-

- The sums paid to the approved organization shall be utilized for scientific research;
- The approved organization shall carry out scientific research through its faculty members or its enrolled students;

(iii) The approved organization shall maintain separate books of accounts in respect of the sums received by it for scientific research, reflect therein the amounts used for carrying out research, get such books audited by an accountant as defined in the explanation to sub-section (2) of section 288 of the said Act and furnish the report of such audit duly signed and verified by such accountant to the Commissioner of Income-tax or the Director of Income-tax having jurisdiction over the case, by the due date of furnishing the return of income under sub-section (1) of section 139 of the said Act;

(iv) The approved organization shall maintain a separate statement of donations received and amounts applied for scientific research and a copy of such statement duly certified by the auditor shall accompany the report of audit referred to above. The Central Government shall withdraw the approval if the approved organization:

- fails to maintain separate books of accounts referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
- fails to furnish its audit report referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
- fails to furnish its statement of the donations received and sums applied for scientific research referred to in sub-paragraph (iv) of paragraph 1; or
- ceases to carry on its research activities or its research activities are not found to be genuine; or
- ceases to conform to and comply with the provisions of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the said Act read with rules 5C and 5E of the said Rules.

[Notification No.39/2008/F.No.203/96/2007/ITA-II]

SURENDER PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 मार्च, 2008

का.आ. 803.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एलड्हारा यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा आयकर नियमावली, 1962 (उक्त नियमावली) के नियम 5ग्र और 5ड. के साथ पटित आयकर अधिनियम, 1961 (उक्त अधिनियम) की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के प्रयोगाधार दिनांक 1-4-2004 से संगठन मैसर्स गुजरात हस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च, अहमदाबाद को निम्नलिखित शर्तों के अधीन अनुसंधान कार्यकलाप में आयोगिक रूप से संलग्न 'अन्य संस्था' की श्रेणी में अनुमोदित किया गया है, अर्थात् :-

- अनुमोदित संगठन को प्रदत्त राशि का उपयोग सामाजिक विज्ञान के अनुसंधान के लिए किया जाएगा;
- अनुमोदित संगठन अपने संकाय सदस्यों अथवा अपने नामांकित छात्रों के माध्यम से सामाजिक विज्ञान अथवा सांख्यिकीय अनुसंधान में अनुसंधान का कार्य करेगा;

(iii) अनुमोदित संगठन वही-खाता रखेगा तथा उक्त अधिनियम की धारा 288 की उप-धारा (2) के स्वार्थीकरण में यथा परिमाणित किसी लेखाकार से अपनी खाता-वही की लेखा परीक्षा कराएगा और उक्त अधिनियम की धारा 139 की उपधारा(1) के अंतर्गत आय विवरणी प्रस्तुत करने की नियत लिये वक्त ऐसे लेखाकार द्वारा विधिवत सत्यापित एवं हस्ताक्षरित लेखा परीक्षा रिपोर्ट मामले में स्थिराधिकार रखने वाले आयकर आयुक्त अथवा आयकर निदेशक को प्रस्तुत करेगा।

(iv) अनुमोदित संगठन सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए प्राची दान तथा प्रयुक्त राशि का अलग विवरण रखेगा और उपर्युक्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत सत्यापित विवरण की प्रति प्रस्तुत करेगा।

2. केन्द्र सरकार वह अनुमोदन विषय से लेगी यदि अनुमोदित संगठन :-

(क) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित अलग लेखा वही नहीं रखेगा; अथवा

(ख) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा

(ग) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iv) में उल्लिखित सामाजिक विज्ञान अथवा सार्वजनिकीय अनुसंधान में अनुसंधान के लिए प्राप्त एवं प्रयुक्त दान का अपना विवरण प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा

(घ) अपना अनुसंधान कार्य करना बंद कर देगा अथवा इसके अनुसंधान कार्य को जायज़ नहीं पाया जाएगा; अथवा

(ङ) उक्त नियमावली के नियम 5 ग और 5 ढ. के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 35 की उप-धारा (1) के खंड (ii) के प्रवादानों के अनुरूप नहीं होगा तथा उनका पालन नहीं करेगा।

[अधिसूचना सं. 44/2008/का.सं.203/133/2007/आ.क.नि-ग]

सुरेन्द्र पाल, अधर सचिव

New Delhi, the 18th March, 2008

**S.O. 803.**—It is hereby notified for general information that the organization Gujarat Institute of Development Research, Ahmedabad, has been approved by the Central Government for the purpose of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 (said Act), read with Rules 5C and 5E of the Income-tax Rules, 1962 (said Rules), with effect from 1-4-2006 in the category of 'other Institution', partly engaged in research activities subject to the following conditions, namely:—

- (i) The sums paid to the approved organization shall be utilized for research in social sciences;
- (ii) The approved organization shall carry out research in social science or statistical research through its faculty members or its enrolled students;
- (iii) The approved organization shall maintain separate books of accounts in respect of the sums received

by it for scientific research, reflect therein the amounts used for carrying out research, get such books audited by an accountant as defined in the explanation to sub-section (2) of section 288 of the said Act and furnish the report of such audit duly signed and verified by such accountant to the Commissioner of Income-tax or the Director of Income-tax having jurisdiction over the case, by the due date of furnishing the return of income under sub-section (1) of section 139 of the said Act;

(iv) The approved organization shall maintain separate statement of donations received and amounts applied for research in social sciences and a copy of such statement duly certified by the auditor shall accompany the report of audit referred to above.

2. The Central Government shall withdraw the approval if the approved organization :—

- (a) fails to maintain separate books of accounts referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
- (b) fails to furnish its audit report referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
- (c) fails to furnish its statement of the donations received and sums applied for research in social sciences or statistical research referred to in sub-paragraph (iv) of paragraph 1; or
- (d) ceases to carry on its research activities or its research activities are not found to be genuine; or
- (e) ceases to conform to and comply with the provisions of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the said Act, read with rules 5C and 5E of the said Rules.

[Notification No. 44/2008/F No. 203/133/2007/ITA-4]

SURENDER PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 मार्च, 2008

**का.आ. 804.**—सांख्यिकीय को जानकारी के लिए यह द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा आयकर नियमावली, 1962 (उक्त नियमावली) के नियम 5ग और 5घ के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 (उक्त अधिनियम) की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनार्थ दिनांक 1-4-2006 से संगठन मैसर्स हरकिसनदास नरेत्तमदास मेंटिकल रिसर्च सोसायटी, मुम्बई को वैज्ञानिक उत्तराधिकारी द्वारा अनुसंधान कार्यक्रमों में लागी 'वैज्ञानिक अनुसंधान संघ' की श्रेणी में अनुमोदित किया गया है, अर्थात् :—

- (i) अनमोदित "वैज्ञानिक अनुसंधान संघ" का एकमात्र ड्रेश्य वैज्ञानिक अनुसंधान करना होगा;
- (ii) अनुमोदित संगठन स्वयं वैज्ञानिक अनुसंधान कार्य-क्रमालय जारी रखेगा;
- (iii) अनुमोदित संगठन वही-खाता रखेगा तथा उक्त अधिनियम की धारा 288 की उप-धारा (2) के स्वार्थीकरण में यथा परिमाणित किसी लेखाकार से अपनी खाता-वही की लेखा

परीक्षा कराएगा और उक्त अधिनियम की धारा 139 की उप-धारा (1) के अंतर्गत आय विवरणी प्रस्तुत करने की नियत तिथि तक ऐसे लेखांकार द्वारा विधिवत सत्यापित एवं हस्ताक्षरित सेखा परीक्षा रिपोर्ट भाष्यां में क्षेत्राधिकार रखने वाले आयकर आयुक्त अथवा आयकर निदेशक को प्रस्तुत करेगा।

(iv) अनुमोदित संगठन कैज़ानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान तथा प्रयुक्त राशि का अलग विवरण रखेगा और उपर्युक्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत सत्यापित विवरण की प्रति प्रस्तुत करेगा।

2. केन्द्र सरकार यह अनुमोदन बापिस से लेगी यदि अनुमोदित संगठन :

- (क) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित लेखा वही नहीं रखेगा; अथवा
- (ख) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (ग) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iv) में उल्लिखित कैज़ानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान एवं प्रयुक्त राशि का अपना विवरण प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (घ) अपना अनुसंधान कार्यकलाप करता हो कर देगा अथवा इसके अनुसंधान कार्यकलाप को जाकर नहीं पाया जाएगा; अथवा
- (ङ) उक्त नियमाबली के नियम 5 ग और 5 घ के साथ उक्त उक्त अधिनियम की धारा 35 की उप-धारा (1) के खंड (ii) के प्रावधानों के अनुरूप नहीं होगा तथा उनका पालन नहीं करेगा।

[अधिसूचना सं. 43/2008/का.सं.203/125/2007/आ.क.नि-11]

सुरेन्द्र पाल, अवर सचिव

New Delhi, the 18th March, 2008

**S.O. 804.**—It is hereby notified for general information that the organization Sir Hurkisondas Nutrotundas Medical Research Society, Mumbai has been approved by the Central Government for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 (said Act), read with Rules 5C and 5D of the Income-tax Rules, 1962 (said Rules), with effect from 1-4-2006 in the category of 'Scientific Research Association' subject to the following conditions, namely :—

- (i) The sole objective of the approved 'Scientific Research Association' shall be to undertake scientific research;
- (ii) The approved organization shall carry on the scientific research activity by itself;
- (iii) The approved organization shall maintain books of accounts and get such books audited by an accountant as defined in the explanation to sub-section (2) of Section 288 of the said Act and furnish the report of such audit duly signed and verified by such accountant to the Commissioner of Income-tax or the Director of Income-tax having jurisdiction

over the case, by the due date of furnishing the return of income under sub-section (1) of Section 139 of the said Act;

- (iv) The approved organization shall maintain separate statement of donations received and amounts applied for scientific research and a copy of such statement duly certified by the auditor shall accompany the report of audit referred to above.
2. The Central Government shall withdraw the approval if the approved organization :—
  - (a) fails to maintain books of accounts referred to in sub-paragraph (iii) of para. 1; or
  - (b) fails to furnish its audit report referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
  - (c) fails to furnish its statement of donations received and amounts applied for scientific research referred to in sub-paragraph (iv) of paragraph 1; or
  - (d) ceases to carry on its research activities or its research activities are not found to be genuine; or
  - (e) ceases to conform to and comply with the provisions of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the said Act, read with rules 5C and 5D of the said Rules.

[Notification No. 43/2008/F.No. 203/125/2007/ITA-II]

SURRENDER PAL, Under Secy.

(विशेष सेवाएं विभाग)

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 2008

**का.आ. 805.**—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध एवं प्रक्रीय उपबंध) स्कीम, 1970/1980 के खण्ड 3 के उप-खण्ड (1) के साथ परिंत, बैंककारी कंपनी (उपकारों का अर्बन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970/1980 की धारा 9 की उप-धारा 3(ज) तथा (3-क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एवं द्वारा श्री सुवर्ण सान्याल, को अधिसूचना की तिथि से तीन बारों की अवधि के लिए अथवा अगले आदेश होने तक, जो भी पहले हो, कारोबारी बैंक के निदेशक मण्डल में अंशकालीन गैर-सरकारी निदेशक के रूप में नामित करती है।

[फ. सं. 9/22/2006-बीओ-1]

जी. बी. सिंह, उप सचिव

(Department of Financial Services)

New Delhi, the 4th April, 2008

**S.O. 805.**—In exercise of the powers conferred by sub-section 3(h) and (3-A) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980 read with sub-clause (1) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970/1980, the Central Government hereby nominates Shri Suvarna Sanyal as part-time non-official Director on the Board of Directors of Corporation Bank for a period of three years from the date of notification or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 9/22/2006-BO-1]

G. B. SINGH, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 2008

का.आ. 806.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970/1980 के खण्ड 3 के उप-खण्ड (1) के साथ पठित, बैंककारी कंपनी (उपकरणों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970/1980 की धारा 9 की उप-धारा 3(ज) तथा (3-क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री शैबल गुप्ता, को अधिसूचना की तिथि से लौन वचों की अधिधिक सिलेक्शन अगले अदेश होने तक, जो भी पहुंचे हो, आनंदा बैंक के निदेशक मण्डल में अंशकालीन गैर-सरकारी निदेशक के रूप में नामित करती है।

[फा. सं. 9/22/2006-बीओ-1]

जी. बी. सिंह, उप सचिव

New Delhi, the 4th April, 2008

S.O. 806.—In exercise of the powers conferred by sub-section 3(h) and (3-A) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980 read with sub-clause (1) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970/1980, the Central Government hereby nominates Shri Shaibal Gupta as part-time non-official Director on the Board of Directors of Andhra Bank for a period of three years from the date of notification or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 9/22/2006-BO-I]  
G. B. SINGH, Dy. Secy.

(बीम प्रधान)

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 2008

का.आ. 807.—बीम विनियापक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999 (1999 का 41) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, श्रीमती सुषमा नाथ, सचिव, अब्द विधाय, वित्त मंत्रालय को श्री प्रदीप कुमार, सचिव, रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय के स्थान पर बीम विनियापक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीए) में तत्काल प्रभाव से अगले अदेशों तक, अंशकालिक सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. 11/6/2003-बीमा-III]  
एस. के. जिन्दल, उप सचिव

(Insurance Division)

New Delhi, the 9th April, 2008

S.O. 807.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Insurance Regulatory and Development Authority Act, 1999 (41 of 1999), the Central Government hereby appoints Smt. Sushma Nath, Secretary, Department of Expenditure, Ministry of Finance as Part-time member of the Insurance Regulatory and Development Authority (IRDA) vice Shri Pradeep Kumar Secretary, Department of Defence Production, Ministry of Defence with immediate effect and until further orders.

[F. No. 11/6/2003-Ins.-III]  
S. K. JINDAL, Dy. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 2008

का.आ. 808.—केन्द्र सरकार ने भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) के अनुसरण में और हरियाणा सरकार से परामर्श करने के बाद, डॉ. सिहाग कमलवीर सिंह, सुपुत्र श्री गणपत राम सिहाग, मकान नं. 944, सेक्टर-8, पंचकुला को दिनांक 21-04-2008 से पांच वचों की अधिधिक सिलेक्शन अगले अदेश भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद के सदस्य के रूप में नामित किया है।

अब: अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) के उपबंध के अनुसरण में, केन्द्र सरकार एतद्वारा भारत सरकार के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्रालय की दिनांक 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या का.आ. 138 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) के अधीन नामिती” शीर्षक के अंतर्गत क्रम संख्या 16 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी; अर्थात् :—

“16. डॉ. सिहाग कमलवीर सिंह, हरियाणा सरकार”  
सुपुत्र श्री गणपत राम सिहाग,  
मकान नं. 944, सेक्टर-8, पंचकुला

[सं. बी-11013/2/2007-एमई (नीति-IV)]

एस. के. गुप्ता, अबर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 3rd April, 2008

S.O. 808.—Whereas the Central Government, in pursuance of clause (a) of sub-section (1) of Section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) and in consultation with the Government of Haryana have nominated Dr. Sihag Kamalveer Singh, S/o Shri Ganpat Ram Sihag, H. No. 944, Sector-8, Panchkula to be a member of the Medical Council of India for a period of five years with effect from 21-04-2008.

Now, therefore, in pursuance of the provision of sub-section (1) of Section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the Notification of the Government of India in the then Ministry of Health number S.O. 138 dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said Notification, under the heading, “Nominated under clause (a) of sub-section (1) of Section 3”, for serial number 16 and the entries thereto, the following entries shall be substituted, namely :—

“16. Dr. Sihag Kamalveer Singh Government of  
S/o Shri Ganpat Ram Sihag Haryana”  
H. No. 944, Sector-8,  
Panchkula

[No. V. 11013/2/2007-ME(P-J)]

S. K. GUPTA, Under Secy.

## मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(उच्चतम् शिक्षा विभाग)

(यूनेस्को यूनिट)

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2008

क्र. आ. 809.—आधेविसे प्रतिष्ठान अधिनियम, 1988 (1988 का 54) की धारा 11, उप-धारा 1(ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के गजपत्र के धारा 11 खण्ड 3(ii) में दिनांक 6 सितम्बर, 2004 को प्रकाशित भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग की अधिसूचना संख्या 27-50/2002-यूनेस्को यूनिट में आशिक संशोधन करते हुए केन्द्र सरकार इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से निम्नलिखित व्यक्ति को आधेविले प्रतिष्ठान के शासी निकाये में श्री स्त्री बालकृष्ण, पूर्ण संयुक्त सचिव (योजना प्रभाग) के स्थान पर शासी बोर्ड के शोष कार्यकाल अर्थात् 5 सितम्बर, 2008 तक सदस्य नियुक्त करती है :

श्री सुनील कुमार  
संयुक्त सचिव (यूनेस्को प्रभाग)  
उच्चतम् शिक्षा विभाग  
मानव संसाधन विकास मंत्रालय  
शास्त्री भवन, नई दिल्ली

-पदन सदस्य

[फा. सं. 27-2/2008-यूनु  
एस. के. शर्मा, निदेशक

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE  
DEVELOPMENT  
(Department of Higher Education)  
(UNESCO Unit)

New Delhi, the 27th March, 2008

S.O. 809.—In exercise of the powers conferred by Section 11, sub-section 1(ii) of the Auroville Foundation Act, 1988 (54 of 1988) and in partial modification of the Government of India, Ministry of Human Resource Development of Education Notification No. 27—50/2002-UU dated 6th September, 2004 published in the Gazette of India, Part II, Section 3(ii), the Central Government hereby nominates with effect from the date of issue of this Notification, the following person as Member on the Governing Board of the Auroville Foundation in place of Shri C. Balakrishnan, former Joint Secretary (Plg. Division) for the remaining term of the Board i.e. upto 5th September, 2008 :—

Shri Sunil Kumar —Ex-officio Member  
Joint secretary (UNESCO Division)  
Department of Higher Education  
Ministry of Human Resource Development  
Shastri Bhawan, New Delhi

[F. No. 27-2/2008-UU]  
S. K. SHARMA, Director

## पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

(पोत परिवहन विभाग)

(भारत [I] अनुभाग)

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 2008

क्र. आ. 810.—फाईल सं. एच-11020/2/2005-स्था. के अंतर्गत जारी दिनांक 11 अक्टूबर, 2005 के क्र. आ. 1484 (म) में आशिक संशोधन करते हुए और फाईल सं. आई.35019/3/2006-आर टी. आई. के अंतर्गत जारी दिनांक 5 जनवरी, 2007 के बाद के संशोधन और “सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005” (2005 का 22) की धारा 5 की उप-धारा (1) के अनुसारण में पोत परिवहन विभाग (पुल्कालय), पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, एवं दूसरा :

- (i) लेखा और बजट से संबंधित सभी विषयों के लिए, श्री संजय पांडे, जिन्हें स्थानांतरित कर दिया गया है, के स्थान पर श्री चौरी सिंह, लेखा नियंत्रक (दूरभाष सं. 23381410) आई डी ए विलिंग, जामनगर हाउस, नई दिल्ली-110011, को केन्द्रीय लोक-सूचना-अधिकारी के रूप में नामोदिष्ट करता है;
- (ii) पोत परिवहन विभाग से संबंधित विषयों के वित्तीय पक्षों से संबंधित सभी मरमतों के लिए, श्री टी. श्रीनिधि, जिन्हें स्थानांतरित कर दिया गया है, के स्थान पर डा. ए. आर. गोयल, निदेशक (वित्त) (दूरभाष सं. 23710213) (कमरा सं. 523), परिवहन भवन, नई दिल्ली, को केन्द्रीय लोक-सूचना-अधिकारी के रूप में नामोदिष्ट करता है;
- (iii) पोत परिवहन विभाग के परिवहन अनुसंधान स्कॉल के संबंधित सभी विषयों के लिए, श्रीमती चौ. मैथली, जिन्हें पदोन्नत कर दिया गया है, के स्थान पर श्री एम. आर. रामचन्द्रनी, संयुक्त निदेशक (पोत-परिवहन/समच्चय) (दूरभाष सं. 23387256) आई डी ए विलिंग, जामनगर हाउस, नई दिल्ली-110011, को केन्द्रीय लोक-सूचना-अधिकारी के रूप में नामोदिष्ट करता है;

[फा. सं. आई-35019/3/2006-आर टी.आई.]  
ए. एम. विजयन, अवर सचिव

MINISTRY OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT  
AND HIGHWAYS

(Department of Shipping)  
(Estt. II Section)

New Delhi, the 7th April, 2008

S.O. 810.—In Partial modification of S.O.1484 (E) dated 11th October, 2005 issued under File No. H-11020/2/2005-Estt and subsequent modification dated 5th January, 2007 issued under File No. I. 35019/3/2006-RTI and in pursuance of sub-section (1) of Section 5 of the Right to Information Act, 2005 (22 of 2005), the Department of

**Shipping (Headquarters), Ministry of Shipping, Road Transport & Highways hereby designate:**

- (I) Shri Biri Singh, controller of Accounts [Tel No. 23381410] IDA Building, Jamnagar House, New Delhi-110 011 as Central Public Information Officer (CPIO) for all matters concerning Accounts and Budget of the Department of Shipping in place of Shri Sanjay Pande who has been transferred;
- (II) Dr. A. R. Goyal, Director (Finance) [Tel No. 23710213] (Room No. 523), Transport Bhavan, New Delhi-110 001 as Central Public Information Officer (CPIO) for all matters concerning financial aspects of proposals relating to the Department of Shipping in place of Shri T. Srinidhi who has been transferred; and
- (III) Shri M. R. Ramchandani, Joint Director (S/ Coordination) [Tel No. 23387256] IDA Building, Jamnagar House, New Delhi-110 011 as Central Public Information Officer (CPIO) for all matters concerning Transport Research Wing of the Department of Shipping in place of Smt. G. Mythili who has been promoted.

[File No. I-35019/3/2006-RTT]  
A. M. VIJAYAN, Under Secy.

#### राज्य भौतिकीय

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2008

का. आ. 811.—केंद्र सरकार एतद्वाय यह अधिसूचित करती है कि राज्य सभा ने केंद्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम, 1948 की धारा 4 की उपधारा (3) के खण्ड (ग) के अनुसार में इस अधिनियम के प्रावधानों के अध्यधीन श्री श्री. के. हरीप्रसाद, सदस्य, राज्य सभा को तीन वर्षों की अवधि के लिए केंद्रीय रेशम बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए 18 मार्च, 2008 को विधिवत चुन लिया है।

[फा. सं. 25012/1/2008-रेशम]  
भूपेन्द्र सिंह, संयुक्त सचिव

#### MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 31st March, 2008

**S.O. 811.**—The Central Government hereby notifies that the Rajya Sabha has in pursuance of clause (c) of sub-section (3) of Section 4 of the Central Silk Board Act, 1948, duly elected Shri B. K. Hariprasad, Member, Rajya Sabha, on 18th March, 2008 to serve as a member of the Central Silk Board for a period of three years subject to the provisions of the Act.

[F. No. 25012/1/2008-Silk]  
BHUPENDRA SINGH, Jr. Secy.

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 2008

का. आ. 812.—केंद्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 का 61) की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग

हुए, केंद्र सरकार एतद्वाय उपर्युक्त अधिनियम के प्रावधानों के अध्यधीन इस अधिसूचना की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए केंद्रीय रेशम बोर्ड के सदस्यों के रूप में कार्य करने के लिए निम्नलिखित शक्तियों का नामांकन अधिसूचित करती है:

1. श्रीमती एम. सत्यवती,	इस अधिनियम की धारा
सदस्य सचिव,	4(3) (बी) के तहत
केंद्रीय रेशम बोर्ड, बैंगलूरु	केंद्र सरकार द्वारा नामित
2. वस्त्र आयुक्त,	इस अधिनियम की धारा
पश्चिम बंगाल सरकार,	4(3) (एफ) के तहत
सूख एवं लालू उद्यम तथा	केंद्र सरकार द्वारा नामित
वस्त्र विभाग, राइटर्स बिल्डिंग,	
कोलकाता-700001	
3. श्री एस. एन. तामुली,	इस अधिनियम की धारा
आई. ए. एस., सचिव,	4(3) (बी) के तहत
असम सरकार, हथकरघा,	केंद्र सरकार द्वारा नामित
वस्त्र एवं रेशम विभाग, दिसम्पुर,	
गुवाहाटी-781006 (असम)	

[फा. सं. 25012/56/99-रेशम]

भूपेन्द्र सिंह, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 7th April, 2008

**S.O. 812.**—In exercise of powers conferred by sub-section (3) of Section 4 of the Central Silk Board Act, 1948, the Central Government hereby notifies the nomination of the following persons to serve as members of the Central Silk Board for a period three years from the date of this notification subject to the provisions of the said Act.

1. Smt. M. Sathiyavathy, Member Secretary, Central Silk Board, Bangalore.	Nominated by the Central Government under Section 4(3)(b) of the Act.
2. Commissioner of Textiles, Government of West Bengal, Department of Micro & Small Scale Enterprises & Textiles, Writer's Building, Kolkata-700 001.	Nominated by the Central Government under Section 4(3)(f) of the Act.
3. Shri L. N. Tamuly, I.A.S., Secretary to Government of Assam, Handlooms, Textile and Sericulture Dept., Dispur, Gauhati-781 006 (Assam)	Nominated by the Central Government under Section 4(3)(g) of the Act.

[F. No. 25012/56/99-Silk]

BHUPENDRA SINGH, Jr. Secy.

#### बिद्युत यंत्रालय

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2008

का. आ. 813.—केंद्रीय सरकार, गोप्यभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम 4 के

अनुसंधान में पावरग्रिड कारपोरेशन औफ इंडिया लि., गुडगांव, रुरल इलेक्ट्रीफिकेशन कॉरपोरेशन लि., नई विस्तरी तम्ब नैशनल हाइड्रोइलैक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लि., फरीदाबाद के प्रशासनिक विवरणाद्वारा कार्यालयों को, जिनके ८० प्रतिशत कर्मचारीहृषि ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, एवंद्वारा अधिसूचित करती है:—

- पावरग्रिड कारपोरेशन औफ इंडिया लि.,  
दक्षिणप्रा-१, ४०० केवी खम्मम उप केन्द्र,  
बूदिदम्पदु गांव, कोम्मिनेपल्लि (पोस्ट),  
खम्मम (ज़िला)-५०७१८२ (आ. प.)
- पावरग्रिड कारपोरेशन औफ इंडिया लि.,  
४००/२२० के.वी. उप केन्द्र,  
२२ के. एम. अकलकोट रोड,  
ग्राम: लिंबी चिंचोली, पो. चालसरींग,  
ता. दक्षिण सोलापुर,  
ज़िला: सोलापुर-४१३ २२८ (महाराष्ट्र)
- पावरग्रिड कारपोरेशन औफ इंडिया लि.,  
प्लाट नं. २१७, वार्ड नं. ७, नगर परिषद ले आकर,  
बस स्टॉप के पीछे, देवली,  
ज़िला: बर्धा-४४२ १०१ (महाराष्ट्र)
- पावरग्रिड कारपोरेशन औफ इंडिया लि.,  
४००/२२० के. वी. ग्रीस इन्सुलेटेड उप केन्द्र,  
प्लाट नं. टी-१, ग्राम: टेम्पोडे, डाकघर: कलम्बोली,  
नवी मुंबई-४१० २१८ (महाराष्ट्र)
- पावरग्रिड कारपोरेशन औफ इंडिया लि.  
परली नाका, परली रोड, ग्राम: शेपवाडी,  
अंबाजोगार्ह, ज़िला बीड-४३१ ५१७ (महाराष्ट्र)
- पावरग्रिड कारपोरेशन औफ इंडिया लि.  
प्लैट नं. एस-३, माणिक आकांड, चेतना नगर,  
औरंगाबाद-४३१ ००५ (महाराष्ट्र)
- पावरग्रिड कारपोरेशन औफ इंडिया लि.  
“ओम हर्षनंदन चिल्ड्रंग”, तीसरा बंगला,  
बिडला कंपाकांड, बिडला रोड,  
अकोला-४४४ ००५ (महाराष्ट्र)
- रुरल इलेक्ट्रीफिकेशन कारपोरेशन लि.  
१/५, अलसूर रोड, बैंगलूरु-५६० ०४२
- नैशनल हाइड्रोइलैक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लि.  
लखवाड़ व्यासी परियोजना, ई-५, टैंस कालोनी,  
डाकपत्तर, देहरादून (उत्तराखण्ड)
- नैशनल हाइड्रोइलैक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लि.  
संपर्क कार्यालय, फोरेस्ट ब्यू भवन,  
नव चाहार चौक, शिमला।

[सं. ११०१७/१/२००७-हिंदी]

देवेंद्र सिंह, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF POWER

New Delhi, the 11th March, 2008

S.O. 813.—In pursuance of Sub Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices under the administrative control of Powergrid Corporation of India Ltd., Gurgaon, Rural Electrification Corporation Ltd., New Delhi and National Hydroelectric Power Corporation Ltd., Faridabad, the staff whereof have acquired 80% working knowledge of Hindi:—

- Powergrid Corporation of India Ltd.,  
SRTS-१, ४०० KV Khammam Sub-Station,  
Budidampadu Village, Komminepalli (Post);  
Khammam (Distr.)-५०७१८२ (A. P.)
- Powergrid Corporation of India Ltd.,  
४००/२२० KV Sub-Station, २२nd K.M.  
Akkalkot Road, Village: Limbi-Chincholi,  
Post: Walsang, Taluka: South Solapur,  
Distr. Solapur ४१३ २२८ (Maharashtra)
- Powergrid Corporation of India Ltd.,  
Plot No. २१७, Ward No. ७, Nagar  
Parishad Layout, Behind Bus Stop,  
Deoli, Distr. Wardha-४४२ १०१ (Maharashtra)
- Powergrid Corporation of India Ltd.,  
४००/२२० KV Gas Insulated Substation,  
Plot No. T-१, Village: Tembode, P.O. Kalamboli,  
Navi Mumbai-४१० २१८ (Maharashtra)
- Powergrid Corporation of India Ltd.,  
Parli Naka, Parli Road, Village-Shepwadi,  
Ambajogai, Distr. Beed - ४३१ ५१७ (Maharashtra)
- Powergrid Corporation of India Ltd.,  
Flat No. S-३, Manik Arcade, Chetna Nagar,  
Arangabad-४३१ ००५
- Powergrid Corporation of India Ltd.,  
“OM Harshnandan Building”,  
3rd Bangalow, Birla Compound, Birla Road,  
Akola-४४४ ००५ (Maharashtra)
- Rural Electrification Corporation Ltd.,  
१/५, Ulsoor Road, Bangalore-५६० ०४२
- National Hydroelectric Power Corporation Ltd.,  
Lakhwar Vyasi Project, EE-५, Tons Colony,  
Dakpathar, Dehradun. (U.K.)
- National Hydroelectric Power Corporation Ltd.,  
Liaison Office, Forest View Building, Nav Bahar  
Chowk, Shimla.

[No. ११०१७/१/२००७-Hindi]

DEVENDER SINGH, Lt. Secy.

## संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(दूरसंचार विभाग)

(राजपाला अनुशासन)

नई दिल्ली, 25 मार्च, 2008

का. अ. 814.—केंद्रीय सरकार, राजपाला (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 (यासंशोधित 1987) के नियम 10(4) के अनुसरण में संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, दूरसंचार विभाग के प्रशासनिक नियमनाधीन नियन्त्रित कार्यालयों को, जिसमें 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, एवं द्वारा अधिसूचित करती है।

मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार, कर्नाटक परिमंडल, भा.सं.  
पि.लि., बैंगलूरु

1. महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय, मैड्डा
2. मंडल अधिकारी (नगर) का कार्यालय, मैड्डा

[सं. ई. 11016/1/2007-रा. भा. (पार्ट-1)]

कीर्ति कुमार, उप महानिदेशक (समन्वय एवं प्रशासन)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS AND  
INFORMATION TECHNOLOGY

(Department of Telecommunications)

(O. L. Section)

New Delhi, the 25th March, 2008

S.O. 814.—In pursuance of rule 10(4) of the Official Language (Use for Official Purpose of the Union), Rules, 1976 (as amended-1987), the Central Government hereby notifies the following Offices under the administrative control of Ministry of Communications and Information Technology, Department of Telecommunications whereof more than 80% of staff have acquired working knowledge of Hindi.

Chief General Manager (Telecom.), Karnataka Circle, B.S.N.L., Bangalore

1. Office of the General Manager  
Telecommunications, Mandyā

2. Office of the Divisional Engineer (City), Mandyā

[No. E.11016/1/2007-O. L. (Part-I)]

KIRTHY KUMAR, Dy. Director General  
(Coordination & Admin.)

(आक विभाग)

नई दिल्ली, 25 मार्च, 2008

का. आ. 815.—राजपाला नियम (संघ के शासकीय प्रयोजन के लिए प्रयोग) 1976 के नियम-10 के उप नियम (4) के अनुसरण में केंद्र सरकार, इक विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों को जिसके 80 प्रतिशत कर्मचारी (युप एवं कर्मचारियों को छोड़कर) ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

## कार्यालयों का नाम

क्रम. सं.	डाकघर का नाम	पिन कोड	पिन कोड		
			1	2	3
1.	गमपुर बुशहर मुख्य डाकघर	172001			
2.	आनी उपडाकघर	172026			
3.	बरसू उपडाकघर	172002			
4.	बडागांव उपडाकघर	172027			
5.	बैट्टा उपडाकघर	172034			
6.	चौकाई उपडाकघर	172032			
7.	दलशा उपडाकघर	172025			
8.	देलठ उपडाकघर	172028			
9.	ज्योती उपडाकघर	172101			
10.	ज्ञाखड़ी उपडाकघर	172201			
11.	किंगल उपडाकघर	172024			
12.	कोटाहड़ उपडाकघर	172031			
13.	कुमारसैन उपडाकघर	172029			
14.	ननखरी उपडाकघर	172021			
15.	निरमण उपडाकघर	172023			
16.	निधर उपडाकघर	172033			
17.	निचार उपडाकघर	172103			
18.	नोगली उपडाकघर	172022			
19.	पदमनागर उपडाकघर	172001			
20.	सगहन बुशहर उपडाकघर	172102			
21.	थानेदार उपडाकघर	172030			
22.	रिकार्पियों मुख्य डाकघर	172107			
23.	धावानगर उपडाकघर	172115			
24.	कटांग उपडाकघर	172118			
25.	करडम उपडाकघर	172105			
26.	टापरी उपडाकघर	172104			
27.	सांगला उपडाकघर	172106			
28.	कल्पा उपडाकघर	172108			
29.	रिक्का उपडाकघर	172116			
30.	स्पीलो उपडाकघर	172110			
31.	मूरा उपडाकघर	172109			
32.	पूह उपडाकघर	172111			
33.	लियो उपडाकघर	172112			
34.	तालो उपडाकघर	172113			
35.	काजा उपडाकघर	172114			
36.	सगनम उपडाकघर	172117			
37.	देहरा गोपीपुर मुख्य डाकघर	177101			
38.	डाङासीबा उपडाकघर	177106			
39.	दलिशाय उपडाकघर	177103			
40.	गरली उपडाकघर	177108			

1	2	3	1	2	3
41.	हरिपुर उपडाकघर	176028	83.	हरोली उपडाकघर	177220
42.	ज्वालामुखी उपडाकघर	176031	84.	लिथियानी उपडाकघर	174308
43.	खुडियां उपडाकघर	176030	85.	मैहतपुर उपडाकघर	174315
44.	कोहला उपडाकघर	176036	86.	मुखारिकपुर उपडाकघर	177202
45.	नैहरन युखर उपडाकघर	177104	87.	परखाडी उपडाकघर	174319
46.	प्रागपुर उपडाकघर	177107	88.	नैहरो नौरोजा उपडाकघर	177210
47.	पीरसलूही उपडाकघर	177034	89.	ओयल उपडाकघर	177206
48.	रक्कड़ उपडाकघर	177043	90.	पन्डोगा उपडाकघर	177207
49.	संसारपुर टैरस उपडाकघर	176501	91.	पञ्चाबर उपडाकघर	177208
50.	ठोर उपडाकघर	177105	92.	पूदोवाल उपडाकघर	174503
51.	टिपरी उपडाकघर	177112	93.	रायेपुर उपडाकघर	177031
52.	कांगड़ा मुख्यउपडाकघर	176001	94.	सलोह उपडाकघर	177203
53.	चटोह उपडाकघर	176054	95.	संतोखगढ़ उपडाकघर	174301
54.	भरमेह उपडाकघर	176021	96.	मुक्काली उपडाकघर	177219
55.	धमेठा उपडाकघर	176025	97.	सोडी उपडाकघर	177039
56.	फतेहपुर उपडाकघर	176025	98.	तलमेडा उपडाकघर	174320
57.	गगल उपडाकघर	176209	99.	धानकला उपडाकघर	174321
58.	ज्वाली उपडाकघर	176023	100.	ठठल उपडाकघर	177211
59.	नगरोटी बगवां उपडाकघर	176047	101.	ऊना मुख्य डाकघर	174303
60.	नारोटी मुरिया उपडाकघर	176047	102.	ऊना डाक मण्डल ऊना	174303
61.	राजा-का-तालाब उपडाकघर	176051			
62.	रैत उपडाकघर	176208			
63.	रानीताल उपडाकघर	176029			
64.	रैहन उपडाकघर	176029			
65.	सुन्दी उपडाकघर	176037			
66.	सुन्हेह उपडाकघर	176056			
67.	तिथारा उपडाकघर	176214			
68.	अम्ब उपडाकघर	177203			
69.	अम्बोटा उपडाकघर	177205			
70.	चंगाना उपडाकघर	174307			
71.	भद्रसाली उपडाकघर	174317			
72.	भरवाई उपडाकघर	177109			
73.	भैरा उपडाकघर	174316			
74.	चिंतपूर्णी उपडाकघर	177110			
75.	चौकीमनियार उपडाकघर	174314			
76.	धुसाडा उपडाकघर	174302			
77.	दौलतपुर चौक उपडाकघर	177204			
78.	देहला उपडाकघर	174306			
79.	झुलैहट उपडाकघर	176601			
80.	गगरेट उपडाकघर	177201			
81.	धनारी उपडाकघर	177212			
82.	गोन्दपुर बैनहगा उपडाकघर	177213			

[सं. 11017-1/2007-रा. भा.]

के, पी. सेटी, उप भाग्निदेशक (एमएम एवं राजभाषा)

(Department of Posts)

New Delhi, the 25th March, 2008

S.O. 815.—In pursuance of rule 10(4) of the Official Language (Use for official purposes of the Union), rule, 1976, the Central Government hereby notifies the following Subordinate Offices of the Department of Posts where 80 percent staff has acquired the working knowledge of Hindi:—

Sl. No.	Name of Post Office	Pin Code	1	2	3
			1	2	3
1.	Rampur BSR-HO	172001			
2.	Ani-SO	172026			
3.	Arsu-SO	172002			
4.	Baragaon-SO	172027			
5.	Bonda-SO	172034			
6.	Chowai-SO	172032			
7.	Dalash-SO	172025			
8.	Dailath-SO	172028			
9.	Jeori-SO	172101			
10.	Jhakri-SO	172201			
11.	Kingal-SO	172024			
12.	Kotgarh-SO	172031			

1	2	3	1	2	3
13.	Kumarsain-SO	172029	59.	Nagrota Bagwan-SO	176047
14.	Nankhatri-SO	172021	60.	Nagrota Surian-SO	176047
15.	Nimand-SO	172023	61.	Raja-ka-talab-SO	176051
16.	Nither-SO	172033	62.	Rait-SO	176208
17.	Nichar-SO	172103	63.	Ranital-SO	176029
18.	Nogli-SO	172022	64.	Rehan-SO	176022
19.	Padam Nagar-SO	172001	65.	Sunhi-SO	176037
20.	Sarahan BSR-SO	172102	66.	Sunehar-SO	177056
21.	Thanedbar-SO	172030	67.	Teara-SO	176214
22.	Reckong PEO-HO	172107	68.	Amb-SO	177203
23.	Bhawa Nagar-SO	172115	69.	Ambota-SO	177205
24.	Katgaon-SO	172118	70.	Bangana-SO	174307
25.	Karcham-SO	172105	71.	Bhadsali-SO	174317
26.	Tapri-SO	172104	72.	Bharwain-SO	177109
27.	Sangla-SO	172106	73.	Bhersa-SO	174316
28.	Kalpa-SO	172108	74.	Chintpurni-SO	177110
29.	Ribba-SO	172116	75.	Chowkimaniar-SO	174314
30.	Speelo-SO	172110	76.	Dhussara-SO	174302
31.	Moorang-SO	172109	77.	Daulatpur Chowak-SO	177204
32.	Pooh-SO	172111	78.	Dehlan-SO	174306
33.	Leo-SO	172112	79.	Dulchar-SO	176601
34.	Tabo-SO	172113	80.	Gagret-SO	177201
35.	Kaza-SO	172114	81.	Ghaneri-SO	177212
36.	Sagnam-SO	172117	82.	Gondpur Banehra-SO	177213
37.	Dehra Gopipur HO	177101	83.	Haroli-SO	177220
38.	Dadasiba-SO	177106	84.	Lathiani-SO	174307
39.	Dhallara-SO	177103	85.	Mehatpur	174315
40.	Garli-SO	177108	86.	Mubarakpur-SO	177202
41.	Haripur-SO	176028	87.	Marwari-SO	174319
42.	Jawalamukhi-SO	176031	88.	Nehri-Nauranga-SO	177210
43.	Khundian-SO	176030	89.	Oel-SO	177206
44.	Kohala	176036	90.	Pandoga-SO	177207
45.	Nehra-Pukher-SO	177104	91.	Panjawar-SO	177208
46.	Pragpur-SO	177107	92.	Pubowal-SO	174503
47.	Pirsalubi-SO	177034	93.	Raipur-SO	177031
48.	Rakkar-SO	177043	94.	Saloh-SO	177209
49.	S. P. Terrace-SO	176501	95.	Santokhgarh-SO	174301
50.	Thore-SO	177105	96.	Sunkali-SO	177219
51.	Tipri-SO	177112	97.	Sohari-SO	177039
52.	Kangra-HO	176001	98.	Taimera-SO	174320
53.	Baron-SO	176054	99.	Thanakalan-SO	175321
54.	Bhamar-SO	176021	100.	Thathal-SO	177211
55.	Dhemata-SO	176025	101.	Una HPO	174303
56.	Fatepur-SO	176053	102.	Una Postal Dvn.	174303
57.	Gaggal-SO	176209			
58.	Jawali-SO	176023			

## उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण भ्रातालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 26 मार्च, 2008

क्र. आ. 816.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एवंदुहरा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिये गये मानक (को) में संशोधन किया गया/किये गये हैं :

## अनुसूची

क्रम संशोधित भारतीय मानक को संख्या और वर्ष	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तिथि	
(1)	(2)	(3)	(4)
1. 2685 : 1971	सं. 2, मार्च 2008	31 मार्च 2008	
2. 3950 : 1979	सं. 1, मार्च 2008	31 मार्च 2008	

इस संशोधन की प्रति भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर भार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चंडीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाक्ता कार्यालयों: अहमदाबाद, बांगलौर, चौपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना, पूणे तथा तिरुवनंतपुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध है।

[संदर्भ : सीईडी/राजपत्र]

ए. के. सैनी, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (सिविल इंजीनियर)

## MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

## BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 26th March, 2008

S.O. 816.—In pursuance of clause (6) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that amendment to the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed has been issued :

## SCHEDULE

Sl. No.	No. & Year of the Indian Standards	No. & Year of the Amendment	Date from which the Amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	2685 : 1971	2, March 2008	31 March, 2008
2.	3950 : 1979	1, March 2008	31 March, 2008

Copy of this Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: CED/Gazette]

A. K. SAINI, Scientist 'F' &amp; Head (Civil Engg.)

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 2008

क्र. आ. 817.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में एवंदुहरा अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे रद्द कर दिए गए हैं और वापस ले लिये गये हैं : -

## अनुसूची

क्र. सं.	रद्द किये गये मानक की सं. और वर्ष	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) में का.आ. सं. और तिथि प्रकाशित	टिप्पणी
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आईएस 3105:1980 ऑटोमोबाइल प्रकाश व्यवस्था और सिग्नलिंग उपकरणों की सामान्य अपेक्षाएं (यहला पुनरीक्षण)	31 मई 2000	मानक प्रचलन में नहीं रहा और प्रयोग में नहीं लाया जा रहा है
2.	आईएस 3563:1993 स्वचल वाहन—हैडलाइट (बदले जा सकने वाले लैप्ट टाइप) विशिष्ट (द्वितीय पुनरीक्षण)	31 मई 2003	—वही—
3.	आईएस 3628:1966 ऑटोमोबाइल प्रयोग की साइडलाइट, टेललाइट, पार्किंग लाइट, स्टॉप लाइट और दिशा संकेतक	31 मई 2000	—वही—
4.	आईएस 4370:1967 कारों और व्यावसायिक वाहनों में प्रकाश व्यवस्था और सिग्नलिंग उपकरणों की रीति संहिता	31 मई 2000	—वही—
5.	आईएस 4916:1968 साइकिल सैडल की परीक्षण पद्धतियां	31 दिसम्बर 2006	आईएस 7451 (भाग 2) : 2006 द्वारा अधिकारित
6.	आईएस 7451 (भाग 3) : 1974 पश्चागमन आंतरिक दहन इंजिन : भाग 3 शार्ट और वार्ट हाथ के एकल बैंक इंजिन की परिभाषा	31 मई 2004	आईएस 10613: 2004 में काठी की अपेक्षाएं शामिल हैं
7.	आईएस 7451 (भाग 4) : 1974 पश्चागमन आंतरिक दहन इंजिन : भाग 4 धूणर्न दिशा के अधिनाम	31 मई 2004	—वही—
8.	आईएस 7451 (भाग 5) : 1974 पश्चागमन आंतरिक दहन इंजिन : भाग 5 सिलिंंडर के अधिनाम	31 मई 2004	—वही—
9.	आईएस 8415:1977 ऑटोमोबाइल के लिए हैडलाइट के अध्यारोपण के आवाय	31 मई 2000	मानक प्रचलन में नहीं रहा और प्रयोग में नहीं लाया जा रहा है
10.	आईएस 8416:1977 ऑटोमोबाइल के लिए फॉग लाइट के आरोपण के आवाय	31 मई 2000	—वही—
11.	आईएस 9961:1981 ऑटोमोबाइल प्रयोग के लिए रिवर्सिंग लाइट की विशिष्टि	31 मई 2000	—वही—
12.	आईएस 10256:1982 ऑटोमोबाइल के लिए स्टॉप, टेल और टर्न सिग्नल लाइट के संस्थापन की रीति संहिता	31 मई 2000	—वही—

इस भास्तीय मानक की प्रतियां भारतीय मानक अनुसुचि, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुजराती, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, शूण संथा तिलवनन्तापुरम में विक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[संदर्भ : टीईडी/जी-16]

राकेश कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख(टी ई डी)

New Delhi, the 2nd April, 2008

S.O. 817—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, it is, hereby notified that the Indian Standards, Particulars of which are mentioned in the Schedule give hereafter, have been cancelled and stand withdrawn.

## SCHEDULE

Sl. No.	No. & Year of the Indian Standards Cancelled	S.O. No. & Date published in the Gazette of India Part-II, Section-3, Sub-section (ii)	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 3105:1980 General requirements for automobile lighting and signaling devices (first revision)	31 May 2000	Standard became obsolete and not in use
2.	IS 3563:1993 Automotive vehicles—Headlight (replaceable lamp type)—Specification (second revision)	31 May 2003	-do-
3.	IS 3628:1966 Sidelights, tail-light, parking lights, stop lights and direction indicators for automobile use	31 May 2000	-do-
4.	IS 4370:1967 Code of practice for the use of lighting and signaling devices on cars and commercial vehicles	31 May 2000	-do-
5.	IS 4916:1968 Methods of test for bicycle saddles	31 Dec 2006	Superseded by IS 7451 (Part 2):2006
6.	IS 7451 (Part 3):1974 Reciprocating internal combustion engines: Part 3 Definition of right hand and left hand single bank engines	31 May 2004	Requirement of saddles covered in IS 10613:2004
7.	IS 7451 (Part 4):1974 Reciprocating internal combustion engines: Part 4 Designation of direction of rotation	31 May 2004	-do-
8.	IS 7451 (Part 5):1974 Reciprocating internal combustion engines: Part 5 Designation of the cylinders	31 May 2004	-do-
9.	IS 8415:1977 Mounting dimensions of head lights for automobiles	31 May 2000	Standard became obsolete and not in use
10.	IS 8416:1977 Mounting dimensions of fog lights for automobile	31 May 2000	-do-
11.	IS 9961:1981 Specification for reversing lights for automobile	31 May 2000	-do-
12.	IS 10256:1982 Code of practice for installation of stop, tail and turn signal lights for automobiles	31 May 2000	-do-

Copy of this Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: TED/G-16]

RAKESH KUMAR, Scientist 'P' &amp; Head (Transport Engg.)

कोयला भंडालय

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2008

का. आ. 818.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में उत्तिलिखित परिक्षेत्र की भूमि में कोयला अधिग्राहन किए जाने की संभवता है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात इकता अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपचारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले के लिए पूर्वोक्त करने के अपने लाशय की सूचना देती है;

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. डी.जी./8667 तारीख 14 नवम्बर, 2007 का निरीक्षण महाप्रबंधक (गवेषण प्रभाग), सेंट्रल माइन प्लानिंग एण्ड डिजाइन इंस्टीच्यूट, गोडवाना प्लेस, कॉके रोड, रांची के कार्यालय में कोयला नियंत्रक, 1, कार्बोसिल डार्क्स स्ट्रीट, कोहलाकला-700001 के कार्यालय में या जिला कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाली पूर्मि में हितबद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्ट्स और अन्य दस्तावेजों को इस अधिसूचना के गवेषन में प्रकाशन की तारीख से नव्वे दिन के भीतर महाप्रबंधक (गवेषणा प्रभाग), सेंट्रल माइन प्लानिंग एण्ड डिजाइन इंस्टीच्यूट, गोडवाना प्लेस, कॉके रोड, रांची को भेजेंगे।

### अनुमूल्य

स्थांग ईस्ट 'ए' रेखाक, मांद रायगढ़ कोयला क्षेत्र  
जिला - रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

रेखांक सं. डी.जी./8667 तारीख 14 नवम्बर, 2007

### सभी अधिकार

क्र. सं	ग्राम	चाना/ तहसील	ग्राम संख्या	जिला	क्षेत्रफल (एकड़ में लगभग)	क्षेत्रफल (एकड़ में लगभग)	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	पोरिथा	धमरजयगढ़	321200	रायगढ़	515.0	208.5	भाग
2.	सिरका	धमरजयगढ़	321500	रायगढ़	546.0	221.0	भाग
3.	सरसा देवा	कोरता	525200	रायगढ़	109.0	44.0	भाग
4.	अमलढीहा	कोरता	524000	रायगढ़	39.5	16.0	भाग
		करवला	530700				
5.	वनहेत्र	सुरक्षित बन क्षेत्र		रायगढ़	1655.5	670.0	भाग
<b>कुल</b>					<b>2865.0 (लगभग )</b>	<b>1159.5 (लगभग )</b>	

### सीधा वर्णन :

क-ख रेखा सरसा देवा ग्राम के "क" बिन्दु से आरंभ होती है, और अमलढीहा गांव के दक्षिणी ओर से गुजरती हुई बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख-ग रेखा पोरिया ग्राम के दक्षिण-पूर्वी भाग से होकर गुजरती हुई गांव के उत्तर-पूर्वी भाग के पूर्वी भाग में "ग" बिन्दु पर मिलती है।

ग-घ रेखा जंगल से टेही-पेही गुजरती हुई बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ-ङ रेखा "घ" से मुड़ती हुई सीधी जंगल रेखा पर बिन्दु "ङ" पर मिलती है।

ङ-क रेखा बन से गुजरती हुई बिन्दु "क" पर सरसा देवा गांव में बाषपस मिल जाती है।

[फा स. 43015/01/2008-पीआरआईडब्ल्यू-1]

एम. शहाबुद्दीन, अधर सचिव

### MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 31st March, 2008

S.O.818.— Whereas it appears to the Central Government that Coal is likely to be obtained from the lands in the locality mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisitions and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby given notice of its intention to prospect for coal therein;

The plan number DG/8667 dated the 14th November, 2007 of the area covered by this notification can be inspected at the office of General Manager (Exploration Division), Central Mine Planning and Design Institute, Gondwana Place, Kanke Road, Ranchi or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or at the office of the District Collector, District Raigarh, Chattisgarh.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred in sub-section (7) of Section 13 of the said Act to the General Manager (Exploration Division), Central Mine Planning and Design Institute, Gondwana Place, Kanke Road, Ranchi within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

### SCHEDULE

SYANG EAST—A BLOCK,  
Mand Raigarh Coalfield, District Raigarh, Chhattisgarh  
Plan bearing number DG/3667 dated 14th November, 2007

All Rights

Sl. No.	Village	Thana/ Tehsil	Village No.	District	Area in Acres (Approx)	Area in Hectares (Approx)	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Poriya	Dharamjaigarh	321200	Raigarh	515.0	208.5	Part
2.	Sirka	Dharamjaigarh	321500	Raigarh	546.0	221.0	Part
3.	Sarsadewa	Korba	525200	Raigarh	109.0	44.0	Part
4.	Amaldiba	Korba/ Kartala	524000/ 530700	Raigarh	39.5	16.0	Part
5.	Forest			Raigarh	1655.5	670.0	Part
<b>Total</b>					<b>2865.0 (Approx- imately)</b>	<b>1159.0 (Approx- imately)</b>	

### Boundary Description

A-B — The line starts at point 'A' in village Sarsadewa and passes through southern part of Amaldiba village and meets points 'B'.

B-C — The line passes through south-western part of village Poria & meets points 'C'.

C-D — The line crossed curvily in the R.F. & meets point 'D' on the edge of village Sirka.

D-E — The line turns & meets point 'E' at the edge of forest boundary.

E-A — The line passes through in the forest & meets points 'A' in Sarsadewa village.

[F.No. 43015/01/2008-PR/W-1]

M. SHAHABUDEEN, Under Secy.

### आदेश

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2008

का.आ. 819.—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 9 की उपधारा (i) के अधीन भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की जारी की गई अधिसूचना संख्यांक का.आ. 2577 तारीख 8 अक्टूबर, 2004 जो भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपलब्ध (ii), तारीख 16 अक्टूबर, 2004 में प्रकाशित होने पर, उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है) में खनिजों के खनन, खदान, बोर करने, उनकी सूदाई करने और तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने का अधिकार, उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन, सभी विल्लेगांम से मुक्त होकर, आर्थिक रूप से केंद्रीय सरकार में निहित हो गए हैं;

और केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि वेस्टर्न कोलफोल्ड्स लिमिटेड, नाम्पुर (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त कंपनी कहा गया है) ऐसे निवासनों और शर्तों का, जो केंद्रीय सरकार इस नियमित अधिरोपित करना उचित समझे, अनुपालन करने के लिए तैयार है;

अतः अब, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह नियम देती है, कि इस प्रकार निहित उक्त भूमि में पूर्वोक्त अधिकार तारीख 16 अक्टूबर, 2004 से केंद्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने के बाजाए, त्रिपलिंगित निवासनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त सरकारी कंपनी में निहित हो जाएंगे, अर्थात्—

1. उक्त कंपनी, उक्त अधिनियम के उपर्योग के अधीन अवधारण प्रतिकर, व्याज, नुकसानी और वैसी ही मद्दें की बाबत किए गए सभी संदर्भों की कोंड्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति करेगी।

2. उक्त कंपनी द्वारा शर्त (1) के अधीन, कोंड्रीय सरकार को सदैय रकमों का अवधारण करने के प्रयोजनों के लिए एक अधिकरण का गठन किया जाएगा तथा ऐसे किसी अधिकरण और ऐसे अधिकरण की सहायता के लिए नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत सभी व्यव्य, सरकारी कंपनी द्वारा बहुन किए जाएंगे और इसी प्रकार, इस तरह निहित उक्त भूमि में के अधिकारों के लिए या उनके संबंध में सभी विधिक कार्यवाहियों, जैसे अपील आदि की बाबत उपगत, सभी व्यव्य भी सरकारी कंपनी द्वारा बहुन किए जाएंगे।

3. उक्त कंपनी, कोंड्रीय सरकार या उसके पदधारियों को, ऐसे किसी अन्य व्यव्य के संबंध में, जो इस प्रकार निहित उक्त भूमि में पूर्वोक्त अधिकारों के बारे में, कोंड्रीय सरकार या उसके पदधारियों द्वारा या उनके विरुद्ध किन्ही कार्यवाहियों के संबंध में आवश्यक हो, क्षतिपूर्ति करेगी।

4. उक्त कंपनी को, कोंड्रीय सरकार के पूर्व अनुशोदन के बिना, इस प्रकार निहित उक्त भूमि में के पूर्वोक्त अधिकार किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित करने की सकित नहीं होगी।

5. उक्त कंपनी, ऐसे निर्देशों और शर्तों का, जो कोंड्रीय सरकार द्वारा जब कभी आवश्यक हो, उक्त भूमि के विशिष्ट खेतों के लिए दिए जाएं या अधिसूचित किए जाएं, आलन करेगी।

[फा. सं. 43015/3/2001-पीजारआइडल्यू]

एम. शहाबुद्दीन, अवर सचिव

### ORDER

New Delhi, the 31st March, 2008

**S.O. 819.**—Whereas, on the publication of the notification of the Government of India in the Ministry of Coal, Number S.O. 2577 dated the 8th October, 2004 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, sub-section (ii), dated the 16th October, 2004, issued under sub-section (1) of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands described in the Schedule appended to the said notification (hereinafter referred to as the said lands) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under sub-section (1) of Section 10 of the said Act;

And, whereas, the central Government is satisfied that the Western Coalfields Limited, Nagpur (hereinafter referred to as the said Company) is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that the aforesaid rights in the said lands so vested, shall, with effect from the 16th October, 2004 instead of continuing to so vest in the Central Government, vest in the Government Company, subject to the following terms and conditions, namely :—

1. the said Company shall reimburse to the Central Government all payments made in respect of compensation, interest, damages and the like, as determined under the provisions of the said Act;
2. a tribunal shall be constituted for the purpose of determining the amounts payable to the Central Government by the said Company under condition (1) and all expenditure incurred in connection with any such Tribunal and persons appointed to assist the Tribunal shall be borne by the said Company and similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeals, etc. for or in connection with the rights, in or over the said lands, so vesting, shall also be borne by the said Company;
3. the said Company shall indemnify the Central Government or its officials against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings by or against the Central Government or its officials, regarding the aforesaid rights in the said lands so vesting;
4. the said Company shall have no power to transfer the aforesaid rights in the said lands so vested, to any other person without the previous approval of the Central Government, and
5. the said Company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas of the said land, as and when necessary.

[F. No. 43015/3/2001-PRIW]

M. SHAHABUDEEN, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2008

का, आ. 820.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उत्पन्न अनुसूची में विलिंग्सिंग अवक्षिप्ति की भूमि में कोयला अधिकारात्मक किए जाने की संभावना है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार कोयला धारक शेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस शेत्र में कोयले के लिए पूर्वक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है;

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले शेत्र के नवाक डी.जी./8671 तारीख 14 नवम्बर, 2007 का निरीक्षण याहायांदक (गवेषण प्रभाग), सेंट्रल माइन प्लानिंग एण्ड हिजाइन इंस्टीच्यूट, गोंडवाना प्लॉस, कॉके रोड, रांची के कायालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काठौसल हाक्स स्ट्रीट, कोलकाता के कायालय में या जिला कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ के कायालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाली भूमि में दितवद सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नवरों, चाटों और अन्य दस्तकेजों को इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नव्वे दिन के भीतर याहायांदक (गवेषणा प्रभाग), सेंट्रल माइन प्लानिंग एण्ड हिजाइन इंस्टीच्यूट, गोंडवाना प्लॉस, कॉके रोड, रांची को देंगे।

## अनुसूची

जिरा डलर पूर्व “ए” ज्ञाक,  
मांद रायगढ़ कोयला शेत्र, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

सभी अधिकार					रेखांक सं. डी.जी./8671 तारीख 14 नवम्बर, 2007		
क्र. सं	ग्राम तहसील सं	पानी ग्राम सं	जिला	शेत्रफल (एकड़ में लगभग)	शेत्रफल (एकड़ में लगभग)	टिप्पणी	
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	जबणा	धरमजयगढ़	321600	रायगढ़	793.0	321.0	भाग
2.	जामरगिरी	धरमजयगढ़		रायगढ़	257.0	104.0	भाग
3.	बनशेत्र			रायगढ़	1359.0	550.0	भाग
<b>कुल</b>					<b>2409.00 (लगभग)</b>	<b>975.0 (लगभग)</b>	

## स्मारक :

क-ख रेखा जंगल में “क” बिन्दु से आरम्भ होती है, और उसी जंगल के बिन्दु “ख” पर मिलती है।

ख-ग रेखा जबणा गांव से गुजरती हुई और जंगल को पार करने के पश्चात् जमेरी गांव के दक्षिणी भाग के “ग” किनारे पर मिलती है।

ग-घ रेखा जमेरी गांव से गुजरती हुई जंगल में बिन्दु “घ” पर मिलती है।

घ-क रेखा जंगल से गुजरती हुई और बिन्दु “क” पर मिल जाती है।

[फा सं. 43015/5/2008-पीआरजार्डस्प्र-1]

एम. शहबुद्दीन, अवर सचिव

New Delhi, the 31st March, 2008

S.O. 820.—Whereas it appears to the Central Government that Coal is likely to be obtained from the lands in the locality mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisitions and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

The plan number DG/8671 dated the 14th November, 2007 of the area covered by this notification can be inspected at the office of General Manager (Exploration Division), Central Mine Planning and Design Institute, Gondwana Place, Kanke Road, Ranchi or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or at the office of the District Collector, District Raigarh, Chhattisgarh.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred in sub-section (7) of Section 13 of the said Act to the General Manager (Exploration Division), Central Mine Planning and Design Institute, Gondwana Place, Kanke Road, Ranchi within ninety days from the date of publication of this notification in the official Gazette.

### SCHEDULE

#### CHIRI NORTHEAST—A BLOCK,

Mund Raigarh Coalfield, District Raigarh, Chhattisgarh

Plan bearing number DG/8671 dated the 14th November, 2007

All Rights Reserved

Sl. No.	Village	Thana/ Tehsil	Village No.	District	Area in Acres (Approx)	Area in Hectares (Approx)	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Jabga	Dharamjaigarh	321700	Raigarh	793.0	321.0	Part
2.	Jamergiri	Dharamjaigarh		Raigarh	257.0	104.0	Part
3.	Forest			Raigarh	1359.0	550.0	Part
Total					2409.0 (Approx- mately)	975.0 (Approx- mately)	

#### Boundary Description

A-B — The line starts at point 'A' in forest and meets points 'B' in same forest.

B-C — The line passes through village Jabga and after crossing in the forest at meets point 'C' in the southern part of village Jamergiri.

C-D — The line passes through village Jamergiri and meets point 'C' in the forest.

D-A — The line passes through forest and meets point 'A'.

[F.No. 43015/05/2008-PRIW-I]

M. SHAHABUDEEN, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 2008

कानू. 821.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक भेद (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपलब्धा (1) द्वारा प्रदत्त शब्दियों का प्रयोग करते हुए, कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संस्थायक कानू. 2587 जो मारत के रजपत्र, भाग II, खंड 3, उपलब्धा (ii), तारीख 12 सितम्बर, 2007 में प्रकाशित की गई थी, को हिन्दी रूप का संशोधन करती है, अर्थात् :—

2. उपरोक्त अधिसूचना के सीमा वर्णन में—

- रेखा "क – छ" में, प्रतिविटि बिंदु "रुख" पर मिलती है – के स्थान पर बिंदु "छ" पर मिलती है "प्रतिविटि रखी जाएगी।
- रेखा "ग – घ" में, प्रतिविटि बिंदु "रुघ" पर मिलती है – के स्थान पर बिंदु "घ" पर मिलती है "प्रतिविटि रखी जाएगी।
- रेखा "घ – फ" में, प्रतिविटि बिंदु "रुक" पर मिलती है – के स्थान पर बिंदु "क" पर मिलती है "प्रतिविटि रखी जाएगी।

[फा सं. 43015/22/2004-पीआरआईडब्ल्यू-I]

एम. शाहबुद्दीन, अवर सचिव

New Delhi, the 4th April, 2008

**S.O. 821.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby amends the English version of notification of the Government of India, Ministry of Coal vide number S.O. 2587 dated the 12th September, 2007, namely:—

- (i) In the Schedule for words and figures “(Plan No-C-1(E)HIL/FR/7500-407 dated the 10th April 2006)”, the words and figures “(Plan No-C-1(E)HIL/FR/750-407 dated the 10th April 2007)”, shall be substituted;
- (ii) In the Schedule regarding Plot numbers acquired in village Bhanegaon - for figures “38/1A, 38/1B- 38/2A- 38/2B- 38/2”, the figures “38/1A- 38/1B- 38/2A- 38/2B, ” shall be substituted;
- (iii) In the Schedule regarding Boundary description —
  - (a) On ‘B-C’ line, for words and figures “9, 22, 20, 17, crosses cannot the”, the words and figures “9, 16, 22, 20, 17, 18/1- 18/2-, crosses cannot then”, shall be substituted;
  - (b) On ‘D-A’ line, for words and figures “Plot numbers 48, 49/1- 49/2 and”, the words and figures “Plot numbers 48, 49/1- 49/2, 1 and”, shall be substituted.

[ F. No. 43015/22/2004-PRIW]

M. SHAHABUDEEN, Under Secy.

मई दिल्ली, 4 अप्रैल, 2008

**का.आ. 822.**—केंद्रीय सरकार ने, कोयला धरक शेर्व (अर्बन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के कोयला भंगालय की अधिसूचना सं. का.आ. 2071 तारीख 25 मई, 2006, जो भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 27 मई, 2006 में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दित परिक्षेत्र की सूची ये विस्तका पाप 183.479 हेक्टर (लगभग) है, कोयले का सर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और उक्ता सूची की बाबत उक्ता अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन कोई सूचना नहीं दी गई ;

अतः अब, केंद्रीय सरकार, उक्ता अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उपरोक्त अधिसूचना अर्थात् सं. का.आ. 2071, की विधिमान्यता को, उस अवधि के रूप में 27 मई, 2008 से आरंभ होने वाली एक वर्ष की और अवधि के लिए विस्तारित करता है, जिसके भीतर केंद्रीय सरकार उक्ता सूची को या ऐसी सूची में या उस पर के किसी अधिकार का अर्बन करने के अपने आशय की सूचना दे सकेगी ।

[ F. सं. 43015/10/2005-पीआरआईस्ट्यू-1]

एम. शहाबुद्दीन, अंवर सचिव

New Delhi, the 4th April, 2008

**S.O. 822.**—Whereas by the notification of Government of India, in the Ministry of Coal, number S.O. 2071 dated 25th May, 2006, issued under sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) and published in Gazette of India dated the 27th May, 2006, Part II, Section 3, Sub-section (ii), Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in land measuring 183.479 hectares (approximately) or 453.38 acres in the locality specified in the Schedule appended thereto.

And whereas in respect of the said lands, no notice under sub-section (1) of Section 7 of the said Act has been given.

Now, therefore, in exercise of the powers, conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby extend the validity of the above notification i.e. number S.O. 2071, for a further period of one year commencing from the 27th May, 2008 as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands.

[ F. No. 43015/10/2005-PRIW-4]

M. SHAHABUDEEN, Under Secy.

## पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय.

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 2008

का. आ. 823.—केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) (जिसे इस में इस के पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गयी भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2936 तारीख 04 अक्टूबर 2007 द्वारा तामिलनाडु राज्य में चेन्नई पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मनालि कि रिफैनेरी से देवनगुंदि टर्मिनल, बैगलोर तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा सि. बि. पि. एल पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी।

और उक्त अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 20-12-2007 को उपलब्ध करा दी गई थीं।

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अनुसार में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है।

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना चाहिए।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाता है।

यह और कि केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय सभी बिल्लंगमों से मुक्त हो कर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

“उपाध्य अनुसूची”

## अनुसूची

तालूका : डाम्पुकोटाई	पिला : लिंगायतुर	राज्य : संगमरमणम्			
		क्षेत्रफल			
गाँव का नाम	संक्षेपण सं-खण्ड से	उप-खण्ड से	हेक्टर	घम्म	घर्ग मिल
1	2	3	4	5	6
93, कोहान्कुम्बम	237	-	00	22	60
	115	3बी	00	07	16
	107	2	00	00	40
	97	2ए	00	25	85
	97	1ए	00	18	67
	94	2बी	00	03	30
	94	2ए	00	12	60
	94	1	00	10	44
	94	3	00	01	31
	95	1ए	00	00	40
	95	1बी	00	00	40
94, आर्नदनकलवाक्कम	208	2	00	02	24
	208	3	00	02	16
	208	1	00	29	89
	207	3ए	00	04	39
	207	3बी	00	05	30
	207	1ए2	00	10	94
	207	1ए1	00	03	00
	206	-	00	23	94
	211	1ए1सी	00	00	40
	211	1ए1ए	00	02	63
	199	3बी	00	10	24
	199	3ए	00	02	41

1	2	3	4	5	6
	218	2	00	01	32
	219	-	00	14	18
	220	-	00	07	42
	222	24	00	07	24
	222	1	00	06	33
	266	2वी	00	04	58
	266	2ए	00	11	54
	266	1	00	00	40
	272	3	00	00	40
	272	1	00	14	61
	278	3सी	00	06	34
	278	5	00	01	00
	278	2वी	00	07	58
	278	1ए	00	06	17
	278	1वी	00	06	01
	279	2	00	01	00
	279	1	00	07	58
95, माहाभिलागम	299	3	00	05	14
	299	2	00	06	90
	299	1	00	07	33
	300	3	00	00	40
	300	2	00	01	71
	300	1	00	04	37
	305	1वी	00	04	81
	306	1ए	00	01	88
	303	3वी	00	00	40
	302	3	00	04	28
	302	1	00	03	95

1	2	3	4	5	6
	290	३	००	०६	७४
	290	२८	००	०५	७६
	290	१	००	०४	६६
	287	४	००	०४	५०
	287	२	००	११	३३
	287	६	००	०२	४२
	286	६८	००	०२	४५
	286	५३	००	०३	९६
	286	४	००	१२	७८
	286	२	००	००	४०
	286	३	००	००	४०
	286	१	००	०५	९४
	282	१	००	००	४०
	282	२	००	०६	४२
	288	१	००	००	४०
	269	५	००	००	५२
	269	४	००	००	९६
	269	३	००	०१	५५
	269	२	००	०३	१०
	269	१	००	०४	७२
 <b>78. तिरुकोंडालाम</b>					
	129	२सी	००	०२	८६
	129	२बी	००	०६	३५
	129	२८	००	००	४०
	129	१	००	०७	०६
	128	२	००	०१	४१
	127	३	००	०३	६१
	127	२	००	०९	७६
	111	४	००	००	४७

1	2	3	4	5	6
	111	3	00	05	25
	111	2	00	12	14
	110	2	00	04	32
	109	2सी	00	05	09
	108	2सी	00	00	40
	100	3सी	00	10	83
	100	3बी	00	00	54
	100	3ए	00	00	53
	101	3बी	00	00	40
	101	3ए	00	00	40
	101	1	00	06	12
	102	2	00	11	89
	358	2	00	05	42
	356	1ए	00	12	54
	359	-	00	00	72
	360	3	00	03	87
	360	1	00	00	40
	354	3बी1	00	00	67
	354	3ए	00	03	05
	354	2	00	02	76
	354	1	00	02	64
	361	2	00	05	50
	361	1	00	16	12
	362	2ए	00	07	06
	362	1बी	00	03	03
	362	1सी	00	06	66
	362	1ए2	00	09	21
	364	4	00	15	96
	364	2	00	01	85

1	2	3	4	5	6
	369	2	00	00	40
	369	1	00	07	09
	368	-	00	18	09
	367	5सी	00	05	20
	367	7बी	00	00	40
	371	2	00	07	65
	371	1	00	11	72
	374	2बी	00	00	41
	374	1बी	00	00	40
	374	2ए	00	01	40
	374	1ए	00	03	63
76, ऐतुपुडिकम	63	6	00	00	40
	63	7	00	08	46
	63	8	00	10	06
	63	9ए.1	00	04	93
	58	4	00	01	77
	58	2	00	03	74
	58	1सी	00	02	94
	58	1बी	00	03	09
	58	1ए	00	05	04
	55	3ए	00	03	97
	55	2	00	03	42
	55	1	00	06	81
	54	2	00	04	41
	54	1	00	08	07
	52	1	00	03	25
	17	1बी	00	01	43
	21	8	00	02	44

1	2	3	4	5	6
	21	7	00	03	39
	21	6	00	03	98
	21	5	00	03	94
	21	1 <sup>अ</sup> ३	00	07	57
	21	4	00	05	91
	21	3	00	04	02
	21	1 <sup>ए</sup> २	00	02	00
	21	1 <sup>ए</sup> १ <sup>ए</sup> 2	00	09	75
	22	4	00	02	62
	22	5	00	03	05
	22	3	00	00	44
	22	2	00	02	41
	22	1 <sup>स</sup> ३	00	02	35
	22	1 <sup>बी</sup> ४	00	05	25
	22	1 <sup>बी</sup> ३	00	03	50
	22	1 <sup>बी</sup> २	00	03	38
	22	1 <sup>बी</sup> १	00	06	46
	23	1	00	02	14
75. असामियाबाब	12	2	00	09	05
	17	3	00	11	25
	11	1 <sup>बी</sup>	00	02	95
	17	1	00	07	05
	18	4	00	17	03
	18	3	00	19	92
	113	5 <sup>बी</sup>	00	13	32
	113	5 <sup>ए</sup>	00	08	90
	113	4 <sup>बी</sup>	00	18	09
	112	1 <sup>ए</sup> २	00	22	66

1	2	3	4	5	6
	111	1ए०	00	37	80
	111	1ए	00	23	75
74, आर्यनिकावान्द्र	114	1बी	00	07	40
	114	1ए	00	00	40
	112	8बी	00	16	22
	112	8ए	00	00	40
	112	5बी	00	06	67
	112	4बी	00	06	74
	112	4ए	00	02	50
	111	1	00	14	24
	75	2	00	06	12
	75	1	00	04	43
	76	-	00	12	00
	74	-	00	00	40
	77	-	00	05	15
	106	2बी	00	00	40
	105	2ए	00	00	67
	105	1बी2सी	00	00	40
	106	1बी2बी	00	00	82
	105	1बी2ए	00	02	66
	105	1बी1	00	07	70
	78	-	00	03	21
	85	2बी2	00	05	30
	85	2बी1	00	07	02
	85	2ए2	00	03	60
	85	2ए1	00	02	05
	85	1बी	00	01	62
	85	1ए	00	03	34

1	2	3	4	5	6
	84	2	00	09	36
	84	1	00	02	99
	83	3बी	00	01	38
	83	3ए	00	04	29
	83	2बी	00	04	66
	83	2ए	00	04	96
	83	1	00	09	23
	82	-	00	11	76
	91	2	00	10	19
	91	1	00	13	94
	92	-	00	06	84
	93	1	00	10	80
	93	2	00	06	84
	49	-	00	11	66
	48	-	00	04	13
	47	-	00	04	20
	258	2	00	12	48
	257	-	00	00	59
	256	2	00	23	20
	252	1	00	05	40
	244	2बी	00	11	81
	244	1	00	10	41
	240	-	00	10	39
	239	-	00	00	95
	238	2	00	04	06
	238	1	00	00	63
	220	1	00	08	16
	222	1	00	00	71
	221	1	00	01	06

1	2	3	4	5	6
	221	2	00	00	81
	235	4ए	00	06	30
	235	4बी	00	00	46
	235	3	00	14	04
	235	1	00	02	81
73, मुन्नापुरकम	6	2	00	24	40
	6	1	00	00	40
	5	2	00	11	12
	3	-	00	09	74
	275	3	00	12	12
	275	1	00	01	16
71, मार्त्तारस्लम	6	1	00	00	40
	5	2	00	00	97
	5	1बी	00	01	93
	5	1ए	00	02	96
	4	2	00	08	66
	4	1	00	13	43
	3	2बी	00	08	51
	3	2ए	00	03	86
	3	1सी	00	03	96
	3	1बी	00	04	20
	3	1ए	00	07	20
	2	1	00	10	06
70, कारदरभेड़	108	-	00	04	86
	111	-	00	36	36
	112	-	00	12	00

1	2	3	4	5	6
	91	-	00	28	26
	89	-	00	15	66
	88	-	00	19	08
	86	2	00	14	17
	85	-	00	17	64
	84	-	00	03	24
25, सेपवेदु	1	4	00	18	42
	1	5	00	02	10
	1	3	00	06	48
	1	2 वी	00	11	40
	1	2ए	00	00	48
	30	1	00	09	00
	30	3	00	07	20
	30	4ए	00	01	50
	30	4वी	00	01	32
	30	5	00	05	40
	29	9	00	12	60
	29	3	00	01	00
	29	6	00	09	00
	44	3	00	01	25
	44	2	00	00	40
	33	4	00	21	24
	39	2	00	05	40
	35	2	00	27	00
	35	1सी	00	00	70
	36	3	00	02	15
	92	3	00	02	52
	92	2	00	08	50

1	2	3	4	5	6
	110	2	00	21	24
	110	1	00	16	48
	111	5	00	04	32
	111	6	00	05	34
	111	2	00	03	64
	111	3	00	01	26
	111	1	00	04	50
	113	5	00	02	34
	113	6	00	05	70
	113	13	00	03	20
	113	7	00	03	52
	113	12	00	00	50
	113	11	00	00	45
	113	8	00	03	91
	113	1	00	04	14
	122	2ऐच्च	00	11	16
	122	2जो	00	05	00
	122	2एफ	00	02	58
	122	2डी	00	04	29
	122	2इ	00	03	00
	122	2सी	00	03	64
	122	2ए	00	03	96
	122	1	00	16	60
	117	-	00	00	50
	134	4	00	13	50
	136	1बी	00	07	76
	136	1ए	00	05	40
	136	9	00	00	60
	135	10	00	09	45

1	2	3	4	5	6
	135	11	00	08	28
	138	1सी	00	06	00
	138	1जी	00	01	26
	138	1डी	00	10	08
24, भेद्यर					
	33	2ए	00	22	88
	33	1सी1	00	08	12
	33	1सी2	00	14	89
	33	1बी1	00	04	72
	35	3ए	00	03	60
	35	2बी	00	14	00
	35	1बी	00	00	67
	35	1ए	00	07	20
	35	2ए1	00	01	30
	52	6	00	10	62
	52	5	00	07	35
	52	4	00	00	50
	52	3	00	01	40
	52	2	00	01	96
	54	2बी	00	12	24
	54	1	00	09	00
	55	8	00	07	92
	55	7	00	05	04
	55	6	00	07	20
	55	4	00	06	30
	55	3	00	02	52
	56	-	00	02	70
	145	2बी	00	05	96
	134	2	00	03	60

1	2	3	4	5	6
	134	1	00	09	16
	136	3बी	00	02	03
	136	3ए1	00	04	56
	136	2ए2	00	02	58
	136	2ए1	00	04	62
	136	1ए	00	06	59
	143	-	00	00	40
	142	-	00	06	57
	141	1बी2	00	00	40
	141	1ए	00	03	08
	168	3	00	01	58
	168	1बी	00	06	90
	169	-	00	09	52
	171	2	00	10	11
	172	-	00	09	90
	176	2	00	06	56
	177	2	00	03	57
	177	1	00	08	81
	220	2	00	09	96
	220	1	00	08	16
	222	2	00	00	84
	221	2	00	01	68
	217	3	00	05	76
	217	2	00	00	40
	218	1	00	04	14
	204	6	00	10	08
	205	2	00	11	70
	205	1	00	08	10
	206	-	00	07	69

1	2	3	4	5	6
	208	-	00	06	52
	657	5	00	15	12
	657	6	00	02	07
	657	2सी	00	08	76
	657	1जी	00	00	60
	657	2ए	00	02	64
	657	1एफ	00	07	02
<b>20, बोराम्बोधारालाम</b>	<b>2</b>	<b>3</b>	<b>00</b>	<b>07</b>	<b>52</b>
	2	2	00	26	32
	14	3डी	00	01	35
	14	3सी	00	15	03
	14	2	00	08	36
	14	1	00	08	22
	15	-	00	25	37
<b>21, देवांगभवनम्</b>	<b>115</b>	<b>-</b>	<b>00</b>	<b>01</b>	<b>26</b>
	137	6	00	04	00
	137	5	00	07	38
	137	2	00	07	20
	137	3	00	00	40
	138	3	00	09	36
	138	2	00	07	14
	138	1	00	06	30
	139	-	00	06	23
	141	4	00	17	16
	142	1	00	16	56
	142	4	00	01	08
	227	1	00	18	90

1	2	3	4	5	6
	229	१बी	००	२७	१८
	229	१ए	००	०९	०८
	224	७	००	०६	१६
	224	३	००	०६	६०
	224	२	००	००	९०
	232	५	००	१६	६६
	232	४	००	०७	५६
	232	२बी	००	०७	०६
	232	१बी	००	०५	४६
	251	-	००	१३	३२
<b>19. ओडिशाः</b>	१७	-	००	१६	३८
	१४	२	०६	१५	८४
	१४	१सी	००	०६	८४
	११	२बी	००	०७	२०
	११	२सी	००	१९	६६
	१०	१	००	०१	५३
	८	१सी	००	०५	५६
	८	१ए	००	०२	६३
	८	१	००	१०	०६
	३	३ए	००	०१	६१
	३	४ए	००	०५	५०
	३	४बी	००	००	४०
<b>16. आड्हा भव्यक्षम</b>	१७	२ए	००	०६	४०
	१७	१सी	००	००	४०
	१७	१डी	००	०३	३६
	१५	२	००	०१	५४
	२४	२ए१	००	०७	६६

1	2	3	4	5	6
24		1	00	07	42
25		1डी	00	04	86
25		1ए	00	04	66
25		1ची	00	03	51
25		2ची	00	00	55
25		2ए1	00	00	98
30		1ची	00	05	54
30		1ए	00	06	52
31		7	00	01	37
31		8	00	06	14
31		5	00	07	20
31		4	00	04	20
31		3	00	00	42
29		1	00	03	22
37		1ए	00	10	65
33		2	00	13	32
35		2	00	00	40
36		1	00	00	89
68	4ए2		00	00	40
68	4ची		00	18	90
68	3		00	06	09
68	5ची1		00	00	40
68	5सी		00	04	69
72	2ची		00	01	48
72	2जे		00	04	95
72	2आई		00	00	51
45	2ए		00	17	31
47	1		00	09	77
47	2		00	00	40

1	2	3	4	5	6
	48	7	00	03	76
	48	6	00	04	20
	48	5	00	02	46
	48	4	00	01	36
	48	1 $\frac{1}{2}$	00	00	40
	48	1एक	00	01	00
	49	-	00	03	56
	50	3 $\frac{1}{2}$	00	00	40
	50	4बी	00	06	22
	50	4 $\frac{1}{2}$	00	01	16
	50	5	00	03	30
	50	3बी	00	01	96
	50	3सी	00	00	00
	50	2बी	00	01	36
	50	2 $\frac{1}{2}$	00	01	20
	50	1सी	00	01	36
	235	1बी	00	00	40
	235	1 $\frac{1}{2}$	00	01	94
	230	2बी	00	00	83
	234	2	00	04	80
	234	1	00	05	28
	230	1बी2	00	04	81
	230	1बी1	00	04	87
	230	1ए2	00	02	64
	230	1ए1	00	01	27
	231	1बी	00	01	52
	231	1ए	00	01	87
	229	5बी	00	02	80
	229	5ए	00	01	90

1	2	3	4	5	6
	229	3बी	00	00	71
	229	3०	00	01	60
	228	12	00	05	22
	228	10बी	00	05	76
	228	11ए	00	00	40
	223	2	00	05	80
	213	16	00	02	61
	213	14	00	05	22
	213	15	00	03	19
	212	2	00	00	40
	201	2सी	00	04	59
	201	292	00	03	17
	201	2८1	00	01	49
	201	2बी	00	03	90
	201	1	00	02	89
	203	1ए	00	09	73
	203	1बी	00	00	40
	202	1	00	09	54
	202	2	00	00	40
	208	2	00	01	11
	208	3सी	00	08	29
	151	2सी	00	00	40
	151	2डी	00	08	49
	151	1 एफ	00	00	40
	151	1जी	00	04	51
	152	4ए	00	00	40
	152	3	00	00	63
	152	2	00	01	61
	152	1ए	00	03	21

1	2	3	4	5	6
	153	1	00	18	85
13, चांदमालकरम	173	1सी	00	06	35
	173	1ए	00	07	71
	173	1बी	00	07	37
	172	9	00	01	93
	172	8	00	00	40
	172	10	00	09	36
	172	7	00	12	08
	172	1	00	15	56
	170	20	00	01	54
	171	1	00	00	66
	171	2	00	15	88
	171	3	00	01	31
	143	4	00	10	08
	143	10	00	09	90
	143	5	00	04	36
	143	6	00	00	40
	143	9	00	05	05
	143	7	00	06	48
	142	16	00	06	07
	142	15	00	05	36
	142	14बी	00	04	36
	142	14ए	00	06	90
	142	13	00	01	98
	142	12	00	00	40
	135	8	00	08	01
	135	9	00	03	88
	135	10बी	00	00	85

1	2	3	4	5	6
	135	11	00	03	73
	135	12	00	10	68
	136	14	00	04	04
	136	13	00	00	40
	136	12	00	06	02
	136	7	00	09	03
	136	6	00	00	40
	127	2	00	01	78
	127	1	00	11	34
	106	4	00	02	61
	107	12	00	03	96
	107	4	00	07	20
	107	5	00	00	40
	107	3	00	03	06
	107	2	00	03	15
	107	6	00	07	56
	107	8	00	00	40
	84	1	00	11	90
	85	21	00	07	27
	86	20 बी	00	01	31
	83	6	00	03	21
	83	5	00	01	61
	83	4	00	01	66
	83	3	00	03	42
	83	2	00	03	42
	83	1 बी	00	01	33
	82	20 बी	00	01	99
	82	19	00	03	95
	82	18	00	07	84

1	2	3	4	5	6
	82	17	00	04	04
	82	16	00	00	40
	82	15	00	00	40
	76	8	00	01	76
	77	11	00	05	40
	77	10	00	01	16
	77	9	00	01	00
	77	12	00	07	04
	77	17	00	01	22
	77	14	00	04	68
	77	15वी	00	01	45
	77	15ए	00	01	75
	78	18	00	02	42
	78	17	00	00	40
	70	10	00	00	68
	70	9	00	05	38
	70	2	00	01	97
	70	1	00	01	13
	70	4	00	03	38
	69	4	00	00	40
	69	5वी	00	03	90
	69	5ए	00	00	40
	69	11	00	00	40
	69	10	00	00	63
	69	9	00	05	98
	69	8	00	08	22
	69	7	00	01	23
	56	13	00	06	62

1	2	3	4	5	6
12. नवाप्यक्रम	14	1बी	00	11	04
	14	1ए	00	00	56
	17	2	00	00	87
	17	3	00	07	66
	17	1	00	02	86
	15	1	00	00	40
	45	-	00	05	80
	44	3	00	01	66
	44	4बी	00	06	08
	44	4ए	00	00	40
	48	1	00	02	90
	48	2र	00	00	40
	41	1	00	01	80
	41	2	00	01	60
	41	3	00	03	65
	41	4	00	04	33
	42	5	00	00	40
	36	1सी	00	00	40
	35	2सी	00	00	78
	35	3सी	00	02	60
	40	1	00	01	40
	40	2ए	00	00	40
	36	5बी	00	03	60
	36	5ए	00	00	40
	36	6बी	00	02	84
	36	6ए	00	01	30
	38	1बी	00	12	40
	38	1सी	00	01	69
	38	3	00	00	52

1	2	3	4	5	6
	38	1ए	00	00	40
	38	2	00	00	40
	188	2	00	00	40
	188	1	00	05	95
	188	3	00	02	48
	189	1बी	00	03	33
	189	1सी	00	03	18
	189	2ए	00	00	85
	189	2बी	00	03	31
	189	3	00	06	31
	189	4ए	00	04	74
	189	4बी	00	03	24
	186	1	00	00	86
	223	-	00	04	53
	224	2बी	00	00	83
	224	2इ	00	07	02
	224	2डी	00	00	40
	213	5ए	00	01	30
	213	4ए	00	09	66
	213	3ए	00	03	24
	213	1ए	00	04	77
	213	1बी	00	00	40
	212	6	00	12	78
	212	2	00	07	66
	212	1	00	03	00
	217	2	00	04	69
	217	1ए	00	02	15
	217	4सी	00	01	08
	217	1बी	00	02	98

1	2	3	4	5	6
	217	1सी	00	00	51
	207	3	00	06	18
	207	5	00	02	30
	207	4	00	04	50
	207	1	00	00	65
	205	4	00	00	60
	296	1बी	00	02	16
	296	2	00	14	04
	296	1ए	00	05	12
	295	3ऐच्	00	03	60
	295	3जी	00	02	34
	295	3 एफ	00	03	24
	295	3इ	00	02	88
	295	3डी	00	03	24
	295	3बी	00	04	32
	295	3ए	00	00	90
	295	2	00	07	92
	295	1	00	12	60
	258	-	00	02	24
	257	-	00	01	92
	268	-	00	20	13
	267	-	00	11	22
	266	-	00	25	56
	263	-	00	03	22
	261	-	00	00	40
	262	-	00	27	45

पालका : शिवालिक	जिला : शिवालिक	राज्य : शाखिलनाथ			
		क्षेत्रफल			
गाँव का नाम	सर्वेश्वर से-काष्ठ से	ठाय-काष्ठ से.	हेक्टर	एकर	घर्ग मिटर
1	2	3	4	5	6
31, बैगल	425	7	00	04	85
	425	15	00	00	40
	425	14	00	00	85
	425	8	00	00	40
	425	9	00	02	84
	425	10	00	01	80
	425	11	00	03	42
	426	2	00	01	75
	426	12	00	08	64
	426	11बी	00	04	91
	426	11ए	00	01	54
	426	8	00	08	08
	426	9ए	00	05	56
	426	1	00	00	40
	427	4	00	03	18
	427	7	00	06	26
	427	6	00	00	40
	427	1	00	04	19
	428	5	00	03	60
	428	8	00	01	58
	428	7बी	00	00	40
	428	6	00	07	07
	428	2	00	01	20
	428	1ए	00	05	46
	429	4	00	00	40
	240	2डी	00	10	58

1	2	3	4	5	6
	240	2सी	00	13	50
	240	2बी	00	08	48
	240	1	00	32	40
	238	1	00	11	10
	237	1	00	14	00
	216	3	00	23	44
	216	2जे	00	00	40
	215	-	00	14	40
	205	5	00	12	26
	205	2	00	02	60
	205	3	00	00	83
	203	6	00	02	40
	203	5	00	00	97
	203	4	00	01	16
	203	3	00	00	40
	203	2	00	00	40
	203	1	00	07	45
	202	3	00	05	00
	199	3	00	01	81
	199	4	00	04	40
	199	5	00	03	68
	193	9	00	10	18
	193	3	00	05	60
	193	5	00	04	80
30, सेमलेन्हु	52	5	00	10	08
	52	4बी	00	10	08
	52	4ए	00	08	28
	52	3	00	02	21

1	2	3	4	5	6
	52	2	00	06	70
	52	1	00	05	18
	50	7सी	00	06	12
	50	702	00	07	00
	50	4बी	00	05	00
	50	4ए	00	05	30
	50	6बी	00	00	08
	50	6ए	00	03	51
	49	10डी	00	03	96
	49	10सी	00	04	32
	49	10बी	00	04	32
	49	10ए	00	02	26
	49	9बी	00	01	10
	49	6बी	00	04	41
	62	9	00	00	00
	62	8ए	00	04	01
	62	7	00	05	76
	62	6	00	02	42
	62	5	00	02	40
	62	4	00	06	66
	62	3	00	00	40
	63	6सी	00	03	12
	63	6	00	05	18
	63	6बी	00	02	24
	63	9	00	02	31
	63	10	00	02	20
	63	6ए	00	01	54
	63	4	00	01	96
	63	5	00	02	16

1	2	3	4	5	6
	63	24	00	05	70
	63	1	00	01	75
	63	13	00	00	40
	63	12	00	00	98
	64	19	00	00	40
	64	17	00	00	75
	64	21	00	01	90
	64	15	00	03	50
	64	14	00	03	20
	64	13	00	03	24
	64	12	00	03	24
	64	11	00	03	42
	78	9 आई	00	01	18
	78	9 एफ	00	01	00
	78	9इ	00	00	70
	78	9डी	00	01	08
	78	9सी	00	00	54
	78	9बी	00	00	75
	78	9ए	00	00	40
	78	8	00	00	40
	77	5	00	04	50
	77	4	00	04	32
	77	1ए	00	06	48
	76	6	00	02	94
	76	7 बी1बी	00	00	53
	76	7बी1टी	00	00	70
	76	7 बी1आर	00	00	98
	76	7बी1पी	00	01	22
	76	7बी1ओ	00	01	02

1	2	3	4	5	6
	76	7बी1 एम	00	00	61
	76	7बी1 के	00	01	00
	76	7ए	00	00	84
	76	7बी1डब्लू	00	00	76
	76	7बी1आई	00	01	50
	76	7बी1जे	00	00	40
	76	7बी1एफ	00	01	90
	76	7बी1जी	00	00	40
	76	7बी1डी	00	01	62
	76	7बी1बी	00	00	50
	76	7बी1ए	00	02	52
	76	4	00	00	40
	76	8	00	04	14
	82	29बी	00	04	50
	82	29ए	00	02	88
	82	25	00	10	62
	82	24	00	00	40
	82	23	00	02	60
	82	22	00	02	40
	82	19	00	00	40
	82	18	00	03	90
	82	15	00	00	40
	82	16	00	02	50
	82	14	00	00	85
	82	12	00	00	40
	82	10	00	11	10
	82	9	00	01	04
	169	2ए	00	07	50
	169	3	00	00	60

1	2	3	4	5	6
	168	4	00	12	50
	168	3 डी	00	02	85
	168	3 एफ	00	03	62
	168	3 सी	00	00	40
	168	3 इ	00	07	00
	168	2	00	01	28
	168	1	00	14	40
	111	3	00	07	20
	111	2	00	13	00
	111	1	00	09	00
	111	6	00	00	40
	110	20	00	00	40
	112	6	00	02	00
	112	7	00	06	16
	112	15	00	04	68
	112	14	00	03	60
	112	13	00	04	96
	112	11	00	01	53
	112	10	00	01	60
	113	1	00	08	10
	113	13	00	00	40
	113	4	00	02	25
	113	3	00	04	20
	113	2	00	00	40
	113	5	00	01	80
	106	2	00	02	50
	106	3एफ	00	00	40
	106	3जी	00	00	75
	106	5	00	00	60

1	2	3	4	5	6
	106	4	00	06	40
	106	7ए	00	02	56
	106	8	00	06	30
	106	9	00	00	65
	106	14	00	00	60
	106	15	00	03	95
	107	4	00	01	95
	104	6	00	03	70
	104	8ए	00	00	40
	104	5	00	00	60
	104	7	00	03	60
	104	4बी	00	03	20
	104	4सी	00	08	44
	104	4डी	00	00	40
	104	4इ	00	06	40
	99	15	00	03	68
	99	13	00	05	30
	99	14	00	06	12
	101	9	00	10	26
	101	8ए	00	02	90
	101	8बी	00	01	26
	101	8सी	00	00	40
	101	3सी	00	01	80
	101	3बी	00	02	88
	101	3ए	00	08	64
	101	2	00	02	50
	101	4बी	00	00	40
	101	1बी	00	01	08
	101	1ए	00	06	84

1	2	3	4	5	6
	94	11	00	14	04
	94	10	00	06	24
	94	14	00	00	60
	94	9	00	03	60
	94	8	00	03	96
	94	7	00	06	46
	94	2	00	03	60
	94	1	00	00	40
	95	10	00	05	10
	95	6	00	07	10
	95	9	00	03	64
	95	7	00	02	16
	95	8	00	04	36
	93	1	00	23	50
21. एराइयुर	20	23ी	00	06	88
	20	23	00	06	05
	20	13	00	04	22
	20	13ी	00	02	69
	19	8	00	05	76
	19	7	00	04	61
	19	6	00	02	80
	19	4	00	10	08
	13	2	00	09	64
	12	20	00	05	19
	12	16	00	04	88
	12	15	00	02	70
	12	14	00	03	14
	12	8	00	02	95

1	2	3	4	5	6
	12	7	00	06	97
	12	6	00	05	66
	12	5	00	11	93
	12	4	00	00	40
	11	1बी	00	06	30
	11	1ए	00	17	71
	10	5बी	00	07	32
	10	5ए	00	00	84
	10	1डी	00	06	36
	10	1सी	00	01	05
	10	2बी	00	06	64
	3	3	00	08	72
	3	2	00	09	72
	3	1बी	00	04	58
	3	1ए	00	04	63
	1	8	00	18	51
23, विलयापुर	1	1ए	00	00	90
7, सेक्यूरिटीज पल्ट्याम	39	5	00	00	90
	39	7	00	07	85
	39	6	00	01	44
	57	-	00	20	36
	58	2डी	00	01	95
	58	1	00	04	75
	59	1बी	00	09	50
	59	1ए	00	04	73
	59	2	00	04	20
	61	1डी	00	04	82

1	2	3	4	5	6
	61	1 सौ	00	05	18
	61	1 बी	00	03	78
	61	2 ए	00	05	29
	61	1 ए	00	00	68
	62	2	00	09	01
	63	*	00	16	02
	281	4 एन	00	00	75
	281	13	00	05	40
	281	12	00	00	65
	286	6	00	00	96
	286	1	00	14	80
	286	9 एक	00	00	87
	286	9 इ	00	03	47
	286	9 ऐच्	00	01	36
	286	9 आई	00	00	40
	307	5 एक	00	02	91
	307	5 बी	00	01	60
	307	5 ऐच्	00	03	50
	307	3	00	00	77
	308	1 ए	00	04	01
	304	7 बी	00	03	36
	304	7 ए	00	12	96
	304	6 ए	00	05	50
	304	12 ए	00	00	40
	304	6 सी	00	05	90
	304	9	00	03	00
	304	10	00	00	40
	304	11	00	05	82
	304	8	00	00	40

1	2	3	4	5	6
	293	3	00	04	05
	294	1	00	00	72
	440	1ए	00	03	88
	440	1 बी	00	03	33
	440	2ए	00	00	56
	441	1ए	00	04	70
	441	1बी 2	00	02	16
	441	1बी 1	00	02	28
	442	2	00	06	08
	442	1	00	09	36
	459	1	00	01	92
	459	2	00	01	73
	459	3ए	00	00	90
	458	2ए	00	06	56
	458	1ए	00	06	30
	457	5बी	00	00	89
	491	8बी	00	01	78
	491	7	00	05	91
	491	6ए	00	01	67
	490	2	00	06	17
	490	1	00	00	40
	489	2	00	12	80
	489	1	00	00	40
	516	—	00	00	40
	516	5	00	02	88
	516	4	00	02	07
	518	2	00	01	80
	518	1	00	01	63
	517	1	00	04	38

1	2	3	4	5	6
	519	2	00	02	55
	519	1	00	02	00
	519	5	00	02	88
	519	4	00	03	78
	519	3	00	05	37
	526	1	00	06	48
	526	2	00	05	22
	526	1 <sup>अ</sup>	00	00	50
	526	2	00	09	43
	527	5 <sup>ए</sup>	00	02	83
	527	3	00	02	66
	527	5 <sup>अ</sup>	00	00	40
	527	2	00	02	56
	527	4	00	00	67
	528	3	00	06	84
116. शोमुर	62	2 <sup>पी</sup>	00	03	17
	62	2 ओ	00	00	81
	62	2 एन	00	05	76
	63	4 <sup>बी</sup>	00	00	40
	63	4 <sup>ए</sup>	00	15	62
	63	2 <sup>बी</sup>	00	08	92
	63	2 <sup>ए</sup>	00	01	58
	97	1 <sup>जी</sup>	00	00	60
	97	1 <sup>एफ</sup>	00	02	10
	97	1 <sup>इ</sup>	00	03	92
	97	1 <sup>डी</sup>	00	04	98
	97	1 <sup>सी</sup>	00	11	17
	97	1 <sup>बी</sup>	00	00	90

1	2	3	4	5	6
	97	2	00	00	63
	96	10	00	12	22
	96	14	00	08	00
	96	13	00	04	86
	96	11	00	00	70
	96	12	00	00	40
	96	15	00	12	96
	66	10	00	07	46
	66	11	00	04	90
	66	12	00	07	56
	66	14	00	00	40
	66	7	00	09	02
	66	13	00	01	80
	67	12	00	12	16
	90	10	00	02	34
	90	11	00	03	96
	90	9	00	01	48
	90	13	00	07	35
	90	12	00	00	75
	90	4	00	01	24
	90	5	00	06	05
	90	14	00	15	67
	75	16	00	04	61
	75	12	00	04	86
	75	13	00	06	62
	80	9	00	01	80
	80	8	00	01	80
	80	6	00	01	96
	80	7	00	01	96

1	2	3	4	5	6
	80	4	00	20	88
	81	2सौ	00	04	32
	81	2डो	00	09	08
	83	2ए	00	03	90
	83	1डो	00	01	06

तालूका : तिरुवाल्ली	जिला : तिरुवाल्ली	राज्य : तामिलनाडु			
		क्षेत्रफल			
गांव का नाम	सर्वेक्षण से-खण्ड सं.	उप-खण्ड सं.	हेक्टर	एकर	वर्ग मिटर
1	2	3	4	5	6

43, काञ्चित्पाड़ि	57	12	00	05	22
	56	15	00	00	40
	56	16	00	08	42
	56	7	00	05	10
	56	6	00	01	47
	56	20	00	05	55
	56	4	00	02	39
	56	1	00	04	65
	58	13	00	13	14
	58	12	00	01	64
	53	5	00	03	88
	58	11	00	04	06
	52	8	00	11	69
	52	6	00	09	00
	59	10	00	06	99
	38	10	00	03	98
	38	4सौ	00	08	04
	38	3	00	05	35
	38	4ए	00	02	26

1	2	3	4	5	6
	37	6	00	00	75
	37	5	00	05	49
	37	7	00	07	46
	37	8	00	03	45
	37	4	00	05	91
	20	9	00	08	78
	20	10	00	08	28
	20	8ए	00	06	30
	20	1	00	02	80
	19	5	00	04	40
	24	4	00	10	08
	26	8	00	01	91
	26	7	00	00	40
	26	4	00	01	49
	2	10सी	00	06	76
	2	10बी	00	08	64
	2	10ए	00	00	40
	2	8बी	00	00	40
	2	7बी	00	07	82
	2	7ए	00	08	87
	2	4बी	00	03	10
	1	24	00	00	82
	1	22ए	00	00	40
	1	23	00	00	40
	2	4ए	00	02	58
	1	18	00	08	74
	1	21	00	01	07
	1	19	00	11	74
	1	20	00	04	00

1	2	3	4	5	6
42, गुरुर	72	18	00	09	79
	72	22	00	03	39
	72	21	00	10	01
	72	12	00	07	65
	72	11	00	06	56
	71	4	00	05	85
	71	3	00	09	90
41, पानापक्कम	39	4	00	00	40
	38	3	00	04	83
	38	2	00	09	00
	39	1	00	00	40
	38	12	00	01	60
	38	11	00	05	51
	38	13	00	00	40
	38	14	00	01	04
	38	9	00	25	02
	38	10	00	01	80
	37	3	00	01	80
	37	2	00	12	60
	14	15	00	04	65
	14	13	00	02	27
	14	12	00	00	94
	14	11	00	00	90
	14	14	00	04	30
	16	12	00	00	82
	16	13	00	04	08
	16	14	00	02	16
	16	10	00	01	94

1	2	3	4	5	6
	16	5	00	03	20
	16	3	00	03	70
	17	9	00	04	68
	17	16	00	06	64
	17	15	00	02	10
	17	14	00	01	50
	17	13	00	01	70
	27	1	00	25	85
	21	17	00	04	60
	21	16	00	04	46
	21	14	00	00	40
	21	15	00	05	78
40, नेहालियरम	51	18ए	00	05	40
	51	6	00	09	50
	51	8बी	00	00	40
	51	15बी	00	00	94
	51	10	00	10	53
	51	9	00	04	63
	51	11सी	00	02	11
	51	11बी	00	01	82
	51	11ए	00	01	92
	31	14	00	05	39
	31	13	00	04	36
	32	18	00	06	06
	32	10	00	01	75
	32	11	00	02	32
	32	13	00	00	40
	32	16	00	02	91

1	2	3	4	5	6
	32	17	00	00	90
	33	19	00	00	66
	33	18	00	03	00
	33	5	00	10	65
	33	6	00	00	94
	34	10	00	01	06
	34	5	00	03	74
	34	6	00	09	99
	45	25	00	03	56
	45	21	00	00	40
	45	22	00	03	10
	45	24	00	00	40
	45	23बी	00	01	00
	45	23ए	00	01	80
	45	14	00	05	91
	45	6ए	00	00	90
	45	6बी	00	01	24
	45	3	00	04	60
	45	5	00	03	61
	44	3	00	04	42
	44	4	00	08	11
	44	1	00	01	10
35, आसमकम	207	4	00	18	16
	207	3	00	00	40
	207	5	00	06	40
	206	6	00	06	64
	205	7सी	00	12	66
	205	7बी	00	06	70

[पान II]—खण्ड 3(ii)]

पारां का ग्रन्तपत्र : अप्रैल 12, 2008/चैत्र 23, 1930

1	2	3	4	5	6
	206	9	00	05	26
	206	11	00	00	50
	206	10वी	00	04	90
	206	10ए	00	04	86
	204	8	00	04	82
	204	10	00	03	60
	204	9	00	00	84
	204	3	00	06	04
	204	2	00	04	50
	203	17	00	03	00
	203	18	00	00	75
	203	18	00	01	50
	203	8	00	03	70
	203	9	00	03	70
	203	7	00	02	52
	203	6	00	06	94
	203	5	00	01	00
	203	4	00	03	80
	200	9सी	00	12	96
	200	8	00	03	60
	200	7	00	00	40
	212	3	00	01	70
	212	2	00	16	12
	212	1सी3	00	27	30
	212	1सी2	00	16	12
	212	1सी1	00	02	88
	212	1बी2	00	10	06
	212	1बी1	00	05	76
	212	1टी2	00	03	24

1188 GE/68-10

1	2	3	4	5	6
36. कुप्पम	198	-	00	00	40
	2	2	00	04	38
	2	1	00	16	20
33. आसन्गुलम	371	13 एक	00	14	50
	371	13 इ	00	07	38
	371	13डी	00	03	76
	371	13सी	00	03	22
	371	13बी	00	03	40
	371	13ए	00	04	86
	370	12बी	00	06	84
	370	12ए	00	06	46
	370	14सी	00	03	80
	370	14बी	00	01	80
	370	14ए	00	05	40
	370	9 ए	00	08	00
	370	9बी	00	01	20
	370	6	00	01	28
	370	5	00	05	10
	370	4	00	00	40
	290	8	00	15	66
	290	6	00	08	37
	290	5ए	00	00	40
	290	1	00	07	55
	289	5	00	04	65
	289	4	00	01	24
	289	7बी	00	01	50
	289	7सी	00	01	50
	289	8	00	01	80

1	2	3	4	5	6
	289	9	00	00	90
	289	1	00	14	40
	287	3	00	12	40
	287	4	00	06	00
	287	5	00	05	90
	287	6	00	05	46
	287	7 बी	00	02	90
	286	13बी	00	05	31
	286	13सो	00	00	40
	286	15	00	01	30
	286	16	00	15	75
	286	13डी	00	00	48
	286	2	00	00	40
	286	19	00	06	48
	286	18	00	00	40
	286	20	00	06	30
	286	1सो1	00	00	40
	285	3	00	01	32
	285	4	00	03	70
	285	6	00	03	56
	285	22	00	01	85
	285	9	00	03	20
	285	21	00	02	65
	285	20	00	00	40
	285	10बी	00	00	40
	285	11	00	04	00
	285	12	00	02	00
	285	10ए	00	00	40
	283	11	00	01	80

1	2	3	4	5	6
	283	12ए	00	01	80
	283	6	00	01	40
	283	7	00	00	50
	283	5	00	01	74
	283	4	00	03	42
	283	2सी2	00	03	60
	283	2सी1	00	07	20
	284	8	00	01	30
	284	9	00	02	88
	284	1	00	01	00
	284	10	00	00	40
	264	1ए1ए	00	33	00
	251	1बी1	00	29	00
	251	1ए	00	10	80
	250	-	00	03	00
	244	2	00	08	70
	244	4	00	00	40
	226	10	00	30	72
	223	6	00	22	05
	223	4सी	00	00	40
	223	4बी	00	07	00
	223	4ए	00	01	70
	223	1	00	01	00
	221	1बी2	00	04	68
	221	1बी1	00	15	84
	221	1ए	00	20	07
	217	2	00	03	00
	217	1	00	02	50
	79	7	00	06	96

[पाना II—कुण्ड 3(ii)]

भारत का राज्यपत्र : अप्रैल 12, 2008/वैशं पूर्ण 23, 1930

1	2	3	4	5	6
	79	6	00	04	80
	79	1	00	05	40
	80	2	00	05	76
	80	1	00	02	94
	81	24	00	03	36
	81	1	00	07	56
	81	8वीं	00	00	40
	87	8	00	01	20
	87	1	00	08	00
	88	18	00	09	36
	88	17	00	17	10
	88	1	00	03	96
	91	1	00	09	30
	14	19	00	14	85
	14'	18	00	02	00
	14'	17	00	01	50
	14'	16	00	02	52
	14	3	00	04	50
	14	2	00	01	80
	14	1	00	04	14
	13	17	00	06	66
	13	15	00	04	34
	13	14	00	05	40
	13	5	00	02	34
	13	4	00	02	34
	13	1	00	02	52
	381	1सीं	00	00	70
	12	18	00	04	86
	12	16	00	00	40

1	2	3	4	5	6
	12	10	00	01	50
	12	9	00	01	54
	12	1	00	01	70
	12	3	00	03	36
	12	4	00	06	34
	380	6	00	18	27
<b>25. आलावेदु</b>	262	7	00	18	00
	262	5 पौ	00	00	90
	262	6	00	28	64
	263	1बी2	00	02	88
	263	1बी3	00	05	94
	263	1ए	00	07	20
	263	1सी	00	04	38
	257	18	00	03	60
	257	17	00	03	60
	257	8ए	00	03	24
	257	7	00	03	22
	257	4	00	04	58
	257	3	00	02	52
	192	9	00	01	30
	192	10	00	00	56
	192	7बी	00	00	81
	192	7ए	00	06	48
	192	4	00	01	32
	192	5	00	02	08
	192	3बी	00	01	20
	192	3ए	00	01	26
	192	2	00	02	96

1	2	3	4	5	6
	191	15	00	01	00
	191	16	00	00	65
	191	14	00	01	70
	191	13	00	01	80
	191	12	00	01	54
	191	10 दो	00	00	70
	191	10 सो	00	01	80
	191	11	00	02	95
	191	10 चौ	00	01	60
	190	19	00	00	80
	190	20	00	03	32
	190	18	00	06	30
	190	15	00	02	80
	190	14	00	03	76
	190	13 सो	00	00	95
	190	11	00	04	50
	190	10	00	01	00
	190	8	00	03	60
	190	4	00	01	60
	190	5	00	00	40
	190	2	00	08	60
	190	1	00	00	40
	173	21	00	03	10
	173	15	00	02	20
	173	18	00	02	16
	173	25	00	01	64
	173	17	00	02	40
	173	13	00	00	50
	173	12	00	07	00

1	2	3	4	5	6
	172	7	00	01	90
	172	3 ए	00	05	60
	172	2ए	00	00	40
	171	7बी	00	03	20
	171	7ए	00	00	40
	171	5	00	16	30
	171	2	00	00	45
	158	6	00	10	00
	158	11	00	00	80
	158	2	00	06	30
	158	1सी	00	06	80
	158	1डी	00	00	40
	159	3डी	00	06	68
	159	3सी	00	06	16
	159	3बी	00	00	40
	159	1ए	00	08	28
	160	3ए	00	17	04
	160	3बी	00	00	50
	91	8	00	06	30
	91	9	00	04	90
	91	12	00	00	40
	91	11	00	03	00
	91	10बी	00	01	80
	91	10 ए	00	01	04
	82	2डी3	00	03	84
	82	2डी2	00	01	92
	82	2सी1	00	05	04
	82	2बी	00	06	01
	82	2ए3	00	03	72

1	2	3	4	5	6
	82	202	00	00	76
	82	146	00	07	56
	82	145	00	06	38
	82	146	00	01	00
	82	136	00	10	44
	71	10	00	03	00
	71	9	00	03	10
	71	8	00	02	07
	71	7	00	01	04
	71	6	00	12	33
	71	5 ए	00	03	18
	71	5 बी	00	00	84
	71	4 बी	00	01	80
	95	10	00	08	46
	95	9	00	06	26
	95	4 बी	00	00	82
	95	4 ए	00	03	36
	95	1	00	00	40
	95	3 ए	00	00	40
	95	2	00	09	95
	267	41 ए	00	52	20
	105	1	00	03	40
	105	2	00	09	94
	105	3	00	10	91
	105	4	00	10	94
	105	7	00	02	18
	105	8	00	09	45

1	2	3	4	5	6
26, पोनपाडि	201	1	00	13	00
	202	3	00	02	10
	202	5	00	2	80
	200	3	00	06	43
	198	7	00	06	82
	198	5	00	01	82
	198	6	00	02	80
	198	3	00	00	40
	199	4	00	07	44
	187	15	00	10	62
	187	14	00	03	76
	187	13	00	04	29
	187	12	00	01	36
	187	10	00	02	50
	187	11	00	02	60
	186	5	00	05	22
	186	4	00	09	64
	186	3	00	07	51
	186	2	00	01	65
	186	1	00	01	62
	186	6	00	03	20
	185	5	00	01	40
	185	4	00	00	70
	185	7	00	04	48
	185	3	00	00	40
	185	2	00	00	40
	185	8	00	03	90
	185	1	00	00	54
	184	2	00	11	25

1	2	3	4	5	6
	184	6	00	00	96
	184	3	00	06	00
	184	5	00	01	17
	184	4	00	03	46
	183	6	00	05	60
	183	3	00	00	40
	183	7	00	04	55
	183	5	00	01	48
	161	7	00	06	96
	161	8	00	08	20
	161	5	00	07	92
	162	1ए	00	15	64
	162	1सी	00	02	00
	53	12	00	11	60
	53	11	00	00	40
	53	10	00	03	60
	53	9	00	07	56
	54	9	00	03	60
	54	7ए	00	09	60
	50	4	00	01	70
	50	3	00	06	64
	50	2ए	00	03	06
	50	1	00	05	75
	155	10	00	01	70
	155	9	00	01	00
	155	6	00	00	40
14, आसामेत्तुमानगापुरम	145	17सी	00	09	68
	145	17बी	00	01	12

1	2	3	4	5	6
	145	18	00	03	60
	145	16	00	02	60
	145	7	00	10	23
	145	10	00	00	40
	145	9	00	00	40
	145	8	00	00	40
	145	22	00	00	40
	145	8	00	04	14
	145	4 $\frac{1}{2}$	00	03	60
	145	3 $\frac{1}{2}$	00	01	80
	145	3 $\frac{1}{2}$	00	01	00
	145	2 $\frac{1}{2}$	00	03	56
	149	9	00	03	36
	149	8	00	01	50
	149	7 $\frac{1}{2}$	00	01	70
	149	7 $\frac{1}{2}$	00	00	40
	149	6	00	01	80
	149	5	00	03	60
	149	4	00	04	10
	149	2	00	03	20
	149	3	00	00	40
	150	22	00	06	20
	150	21	00	01	90
	150	20	00	03	30
	150	19	00	01	40
	150	18	00	01	50
	150	17	00	01	71
	150	16	00	02	70

1	2	3	4	5	6
	150	15	00	00	40
	150	13	00	05	40
	150	9बी2	00	09	00
	150	9ए3	00	02	60
	150	9ए2	00	00	40
	150	9ए1	00	00	92
	150	8	00	03	60
	160	3	00	04	66
	274	6	00	13	80
	274	5	00	01	47
	182	3ए	00	02	34
	182	4	00	09	80
	182	15	00	01	26
	182	11	00	04	65
	182	10	00	06	96
	182	12	00	01	96
	188	13बी	00	10	44
	188	11बी	00	04	30
	188	11ए	00	00	40
	188	12बी	00	02	05
	188	12ए	00	01	55
	185	8	00	08	72
	185	9	00	01	10
	185	7	00	00	90
	185	1	00	00	72
	185	2	00	02	52
	185	3	00	04	68
	185	4	00	03	42
	184	2ए	00	01	80

1	2	3	4	5	6
	250	-	00	31	68
	251	1	00	05	40
	263	11	00	20	70
	263	12	00	09	00
	263	13	00	05	70
	263	10	00	15	20
	263	9	00	00	50
	263	5	00	05	58
	263	4	00	03	24
	263	3	00	04	05
	263	2	00	05	13
	263	1	00	11	97
	259	142	00	01	46
	259	141	00	05	04
	258	-	00	25	20
	257	3ए	00	09	00
	257	3बी	00	01	00
	257	1सी	00	01	08
	257	1बी	00	27	00
	257	1ए	00	16	82
15. मुरुखकाप्याहु	9	16	00	10	80
	9	15	00	07	70
	9	8	00	05	92
	9	9ए	00	03	67
	9	9बी	00	00	52
	9	10	00	11	34
	7	12	00	00	49
	9	11	00	03	42

1	2	3	4	5	6
	7	11	00	14	59
	7	8	00	09	33
	7	6	00	03	75
	6	10	00	06	30
	6	9	00	02	52
	6	8	00	02	38
	6	6	00	00	40
	6	1	00	00	40
	5	22	00	06	40
	5	23	00	04	80
	5	21	00	04	80
	5	20	00	01	66
	5	19	00	01	83
	5	18	00	05	81
	4	18	00	00	62
	19	8	00	23	05
	19	3	00	25	20
11. सुर्योनगरम	23	5	00	02	50
	23	6	00	00	40
	23	2	00	01	60
	23	18	00	02	38
	23	17	00	02	38
	23	1	00	02	52
	1	7	00	02	52
	1	6	00	02	52
	1	5ए	00	01	25
	1	5बी	00	02	52
	1	4ए	00	00	40

1	2	3	4	5	6
	1	4बी	00	06	40
	1	3	00	10	08
	1	2बी2	00	08	06
	1	2बी3	00	03	90
<b>12. क्रिष्णासपुद्रम</b>					
	214	8	00	00	40
	214	6	00	00	90
	214	2बी	00	06	68
	214	2ए	00	05	40
	216	8	00	03	62
	216	9	00	01	26
	216	7बी	00	00	40
	216	7ए	00	00	40
	216	5	00	03	73
	216	6	00	00	40
	216	4	00	03	22
	216	3	00	04	32
	221	4इ	00	04	10
	221	1	00	07	11
	221	3	00	03	96
	222	6	00	02	04
	222	5	00	01	22
	222	7ए	00	02	76
	222	4	00	00	40
	222	8	00	04	00
	222	2	00	01	44
	222	1	00	02	15
	223	4	00	01	62
	223	3	00	01	62

1	2	3	4	5	6
	223	2	00	01	00
	324	3	00	06	42
	324	1 घंटी	00	00	46
	224	42 घंटी	00	02	26
	224	42 घंटी	00	02	00
	224	40	00	04	00
	224	39	00	01	00
	224	38	00	01	00
	224	31	00	00	40
	224	37	00	01	50
	224	36	00	01	50
	224	36	00	01	75
	224	34	00	01	02
	225	11	00	04	14
	225	9 घंटी	00	03	10
	226	6 घंटा	00	03	06
	225	5	00	06	94
	226	3 घंटी	00	02	52
	226	2	00	06	94
	225	1	00	02	34
	226	7	00	03	06
	226	5 घंटी	00	03	16
	226	4 घंटी	00	03	12
	226	6 घंटा	00	01	92
	226	5 एक	00	00	52
	226	5 इ	00	00	50
	226	5 घंटा	00	14	20
	226	5 घंटी	00	00	40
	226	2 घंटी	00	02	16

1	2	3	4	5	6
	228	1 एफ	00	04	32
	228	1 जी	00	00	54
	228	1 ई	00	02	34
	228	1 टी	00	02	70
	228	1 बी	00	03	08
	228	1 सी	00	01	10
	229	10	00	02	50
	229	9	00	02	52
	229	8	00	02	16
	229	7	00	02	43
	229	5सी	00	00	70
	229	5बी	00	00	40
	229	5ए	00	00	40
	229	4	00	01	00
	229	3	00	00	40
	229	2ए	00	00	40
	201	10	00	02	45
	201	8	00	05	30
	200	9	00	00	40
	200	8	00	00	40
	230	5	00	00	40
	199	9	00	00	45
	199	8	00	05	76
	199	7	00	02	80
	199	6	00	02	88
	199	5बी	00	03	24
	199	5ए	00	03	24
	199	2	00	14	13
	199	1	00	00	60

1	2	3	4	5	6
	231	11बी	00	00	80
	231	11ए	00	00	40
	231	8	00	00	40
	198	6	00	04	40
	198	4बी2	00	02	97
	198	4बी1	00	01	76
	198	4ए	00	01	62
	198	3	00	03	06
	198	2	00	06	48
	233	15	00	04	86
	233	9	00	02	60
	233	10	00	06	00
	233	8	00	05	94
	233	4	00	03	06
	233	3	00	03	06
	233	2	00	06	40
	235	7	00	08	10
	235	6	00	05	40
	235	5	00	05	40
	236	11	00	01	80
	236	10	00	03	24
	236	9एफ	00	01	65
	236	9जी	00	00	40
	236	9इ	00	03	78
	236	9सी	00	04	86
	236	9ए	00	04	14
	236	5बी	00	09	00
	237	7	00	00	40
	237	6बी	00	02	82

1	2	3	4	5	6
	237	५८	००	००	६०
	237	५९	००	०२	५५
	237	५	००	००	६१
	237	५०	००	०१	९५
	237	५८	००	००	७६
	237	३५	००	०२	०४
	237	२५	००	००	८०
	237	३८	००	०१	७०
	237	२८	००	०१	६२
	237	१	००	०१	६८
	161	८	००	०८	३०
	161	७	००	००	९०
	161	६५	००	०२	३१
	161	६८	००	०३	०६
	161	५	००	०४	८६
	161	२	००	०३	४२
	161	१	००	०३	२४
	142	७	००	०६	४०
	142	५५	००	१३	३२
	142	३	००	०२	५०
	141	६	००	१०	८०
	141	५८	००	००	४०
	141	३	००	०३	८०
	141	१५	००	००	७२
	141	१८	००	०२	५४
	140	३	००	०४	५३
	140	२	००	०२	०७
	140	१	००	१०	७४
	87	५	००	०६	७६

1	2	3.	4	5	6
	87	4	00	09	30
	87	2	00	00	40
	87	1	00	00	96
	89	7	00	04	40
	89	6	00	01	18
	89	5	00	02	30
	89	4	00	02	21
	89	3	00	03	10
	89	2	00	01	27
	89	1	00	03	90
	91	4	00	01	50
	91	3	00	02	24
	91	6	00	02	80
	91	5	00	02	86
	91	12	00	00	40
	90	5	00	04	50
	90	4	00	03	68
	90	3	00	03	78
	95	6	00	02	80
	95	8	00	00	40
	92	2	00	04	50
	92	3	00	00	66
	92	1	00	05	94
	94	4	00	06	12
	94	2बी	00	04	03
	94	3	00	01	55
	94	2रु	00	04	06
	94	1	00	02	04
	106	6बी	00	05	76

1	2	3	4	5	6
	106	5	00	06	12
	106	4	00	03	42
	106	3	00	03	42
	106	1	00	04	14
	105	5	00	05	20
	105	12	00	00	40
	105	6	00	05	04
	105	1वी	00	07	56
	105	7	00	00	40
	104	4	00	03	92
	104	3	00	05	98
	104	2	00	05	76
	104	1	00	04	50
	103	11वी	00	05	40
	103	12	00	04	86
	103	13	00	06	40
	103	4	00	06	12
	103	3	00	01	98
	27	4	00	05	56
	27	6	00	19	56
	27	3	00	00	40
	10	7	00	08	10
	10	6	00	04	50
	10	5	00	03	10
	10	4	00	05	75
	11	7वी	00	01	87
	11	8सी	00	00	90
	11	8ए	00	21	48
	11	8वी	00	01	20

1	2	3	4	5	6
	3	3बी	00	07	92
	3	3ए	00	07	74
	3	2 इ	00	01	80
	3	2बी	00	04	86
	3	2सी	00	05	76
	3	2बी	00	07	38
	3	2ए	00	06	30
	3	1	00	10	44
	5	-	00	22	89
<b>3. विस्तुति</b>					
	4	1 इ	00	02	94
	4	1 एफ	00	04	44
	4	1सी	00	15	60
	4	1बी	00	15	96
	4	1ए	00	16	92
	217	2	00	11	63
	218	-	00	03	06

तालूक : यारिलपट	जिला : तिरुवामुर	राज्य : तामिलनाडु			
		क्षेत्रफल			
गाँव का नाम	सर्वेश्वर सं-खण्ड सं	उप-खण्ड सं	हेक्टर	एकर	वर्ग मिट्र
1	2	3	4	5	6
<b>19. रामसमुद्रम</b>		67	3	00	07
		58	1	00	13
		12	3ए65	00	02
		12	3ए64	00	01
		12	3ए63	00	01
		12	3ए62	00	10

1	2	3	4	5	6
	12	30.61	00	01	90
	12	30.60	00	01	40
	12	30.59	00	00	40
	12	30.58	00	15	12
	12	30.53	00	01	80
	12	30.52	00	01	80
	12	30.51	00	01	80
	12	30.50	00	01	80
	12	30.42	00	03	02
	12	30.41	00	00	40
	12	30.49	00	02	52
	12	30.43	00	01	50
	12	30.40	00	01	74
	12	30.19	00	01	72
	12	30.18	00	01	80
	12	30.6	00	09	71
	12	30.7	00	01	62
	12	30.5	00	05	60
	15	13	00	22	32
	16	5	00	06	22
	16	6	00	04	32
	16	7	00	04	32
	16	8	00	04	32
	16	9	00	04	32
	16	10	00	04	32
1	4	00	04	10	
1	3	00	00	40	
1	14	00	00	48	

१	२	३	४	२३	३४	४	५	६
२०	क्रिक्केटराज्यस्थिति		००	१८१	१८१	००	०२	५०
१८		००	००	१८१	१८१	००	०२	५०
०६		८०	००	१८१	१८१	००	०२	२५
०२		८०	००	१८१	१८१	००	००	४०
००		८०	००	१८१	१८१	००	००	७०
०४		००	००	१८१	१८१	००	०४	१३
२५		०५	००	१८१	१८१	००	०१	८२
०५		००	००	१८१	१८१	००	००	४३
०५		५०	००	१८१	१८१	००	००	४४
१५		००	००	१८१	१८१	००	१०	४७
१३		५०	००	१८१	१८१	००	००	४०
०५		८०	००	१८१	१८१	००	०५	४०
०५		८०	००	१८१	१८१	००	००	४०
१५		१०	००	१८१	१८१	००	००	२२
०५		८०	००	१८१	१८१	००	०५	९४
१५		५०	००	१८१	१८१	००	०१	३४
१५		००	००	१८१	१८१	००	०३	५०
१५		५०	००	१८१	१८१	००	०१	२६
१५		५०	००	१८१	१८१	००	१३	८५
१५		१०	००	१८१	१८१	००	००	४०
१५		१०	००	१८१	१८१	००	०२	४०
१५		०५	००	१८१	१८१	००	००	६५
१५		५०	००	१८१	१८१	००	००	६०
१५		००	००	१८१	१८१	००	०३	४०
१५		१०	००	१८१	१८१	००	०१	२८
१५		१०	००	१८१	१८१	००	०२	३२
१५		५०	००	१८१	१८१	००	०१	४०
१५		१०	००	१८१	१८१	००	००	०३
१५		५०	००	१८१	१८१	००	०३	९८

1	2	3	4	5	6
	128	11	00	01	70
	128	14	00	00	81
	128	9	00	03	60
	128	8	00	03	60
	128	7	00	08	00
	128	6	00	00	40
	128	1बी	00	02	62
	128	1ए	00	00	40
	128	1सी	00	04	40
	128	1डी	00	00	64
	128	2	00	04	36
	123	13	00	05	40
	123	11	00	07	20
	123	7ए	00	01	48
	123	7बी	00	03	90
	123	8	00	03	00
	122	1	00	04	32
	116	20	00	00	51
	116	16बी	00	04	14
	116	15	00	01	56
	116	14	00	01	44
	116	10	00	10	44
	116	9	00	04	68
	116	8	00	00	40
	116	7बी	00	01	70
	116	7सी	00	01	70
	116	4	00	02	52
	116	5	00	01	26
	116	3बी	00	06	48

1	2	3	4	5	6
	116	1	00	04	32
	110	10	00	05	22
	110	9	00	03	96
	110	7	00	10	26
	112	17	00	15	50
	95	9	00	23	75
	95	4	00	03	64
	95	3	00	03	00
	96	6	00	01	32
	96	5	00	02	20
	96	4	00	03	20
	96	3	00	03	60
	96	2	00	00	80
	96	1	00	13	54
	96	10	00	00	40
	96	9	00	00	40
	90	2	00	01	54
	88	9	00	24	50
	89	8	00	03	86
	81	5	00	06	66
	81	4बी	00	03	60
	81	4ए	00	04	14
	81	2	00	06	10
	81	1बी	00	04	86
	81	1ए	00	06	26
	79	5	00	12	36
	79	4	00	02	67
	79	1	00	09	05
	77	2	00	08	82

9	1	2	3	4	5	6
		77	1	00	11	20
		75	4	00	03	82
		76	2	00	03	90
		75	13 <sup>रु</sup>	00	09	23
		75	1 <sup>रु</sup>	00	16	56
		72	7	00	05	34
		72	4	00	02	70
		72	3	00	02	70
		72	1	00	09	00
		72	2	00	00	40
		72	9	00	03	84
		42	1	00	06	84
		40	1	00	27	70
		40	2 <sup>रु</sup>	00	00	40
		34	14	00	03	05
		34	15	00	01	15
		34	13	00	03	96
		34	11	00	07	55
		34	16 <sup>रु</sup>	00	00	40
		34	10	00	07	92
		34	8	00	07	74
		34	7	00	00	90
		35	17	00	03	40
		35	13 <sup>रु</sup>	00	03	48
		35	13 <sup>रु</sup>	00	02	70
		35	12	00	01	30
		35	11	00	01	15
		35	10	00	01	00
		29	14	00	02	47
		29	8 <sup>रु</sup>	00	04	45
		29	7 <sup>रु</sup>	00	00	72
		29	7 <sup>रु</sup>	00	02	01

1	2	3	4	5	6
	29		00	02	92
	29	3	00	03	34
	29	2	00	00	40
	29	1	00	03	24
	19	15	00	02	85
	19	14	00	03	42
	19	13	00	00	57
	19	10	00	04	32
	19	4	00	03	12
	19	5	00	01	25
	19	3	00	02	88
	17	8	00	03	39
	17	9	00	04	29
	3	10	00	03	21
	3	9	00	04	06
	3	6	00	07	90
	3	8	00	00	40
	223	7	00	06	74
	223	6बी	00	01	50
	223	8बी	00	01	20
	223	8ए	00	04	15
	223	9	00	00	40
	205	6	00	01	40
	205	2	00	02	10
	205	3	00	10	00
	205	4	00	03	50
	205	5	00	03	50
	206	9	00	00	65
	206	8	00	09	20
	206	10	00	00	40
	206	5	00	03	12
	206	6	00	03	80

1	2	3	4	5	6
	206	4	00	04	50
	206	3बी	00	04	50
	206	2	00	04	14
	207	11	00	04	86
	207	9	00	03	91
	207	8	00	01	80
	207	7	00	00	40
	213	1	00	05	28
	212	4	00	07	94
	212	3	00	09	60
	212	1	00	08	84
	209	12सी	00	03	50
	209	12बी	00	01	08
	209	12ए	00	04	50
	209	11बी	00	04	32
	209	11ए	00	02	06
	209	7	00	02	16
	210	1ए	00	00	40
18. नोविलि	106	7	00	10	62
	106	6	00	02	73
	100	9	00	05	58
	100	11	00	09	00
	100	10	00	12	60
	100	6	00	00	68
	100	3	00	03	45
	100	2	00	05	13
	99	1	00	05	02
	99	2ए	00	00	40
	101	18	00	02	61
	101	8	00	03	60
	101	7	00	06	98

1	2	3	4	5	6
	96	11	00	01	66
	98	10	00	01	20
	96	12	00	00	90
	98	9	00	01	02
	98	5	00	05	85
	98	4	00	00	40
	98	2	00	02	30
	98	6	00	00	40
	97	4	00	02	24
	97	5	00	01	00
	97	6	00	00	80
	97	7	00	06	10
	97	1	00	00	40
	97	8	00	05	04
	96	7	00	04	70
	96	5	00	00	40
	96	4	00	03	90
	96	8	00	05	35
	96	9	00	04	50
	96	10	00	03	20
	95	3	00	06	87
	95	4	00	01	06
	95	5	00	06	03
	95	2	00	02	10
	95	6	00	03	73
	95	7	00	03	60
	93	3	00	03	00
	93	4	00	01	52
	93	2	00	05	50
	93	1	00	06	87
	94	4बी	00	00	40
	92	4	00	04	50

1	2	3	4	5	6		
	92	2	00	04	12		
92	92	3	00	04	20		
92	91	12	00	03	00		
90	90	13	00	00	90		
88	80	11	00	01	00		
04	00	89	00	01	30		
03	50	88	00	01	00		
04	00	87	00	02	55		
52	50	86	00	03	96		
00	10	85	00	03	60		
08	00	84	00	04	40		
01	80	83	00	00	40		
04	00	1	58	[फ. सं. आ-25011/11/2007-ओ.आ-1]			
40	20	8	58	एस. के. चिटकारा, अवर सचिव			
01	40	Ministry of Petroleum & Natural Gas					
04	00	New Delhi, the 21 <sup>st</sup> April, 2008					

50 S.O. 833—Whereas, by the notification of the Government of India in the  
 51 Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 2936 dated the 04<sup>th</sup> October,  
 52 2007 issued<sup>90</sup> under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals  
 53 Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962); (herein after  
 54 referred to as the said Act) the Central Government declared its intention to acquire  
 55 the right of user in the land<sup>91</sup> specified in the<sup>92</sup> Schedule appended to that notification for  
 56 the purpose<sup>93</sup> of laying pipeline for the<sup>94</sup> transportation of petroleum product from  
 57 Refinery of Chennai Petroleum Corporation Limited, Manali in the State of Tamil  
 58 Nadu to Devanhgudi Terminal, Bangalore,<sup>95</sup> a pipeline should be laid by the Indian Oil  
 59 Corporation Limited, for implementing the<sup>96</sup> Chennai-Bangalore Pipeline Project.

60 And whereas<sup>97</sup> copies of the said notification<sup>98</sup> were made available to the public from  
 61 20.12.2007;

62 60 00 8 20

63 And whereas, the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of  
 64 the said Act has submitted his report to the Central Government;

65 60 00 8 20

66 And whereas, the Central Government, after considering the said report is satisfied  
 67 that the Right of User in the Land specified in the Schedule appended to this  
 68 notification should be acquired;

69 60 00 8 20

70 Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of  
 71 the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said  
 72 land specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for  
 73 laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs that the Right of User in the said Land shall instead of vesting in the Central Government, vest from the date of publication of this declaration, in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

### • Schedule

Taluk : Uthukottai		District : Tiruvarur		State : Tamilnadu		
Name of the Village	Survey No.	Sub-Division No		Hectares	Are	Square meter
1	2	3	4	5	6	
93. Kottakkuppam	237	-	00	22	80	
	115	3B	00	07	16	
	107	2	00	00	40	
	97	2A	00	25	85	
	97	1A	00	18	67	
	94	2B	00	03	30	
	94	2A	00	12	60	
	94	1	00	10	44	
	94	3	00	01	31	
	95	1A	00	00	40	
94, Annadenakakavakkam	96	1B	00	00	40	
	208	2	00	02	24	
	208	3	00	02	16	
	208	1	00	29	89	
	207	3A	00	04	39	
	207	3B	00	05	30	
	207	1A2	00	10	94	
	207	1A1	00	03	00	
	206	-	00	23	94	
	211	1A1C	00	00	40	
99	211	1A1A	00	02	83	
	199	3B	00	10	24	
	199	3A	00	02	41	

1	2	3	4	5	6
	218	2	00	01	32
	219	-	00	14	18
	220	-	00	07	42
	222	2A	00	07	24
	222	1	00	06	33
	266	2B	00	04	58
	266	2A	00	11	54
	266	1	00	00	40
	272	3	00	00	40
	272	1	00	14	61
	278	3C	00	06	34
	278	5	00	01	00
	278	2B	00	07	56
	278	1A	00	06	17
	278	1B	00	06	01
	279	2	00	01	00
	279	1	00	07	56
95, Madavilagam	299	3	00	05	14
	299	2	00	06	90
	299	1	00	07	33
	300	3	00	00	40
	300	2	00	01	71
	300	1	00	04	37
	305	1B	00	04	81
	305	1A	00	01	88
	303	3B	00	00	40
	302	3	00	04	28
	302	1	00	03	95

1	2	3	4	5	6
	290	3	00	06	74
	290	2A	00	05	76
	290	1	00	04	66
	287	4	00	04	50
	287	2	00	11	33
	267	6	00	02	42
	266	5A	00	02	45
	266	5B	00	03	98
	266	4	00	12	78
	266	2	00	00	40
	266	3	00	00	40
	266	1	00	05	94
	262	1	00	00	40
	262	2	00	06	42
	268	1	00	00	40
	269	5	00	00	52
	269	4	00	00	96
	269	3	00	01	55
	269	2	00	03	10
	269	1	00	04	72
78. Tirukandalam	129	2C	00	02	86
	129	2B	00	06	35
	129	2A	00	00	40
	129	1	00	07	06
	128	2	00	01	41
	127	3	00	03	51
	127	2	00	09	76
	111	4	00	00	47

1	2	3	4	5	6
	111	3	00	06	25
	111	2	00	12	14
	110	2	00	04	32
	109	2B	00	06	09
	108	2C	00	00	40
	100	3C	00	10	83
	100	3B	00	00	64
	100	3A	00	00	83
	101	3B	00	00	40
	101	3A	00	00	40
	101	1	00	06	12
	102	2	00	11	89
	356	2	00	05	42
	356	1A	00	12	64
	359	-	00	00	72
	360	3	00	03	87
	360	1	00	00	40
	354	3B1	00	00	67
	354	3A	00	03	05
	354	2	00	02	76
	364	1	00	02	84
	361	2	00	05	50
	361	1	00	16	12
	362	2A	00	07	05
	362	1B	00	03	03
	362	1C	00	06	68
	362	1A2	00	09	21
	364	4	00	15	95
	364	2	00	01	85

1	2	3	4	5	6
	369	2	00	00	40
	369	1	00	07	69
	368	.	00	18	89
	367	50	00	05	20
	367	7B	00	00	40
	371	2	00	07	65
	371	1	00	11	72
	374	2B	00	00	41
	374	1B	00	00	40
	374	2A	00	01	40
	374	1A	00	03	63
76. Perumudivakkam	63	6	00	00	40
	63	7	00	08	48
	63	8	00	10	68
	63	9A1	00	04	93
	58	4	00	01	77
	58	2	00	03	74
	58	1C	00	02	94
	58	1B	00	03	09
	58	1A	00	05	04
	55	3A	00	03	97
	55	2	00	03	42
	55	1	00	06	81
	54	2	00	04	41
	54	1	00	06	07
	52	1	00	03	25
	17	1B	00	01	43
	21	8	00	02	44

1	2	3	4	5	6
	21	7	00	03	39
	21	6	00	03	98
	21	5	00	03	94
	21	10	00	07	57
	21	4	00	05	91
	21	3	00	04	02
	21	1A2	00	02	00
	21	1A1A2	00	09	75
	22	4	00	02	62
	22	5	00	03	05
	22	3	00	00	44
	22	2	00	02	41
	22	1C	00	02	35
	22	1B4	00	05	25
	22	1B3	00	03	50
	22	1B2	00	03	38
	22	1B1	00	06	46
	23	1	00	02	14
75. Alinjivakkam	12	2	00	09	05
	17	3	00	11	25
	11	1B	00	02	95
	17	1	00	07	05
	18	4	00	17	03
	18	3	00	19	92
	113	5B	00	13	32
	113	5A	00	08	90
	113	4B	00	18	03
	112	1A2	00	22	56

1	2	3	4	5	6
	111	1F	00	37	80
	111	1A	00	23	75
				(	)
74, Athangikavanoor	114	1B	00	07	40
	114	1A	00	00	40
	112	88	00	16	22
	112	8A	00	00	40
	112	58	00	06	67
	112	4B	00	05	74
	112	4A	00	02	50
	111	1	00	14	24
	75	2	00	06	12
	75	1	00	04	43
	76	-	00	12	00
	74	-	00	00	40
	77	-	00	05	15
	105	28	00	00	40
	105	2A	00	00	87
	105	1B2C	00	00	40
	105	1B2B	00	00	82
	105	1B2A	00	02	66
	105	1B1	00	07	70
	78	-	00	03	21
	85	2B2	00	05	30
	85	2B1	00	07	02
	85	2A2	00	03	60
	85	2A1	00	02	05
	85	1B	00	01	62
	85	1A	00	03	34

1	2	3	4	5	6
	84	2	00	09	36
	84	1	00	02	99
	83	3B	00	01	38
	83	3A	00	04	29
	83	2B	00	04	68
	83	2A	00	04	96
	83	1	00	09	23
	82	-	00	11	76
	91	2	00	10	19
	91	1	00	13	94
	92	-	00	06	84
	93	1	00	10	80
	93	2	00	06	84
	49	-	00	11	68
	48	-	00	04	13
	47	-	00	04	20
	258	2	00	12	48
	257	-	00	00	59
	256	2	00	23	20
	252	1	00	05	40
	244	2B	00	11	81
	244	1	00	10	41
	240	-	00	10	39
	239	-	00	00	95
	238	2	00	04	08
	238	1	00	00	63
	220	1	00	08	16
	222	1	00	00	71
	221	1	00	01	06

1	2	3	4	5	6
	221	2	00	00	81
	235	4A	00	06	30
	235	4B	00	00	46
	235	3	00	14	04
	235	1	00	02	81
73, Punnapakkam	6	2	00	24	40
	6	1	00	00	40
	6	2	00	11	12
	3	-	00	09	74
	275	3	00	12	12
	275	1	00	01	16
71, Mamballam	6	1	00	00	40
	5	2	00	00	97
	5	1B	00	01	93
	5	1A	00	02	96
	4	2	00	08	66
	4	1	00	13	43
	3	2B	00	08	51
	3	2A	00	03	86
	3	1C	00	03	96
	3	1B	00	04	20
	3	1A	00	07	20
	2	1	00	10	08
70, Kadarvedu	108	-	00	04	66
	111	-	00	36	36
	112	-	00	12	00

1	2	3	4	5	6
	91	-	00	28	28
	89	-	00	15	66
	88	-	00	19	08
	86	2	00	14	17
	85	-	00	17	64
	84	-	00	03	24
25, Vembedu					
	1	4	00	18	42
	1	5	00	02	10
	1	3	00	06	48
	1	28	00	11	40
	1	2A	00	00	48
	30	1	00	09	00
	30	3	00	07	20
	30	4A	00	01	50
	30	4B	00	01	32
	30	5	00	05	40
	29	9	00	12	60
	29	3	00	01	00
	29	6	00	09	00
	44	3	00	01	25
	44	2	00	00	40
	33	4	00	21	24
	39	2	00	05	40
	35	2	00	27	00
	35	1C	00	00	70
	36	3	00	02	15
	92	3	00	02	52
	92	2	00	08	50

1	2	3	4	5	6
	110	2	00	21	24
	110	1	00	15	48
	111	5	00	04	32
	111	6	00	05	94
	111	2	00	03	64
	111	3	00	01	28
	111	1	00	04	50
	113	5	00	02	64
	113	6	00	06	70
	113	13	00	03	29
	113	7	00	03	62
	113	12	00	00	50
	113	11	00	00	45
	113	8	00	03	91
	113	1	00	04	14
	122	2H	00	11	16
	122	2G	00	05	00
	122	2F	00	02	58
	122	2D	00	04	29
	122	2E	00	03	00
	122	2C	00	03	64
	122	2A	00	03	96
	122	1	00	16	60
	117	-	00	00	50
	134	4	00	13	50
	136	18	00	07	75
	136	1A	00	05	40
	135	9	00	00	60
	135	10	00	09	45

1	2	3	4	5	6
	135	11	00	08	28
	136	1C	00	06	00
	136	1G	00	01	26
	136	1D	00	10	06
24, Meyyur	33	2A	00	22	68
	33	1C1	00	06	12
	33	1C2	00	14	89
	33	1B1	00	04	72
	36	3A	00	03	60
	36	2B	00	14	00
	36	1B	00	00	67
	35	1A	00	07	20
	36	2A1	00	01	30
	52	6	00	10	62
	52	5	00	07	35
	52	4	00	00	60
	52	3	00	01	40
	52	2	00	01	96
	54	2B	00	12	24
	54	1	00	09	00
	56	8	00	07	92
	56	7	00	06	94
	56	6	00	07	29
	55	4	00	06	30
	55	3	00	02	52
	56	-	00	02	70
	145	2B	00	06	96
	134	2	00	03	60

1	2	3	4	5	6
	134	1	00	08	16
	136	38	00	02	03
	136	341	00	04	58
	136	2A2	00	02	88
	136	2A1	00	04	62
	136	1A	00	06	59
	143	-	00	00	40
	142	-	00	08	67
	141	1B2	00	00	40
	141	1A	00	03	06
	168	3	00	01	68
	168	1B	00	08	90
	169	-	00	09	52
	171	2	00	10	11
	172	-	00	09	90
	176	2	00	06	66
	177	2	00	03	57
	177	1	00	08	81
	220	2	00	09	88
	220	1	00	08	16
	222	2	00	00	84
	221	2	00	01	68
	217	3	00	05	76
	217	2	00	00	40
	218	1	00	04	14
	204	6	00	10	08
	206	2	00	11	70
	206	1	00	08	10
	206	-	00	07	69

1	2	3	4	5	6
	208	-	00	06	52
	657	5	00	15	12
	657	6	00	02	07
	657	2C	00	08	76
	657	1G	00	00	60
	657	2A	00	02	64
	657	1F	00	07	02
<b>20. Korakkanthandalam</b>	2	3	00	07	52
	2	2	00	26	32
	14	3D	00	01	35
	14	3C	00	15	03
	14	2	00	09	36
	14	1	00	09	22
	15	-	00	25	37
<b>21. Devandavakkam</b>	115	-	00	01	26
	137	6	00	04	00
	137	5	00	07	38
	137	2	00	07	20
	137	3	00	00	40
	138	3	00	09	36
	138	2	00	07	14
	138	1	00	06	30
	139	-	00	06	23
	141	4	00	17	16
	142	1	00	16	56
	142	4	00	01	08
	227	1	00	18	90

1	2	3	4	5	6.
	229	18	00	27	18
	229	1A	00	09	08
	224	7	00	08	18
	224	3	00	06	60
	224	2	00	00	90
	232	5	00	16	56
	232	4	00	07	56
	232	2B	00	07	05
	232	1B	00	05	45
	251	-	00	13	32
19, Odappai	17	-	00	16	38
	14	2	00	15	84
	14	1C	00	06	84
	11	2B	00	07	20
	11	2C	00	19	68
	10	1	00	01	53
	8	9C	00	05	55
	8	9A	00	02	63
	8	8	00	10	68
	3	3A	00	01	61
	3	4A	00	05	50
	3	4B	00	00	40
16, Attrambakkam	17	2A	00	05	90
	17	1C	00	00	40
	17	1D	00	03	38
	15	2	00	01	54
	24	2A1	00	07	66

1	2	3	4	5	6
	24'	1	00	07	42
	25	1D	00	04	66
	25	1A'	00	04	68
	25	1B	00	03	51
	25	2B	00	00	55
	25	2A1	00	00	98
	30	1B	00	05	54
	30	1A	00	05	52
	31	7	00	01	37
	31	8	00	05	14
	31	5	00	07	20
	31	4	00	04	20
	31	3	00	00	42
	29	1	00	03	22
	37	1A	00	10	65
	33	2	00	13	32
	35	2	00	00	40
	35	1	00	00	89
	68	4A2	00	00	40
	68	4B	00	18	90
	68	3	00	06	09
	68	5B1	00	00	40
	68	5C	00	04	69
	72	2G	00	01	48
	72	2J	00	04	95
	72	2I	00	00	51
	45	2A	00	17	31
	47	1	00	09	77
	47	2	00	00	40

1	2	3	4	5	6
	48	7	00	03	78
	48	6	00	04	20
	48	5	00	02	48
	48	4	00	01	36
	48	1E	00	00	40
	48	1F	00	01	00
	49	-	00	03	55
	50	3A	00	00	40
	50	4B	00	05	22
	50	4A	00	01	16
	50	5	00	03	30
	50	3B	00	01	96
	50	3C	00	00	89
	50	2B	00	01	35
	50	2A	00	01	20
	50	1C	00	01	39
	235	1B	00	00	40
	235	1A	00	01	94
	230	2B	00	00	83
	234	2	00	04	80
	234	1	00	06	28
	230	1B2	00	04	81
	230	1B1	00	04	87
	230	1A2	00	02	64
	230	1A1	00	01	27
	231	1B	00	01	52
	231	1A	00	01	87
	229	5B	00	02	80
	229	5A	00	01	90

1	2	3	4	5	6
	229	3B	00	00	71
	229	3A	00	01	60
	228	12	00	05	22
	228	10B	00	06	76
	228	11A	00	00	40
	223	2	00	03	80
	213	16	00	02	61
	213	14	00	05	22
	213	16	00	03	19
	212	2	00	00	40
	201	2C	00	04	59
	201	2A2	00	03	17
	201	2A1	00	01	49
	201	2B	00	03	90
	201	1	00	02	89
	203	1A	00	09	73
	203	1B	00	00	40
	202	1	00	09	54
	202	2	00	00	40
	208	2	00	01	11
	208	3C	00	08	29
	151	2C	00	00	40
	151	2D	00	08	49
	151	1F	00	00	40
	151	1G	00	04	51
	152	4A	00	00	40
	152	3	00	00	53
	152	2	00	01	61
	152	1A	00	03	21

1	2	3	4	5	6
	153	1	00	18	86
13. Nambakkam					
	173	1C	00	06	35
	173	1A	00	07	71
	173	1B	00	07	37
	172	9	00	01	93
	172	8	00	00	40
	172	10	00	08	38
	172	7	00	12	06
	172	1	00	15	56
	170	20	00	01	54
	171	1	00	00	66
	171	2	00	15	88
	171	3	00	01	31
	143	4	00	10	08
	143	10	00	09	90
	143	5	00	04	36
	143	6	00	00	40
	143	9	00	05	05
	143	7	00	08	48
	142	16	00	06	07
	142	15	00	05	36
	142	14B	00	04	36
	142	14A	00	05	90
	142	13	00	01	96
	142	12	00	00	40
	135	8	00	08	01
	135	9	00	03	88
	135	10B	00	00	85

1	2	3	4	5	6
	135	11	00	03	73
	135	12	00	10	66
	136	14	00	04	04
	136	13	00	00	40
	136	12	00	06	02
	136	7	00	09	03
	136	6	00	00	40
	127	2	00	01	79
	127	1	00	11	34
	106	4	00	02	61
	107	12	00	03	96
	107	4	00	07	20
	107	5	00	00	40
	107	3	00	03	06
	107	2	00	03	16
	107	6	00	07	56
	107	8	00	00	40
	84	1	00	11	90
	85	21	00	07	27
	85	208	00	01	31
	83	6	00	03	21
	83	5	00	01	61
	83	4	00	01	66
	83	3	00	03	42
	83	2	00	03	42
	83	18	00	01	33
	82	20A	00	01	98
	82	19	00	03	95
	82	18	00	07	64

1	2	3	4	5	6
	82	17	00	04	04
	82	16	00	00	40
	82	15	00	00	40
	76	8	00	01	76
	77	11	00	06	40
	77	10	00	01	16
	77	9	00	01	00
	77	12	00	07	04
	77	17	00	01	22
	77	14	00	04	68
	77	15B	00	01	45
	77	15A	00	01	75
	78	18	00	02	42
	78	17	00	00	40
	70	10	00	00	68
	70	3	00	05	38
	70	2	00	01	97
	70	1	00	01	13
	70	4	00	03	38
	69	4	00	00	40
	69	5B	00	03	90
	69	5A	00	00	40
	69	11	00	00	40
	69	10	00	00	63
	69	9	00	05	98
	69	8	00	06	22
	69	7	00	01	23
	56	13	00	05	62

1	2	3	4	5	6
12, Nayappakam	14	1B	00	11	04
	14	1A	00	00	56
	17	2	00	00	87
	17	3	00	07	66
	17	1	00	02	86
	15	1	00	00	40
	45	•	00	05	80
	44	3	00	01	66
	44	4B	00	06	08
	44	4A	00	00	40
	48	1	00	02	90
	48	2A	00	00	40
	41	1	00	01	80
	41	2	00	01	60
	41	3	00	03	65
	41	4	00	04	33
	42	5	00	00	40
	35	1C	00	00	40
	35	2C	00	00	78
	35	3C	00	02	60
	40	1	00	01	40
	40	2A	00	00	40
	36	5B	00	03	60
	36	5A	00	00	40
	36	6B	00	02	84
	36	6A	00	01	30
	38	1B	00	12	40
	38	1C	00	01	69
	38	3	00	00	52

1	2	3	4	5	6
	38	1A	00	00	40
	38	2	00	00	40
	188	2	00	00	40
	188	1	00	05	95
	188	3	00	02	48
	189	1B	00	03	33
	189	1C	00	03	16
	189	2A	00	00	85
	189	2B	00	03	31
	189	3	00	06	31
	189	4A	00	04	74
	189	4B	00	03	24
	186	1	00	00	66
	223	-	00	04	53
	224	2B	00	00	83
	224	2E	00	07	02
	224	2D	00	00	40
	213	5A	00	01	30
	213	4A	00	09	65
	213	3A	00	03	24
	213	1A	00	04	77
	213	1B	00	00	40
	212	6	00	12	78
	212	2	00	07	56
	212	1	00	03	00
	217	2	00	04	69
	217	1A	00	02	15
	217	4C	00	01	08
	217	1B	00	02	98

1	2	3	4	5	6
	217	1C	00	00	51
	207	3	00	06	18
	207	5	00	02	30
	207	4	00	04	50
	207	1	00	00	65
	205	4	00	00	60
	296	18	00	02	18
	296	2	00	14	04
	296	1A	00	05	12
	295	3H	00	03	60
	295	3G	00	02	34
	295	3F	00	03	24
	295	3E	00	02	88
	295	3D	00	03	24
	295	3B	00	04	32
	295	3A	00	00	90
	295	2	00	07	92
	295	1	00	12	60
	258	-	00	02	24
	257	-	00	01	92
	268	-	00	20	13
	267	-	00	11	22
	266	-	00	25	56
	263	-	00	03	22
	261	-	00	00	40
	262	-	00	27	45

Taluk : Tiruvalur		District : Tiruvalur		State : TamilNadu		
Name of the Village	Survey No.	Sub-Division No	Hectare	Are	Square meter	
1	2	3	4	5	6	
31. Vengal	425	7	00	04	88	
	425	15	00	00	40	
	425	14	00	00	85	
	425	8	00	00	40	
	425	9	00	02	84	
	425	10	00	01	80	
	425	11	00	03	42	
	426	2	00	01	75	
	426	12	00	08	64	
	426	11B	00	04	91	
	426	11A	00	01	54	
	426	8	00	08	88	
	426	9A	00	05	56	
	426	1	00	00	40	
	427	4	00	03	18	
	427	7	00	06	26	
	427	6	00	00	40	
	427	1	00	04	19	
	428	5	00	03	60	
	428	8	00	01	58	
	428	7B	00	00	40	
	428	6	00	07	07	
	428	2	00	01	20	
	428	1A	00	05	45	
	429	4	00	00	40	
	240	2D	00	10	58	

1	2	3	4	5	6
	240	2C1	00	13	50
	240	2B	00	08	46
	240	1	00	32	40
	238	1	00	11	10
	237	1	00	14	00
	216	3	00	23	44
	216	2J	00	00	40
	215	-	00	14	40
	205	5	00	12	26
	205	2	00	02	80
	205	3	00	00	83
	203	6	00	02	40
	203	5	00	00	97
	203	4	00	01	16
	203	3	00	00	40
	203	2	00	00	40
	203	1	00	07	45
	202	3	00	05	00
	199	3	00	01	81
	199	4	00	04	40
	199	5	00	03	58
	193	9	00	10	18
	193	3	00	05	60
	193	5	00	04	80
30, Sembedu	52	5	00	10	06
	52	4B	00	10	06
	52	4A	00	08	28
	52	3	00	02	21

1	2	3	4	5	6
	52	2	00	06	70
	52	1	00	05	18
	50	7C	00	06	12
	50	7A2	00	07	00
	50	4B	00	05	60
	50	4A	00	05	30
	50	6B	00	00	88
	50	6A	00	03	51
	49	10D	00	03	96
	49	10C	00	04	32
	49	10B	00	04	32
	49	10A	00	02	25
	49	9B	00	01	10
	49	9B	00	04	41
	62	9	00	00	60
	62	8A	00	04	01
	62	7	00	05	76
	62	6	00	02	42
	62	5	00	02	40
	62	4	00	06	66
	62	3	00	00	40
	63	6C	00	03	12
	63	8	00	05	16
	63	6B	00	02	24
	63	9	00	02	31
	63	10	00	02	20
	63	6A	00	01	54
	63	4	00	01	98
	63	5	00	02	16

1	2	3	4	5	6
	63	2A	00	05	70
	53	1	00	01	75
	63	13	00	00	40
	63	12	00	00	98
	64	19	00	00	40
	64	17	00	00	75
	64	21	00	01	80
	64	15	00	03	50
	64	14	00	03	20
	64	13	00	03	24
	64	12	00	03	24
	64	11	00	03	42
	78	9I	00	01	18
	78	9F	00	01	00
	78	9E	00	00	70
	78	9D	00	01	06
	78	9C	00	00	54
	78	9B	00	00	75
	78	9A	00	00	40
	78	8	00	00	40
	77	5	00	04	60
	77	4	00	04	32
	77	1A	00	06	48
	76	6	00	02	94
	76	7B1V	00	00	53
	76	7B1T	00	00	70
	76	7B1R	00	00	98
	76	7B1P	00	01	22
	76	7B1O	00	01	02

1	2	3	4	5	6
	76	7B1M	00	00	81
	76	7B1K	00	01	00
	76	7A	00	00	84
	76	7B1W	00	00	76
	76	7B1I	00	01	50
	76	7B1J	00	00	40
	76	7B1F	00	01	90
	76	7B1G	00	00	40
	76	7B1D	00	01	62
	76	7B1B	00	00	50
	76	7B1A	00	02	52
	76	4	00	00	40
	76	8	00	04	14
	82	29B	00	04	50
	82	29A	00	02	88
	82	25	00	10	62
	82	24	00	00	40
	82	23	00	02	60
	82	22	00	02	40
	82	19	00	00	40
	82	18	00	03	90
	82	15	00	00	40
	82	16	00	02	50
	82	14	00	00	85
	82	12	00	00	40
	82	10	00	11	10
	82	9	00	01	04
	169	2A	00	07	50
	169	3	00	00	60

1	2	3	4	5	6
	168	4	00	12	50
	168	3D	00	02	85
	168	3F	00	03	62
	168	3C	00	00	40
	168	3E	00	07	00
	168	2	00	01	28
	168	1	00	14	40
111	3	00	07	20	
111	2	00	13	00	
111	1	00	09	00	
111	6	00	00	40	
110	20	00	00	40	
112	6	00	02	00	
112	7	00	06	15	
112	15	00	04	68	
112	14	00	03	60	
112	13	00	04	96	
112	11	00	01	53	
112	10	00	01	60	
113	1	00	08	10	
113	13	00	00	40	
113	4	00	02	28	
113	3	00	04	20	
113	2	00	00	40	
113	5	00	01	80	
106	2	00	02	50	
106	3F	00	00	40	
106	3G	00	00	75	
106	5	00	00	60	

1	2	3	4	5	6
	106	4	00	06	40
	106	7A	00	02	56
	106	8	00	08	30
	106	9	00	00	65
	106	14	00	00	60
	106	15	00	03	96
	107	4	00	01	95
	104	6	00	03	70
	104	8A	00	00	40
	104	5	00	00	60
	104	7	00	03	60
	104	4B	00	03	20
	104	4C	00	08	44
	104	4D	00	00	40
	104	4E	00	06	40
	99	15	00	03	66
	99	13	00	05	30
	99	14	00	06	12
	101	9	00	10	26
	101	8A	00	02	00
	101	8B	00	01	26
	101	8C	00	00	40
	101	3C	00	01	80
	101	3B	00	02	88
	101	3A	00	08	64
	101	2	00	02	50
	101	4B	00	00	40
	101	1B	00	01	08
	101	1A	00	06	84

1	2	3	4	5	6
	94	11	00	14	04
	94	10	00	06	24
	94	14	00	00	50
	94	9	00	03	60
	94	8	00	03	96
	94	7	00	08	46
	94	2	00	03	60
	94	1	00	00	40
	95	10	00	05	10
	95	6	00	07	10
	95	9	00	03	64
	95	7	00	02	16
	95	8	00	04	36
	93	1	00	23	50
21. Erraiyur	20	2C	00	05	68
	20	2A	00	06	05
	20	1A	00	04	22
	20	1B	00	02	69
	19	8	00	05	76
	19	7	00	04	61
	19	6	00	02	80
	19	4	00	10	06
	13	2	00	09	64
	12	20	00	05	19
	12	16	00	04	88
	12	15	00	02	70
	12	14	00	03	14
	12	8	00	02	95

1	2	3	4	5	6
	12	7	00	05	97
	12	6	00	05	66
	12	5	00	11	93
	12	4	00	00	40
	11	18	00	06	30
	11	1A	00	17	71
	10	5B	00	07	32
	10	5A	00	00	84
	10	1D	00	06	35
	10	1C	00	01	05
	10	2B	00	06	54
	3	3	00	09	72
	3	2	00	09	72
	3	1B	00	04	55
	3	1A	00	04	63
	1	8	00	16	51
23, Thirupair	1	1A	00	00	90
7, Sendrayanpalyam	39	5	00	00	90
	39	7	00	07	65
	39	6	00	01	44
	57	-	00	20	36
	56	2D	00	01	95
	58	1	00	04	75
	59	1B	00	09	50
	59	1A	00	04	73
	59	2	00	04	20
	61	1D	00	04	82

1	2	3	4	5	6
	61	1C	00	05	18
	61	1B	00	03	78
	61	2A	00	06	29
	61	1A	00	00	68
	62	2	00	09	01
	63	+	00	16	02
	281	4N	00	00	75
	281	13	00	05	40
	281	12	00	00	65
	286	6	00	00	96
	286	1	00	14	80
	286	9F	00	00	87
	286	9E	00	03	47
	286	9H	00	01	36
	286	9I	00	00	40
	307	5F	00	02	91
	307	5G	00	01	60
	307	5H	00	03	50
	307	3	00	00	77
	308	1A	00	04	01
	304	7B	00	03	36
	304	7A	00	12	96
	304	6A	00	05	50
	304	12A	00	00	40
	304	6C	00	05	90
	304	9	00	03	00
	304	10	00	00	40
	304	11	00	05	82
	304	8	00	00	40

1	2	3	4	5	6
	293	3	00	04	06
	294	1	00	00	72
	440	1A	00	03	88
	440	1B	00	03	33
	440	2A	00	00	56
	441	1A	00	04	70
	441	1B2	00	02	16
	441	1B1	00	02	28
	442	2	00	08	08
	442	1	00	09	36
	459	1	00	01	92
	459	2	00	01	73
	459	3A	00	00	90
	458	2A	00	05	58
	458	1A	00	06	30
	457	5B	00	00	89
	491	6B	00	01	78
	491	7	00	05	91
	491	6A	00	01	67
	490	2	00	06	17
	490	1	00	00	40
	489	2	00	12	80
	489	1	00	00	40
	516	+	00	00	40
	515	5	00	02	88
	515	4	00	02	07
	518	2	00	01	80
	518	1	00	01	63
	517	1	00	04	38

1	2	3	4	5	6
	519	2	00	02	55
	519	1	00	02	00
	519	5	00	02	88
	519	4	00	03	78
	519	3	00	05	37
	525	1	00	06	48
	525	2	00	05	22
	526	18	00	00	50
	526	2	00	09	43
	527	5A	00	02	83
	527	3	00	02	66
	527	5B	00	00	40
	527	2	00	02	56
	527	4	00	00	67
	528	3	00	06	84
116. Thomur	62	2P	00	03	17
	62	20	00	00	81
	62	2N	00	05	76
	63	4B	00	00	40
	63	4A	00	15	52
	63	2B	00	06	92
	63	2A	00	01	58
	97	1G	00	00	60
	97	1F	00	02	10
	97	1E	00	03	92
	97	1D	00	04	98
	97	1C	00	11	17
	97	1B	00	00	80

1	2	3	4	5	6
	97	2	00	00	63
	96	10	00	12	22
	96	14	00	06	00
	96	13	00	04	86
	96	11	00	00	70
	96	12	00	00	40
	96	15	00	12	96
	66	10	00	07	48
	66	11	00	04	90
	66	12	00	07	56
	66	14	00	00	40
	66	7	00	09	02
	66	13	00	01	80
	67	12	00	12	18
	90	10	00	02	34
	90	11	00	03	96
	90	9	00	01	48
	90	13	00	07	36
	90	12	00	00	75
	90	4	00	01	24
	90	5	00	06	05
	90	1A	00	15	67
	75	16	00	04	61
	75	12	00	04	86
	75	13	00	06	62
	80	9	00	01	80
	80	8	00	01	80
	80	6	00	01	96
	80	7	00	01	96

1	2	3	4	5	6
	80	4	00	20	88
	81	2C	00	04	32
	81	2D	00	09	08
	83	2A	00	03	90
	83	1D	00	01	06

Taluk : Tiruttani		District : Tiruvarur		State : Tamilnadu	
Name of the Village	Survey No.	Sub-Division No.	Hectare	Are	Square meter
1	2	3	4	5	6
43, Kanchipadi	57	12	00	05	22
	56	15	00	00	40
	56	16	00	08	42
	56	7	00	05	10
	56	6	00	01	47
	56	20	00	05	55
	56	4	00	02	39
	56	1	00	04	65
	58	13	00	13	14
	58	12	00	01	64
	53	5	00	03	88
	58	11	00	04	06
	52	8	00	11	69
	52	6	00	09	00
	59	10	00	06	99
	38	10	00	03	98
	38	4C	00	08	04
	38	3	00	05	35
	38	4A	00	02	26

1	2	3	4	5	6
	37	6	00	00	75
	37	5	00	05	49
	37	7	00	07	46
	37	8	00	03	45
	37	4	00	05	91
	20	9	00	08	78
	20	10	00	08	28
	20	8A	00	06	30
	20	1	00	02	80
	19	5	00	04	40
	24	4	00	10	08
	26	8	00	01	91
	26	7	00	00	40
	26	4	00	01	49
	2	10C	00	06	76
	2	10B	00	08	64
	2	10A	00	00	40
	2	8B	00	00	40
	2	7B	00	07	82
	2	7A	00	06	87
	2	4B	00	03	10
	1	24	00	00	82
	1	22A	00	00	40
	1	23	00	00	40
	2	4A	00	02	58
	1	18	00	09	74
	1	21	00	01	07
	1	19	00	11	74
	1	20	00	04	00

1	2	3	4	5	6
42, Gulur	72	18	00	09	79
	72	22	00	03	39
	72	21	00	10	01
	72	12	00	07	65
	72	11	00	06	56
	71	4	00	05	86
	71	3	00	09	90
41, Panapakkam	39	4	00	00	40
	39	3	00	04	83
	39	2	00	09	00
	39	1	00	00	40
	38	12	00	01	60
	38	11	00	05	51
	38	13	00	00	40
	38	14	00	01	04
	38	9	00	25	02
	38	10	00	01	80
	37	3	00	01	80
	37	2	00	12	60
	14	15	00	04	65
	14	13	00	02	27
	14	12	00	00	94
	14	11	00	00	90
	14	14	00	04	30
	16	12	00	00	82
	16	13	00	04	08
	16	14	00	02	16
	16	10	00	01	94

1	2	3	4	5	6
	16	5	00	03	20
	16	3	00	03	70
	17	9	00	04	68
	17	16	00	08	64
	17	15	00	02	10
	17	14	00	01	50
	17	13	00	01	70
	27	1	00	25	65
	21	17	00	04	60
	21	16	00	04	46
	21	14	00	00	40
	21	15	00	05	76
40. Nedamparam	51	18A	00	05	40
	51	6	00	09	50
	51	8B	00	00	40
	51	15B	00	00	94
	51	10	00	10	53
	51	9	00	04	63
	51	11C	00	02	11
	51	11B	00	01	82
	51	11A	00	01	92
	31	14	00	05	39
	31	13	00	04	36
	32	18	00	05	09
32	32	10	00	01	75
32	32	11	00	02	32
32	32	13	00	00	40
32	32	16	00	02	91

1	2	3	4	5	6
	32	17	00	00	90
	33	19	00	00	66
	33	18	00	03	00
	33	5	00	10	65
	33	8	00	00	94
	34	10	00	01	08
	34	5	00	03	74
	34	6	00	09	99
	45	25	00	03	56
	45	21	00	00	40
	45	22	00	03	10
	45	24	00	00	40
	45	23B	00	01	00
	45	23A	00	01	80
	45	14	00	05	91
	45	6A	00	00	90
	45	6B	00	01	24
	45	3	00	04	60
	45	5	00	03	61
	44	3	00	04	42
	44	4	00	08	11
	44	1	00	01	10
35. Arumbakkam	207	4	00	18	16
	207	3	00	00	40
	207	5	00	00	40
	206	6	00	08	64
	206	7C	00	12	66
	206	7B	00	05	70

1	2	3	4	5	6
	206	9	00	05	26
	206	11	00	00	50
	206	10B	00	04	90
	206	10A	00	04	86
	204	8	00	04	82
	204	10	00	03	60
	204	9	00	00	84
	204	3	00	05	04
	204	2	00	04	50
	203	17	00	03	00
	203	18	00	00	75
	203	16	00	01	50
	203	8	00	03	70
	203	9	00	03	70
	203	7	00	02	52
	203	6	00	05	94
	203	5	00	01	00
	203	4	00	03	80
	200	9C	00	12	96
	200	8	00	03	60
	200	7	00	00	40
	212	3	00	01	70
	212	2	00	15	12
	212	1C3	00	27	30
	212	1C2	00	15	12
	212	1C1	00	02	88
	212	1B2	00	10	08
	212	1B1	00	05	76
	212	1A2	00	03	24

1	2	3	4	5	6
36, Kuppam	198	-	00	00	40
	2	2	00	04	38
	2	1	00	16	20
33, Arungulam	371	13F	00	14	50
	371	13E	00	07	38
	371	13D	00	03	76
	371	13C	00	03	22
	371	13B	00	03	40
	371	13A	00	04	86
	370	12B	00	06	84
	370	12A	00	06	48
	370	14C	00	03	60
	370	14B	00	01	80
	370	14A	00	05	40
	370	9A	00	08	00
	370	9B	00	01	20
	370	6	00	01	28
	370	5	00	05	10
	370	4	00	00	40
	290	8	00	15	66
	290	6	00	08	37
	290	5A	00	00	40
	290	1	00	07	55
	289	5	00	04	65
	289	4	00	01	24
	289	7B	00	01	50
	289	7C	00	01	50
	289	8	00	01	60

1	2	3	4	5	6
	289	9	00	00	90
	289	1	00	14	40
	287	3	00	12	40
	287	4	00	06	00
	287	5	00	05	90
	287	6	00	05	46
	287	7B	00	02	90
	286	13B	00	05	31
	286	13C	00	00	40
	286	15	00	01	30
	286	16	00	15	75
	286	13D	00	00	48
	286	2	00	00	40
	286	19	00	06	48
	286	18	00	00	40
	286	20	00	06	30
	286	1C1	00	00	40
	285	3	00	01	32
	285	4	00	03	70
	285	6	00	03	55
	285	22	00	01	85
	285	9	00	03	20
	285	21	00	02	85
	285	20	00	00	40
	285	10B	00	00	40
	285	11	00	04	00
	285	12	00	02	00
	285	10A	00	00	40
	283	11	00	01	80

1	2	3	4	5	6
	283	12A	00	01	80
	283	6	00	01	40
	283	7	00	00	50
	283	5	00	01	74
	283	4	00	03	42
	283	2C2	00	03	60
	283	2C1	00	07	20
	284	8	00	01	30
	284	9	00	02	88
	284	1	00	01	00
	284	10	00	00	40
	254	1A1A	00	33	00
	251	1B1	00	29	00
	251	1A	00	10	80
	250	-	00	03	00
	244	2	00	08	70
	244	4	00	00	40
	226	10	00	30	72
	223	6	00	22	05
	223	4C	00	00	40
	223	4B	00	07	00
	223	4A	00	01	70
	223	1	00	01	00
	221	1B2	00	04	68
	221	1B1	00	15	84
	221	1A	00	20	07
	217	2	00	03	00
	217	1	00	02	50
	79	7	00	06	96

1	2	3	4	5	6
	79	6	00	04	80
	79	1	00	05	40
	80	2	00	05	76
	80	1	00	02	94
	81	2A	00	03	36
	81	1	00	07	56
	81	88	00	00	40
	87	8	00	01	20
	87	1	00	08	00
	88	18	00	09	36
	88	17	00	17	10
	88	1	00	03	96
	91	1	00	09	30
	14	19	00	14	85
	14'	18	00	02	00
	14'	17	00	01	50
	14'	16	00	02	62
	14	3	00	04	50
	14	2	00	01	80
	14	1	00	04	14
	13	17	00	06	66
	13	15	00	04	34
	13	14	00	05	40
	13	5	00	02	34
	13	4	00	02	34
	13	1	00	02	52
	381	10	00	00	70
	12	18	00	04	86
	12	16	00	00	40

1	2	3	4	5	6
	12	10	00	01	50
	12	9	00	01	54
	12	1	00	01	70
	12	3	00	03	36
	12	4	00	06	34
	380	6	00	18	27
25, Thalavedu	262	7	00	18	00
	262	5P	00	00	90
	262	6	00	28	64
	263	1B2	00	02	88
	263	1B3	00	05	94
	263	1A	00	07	20
	263	1C	00	04	38
	257	18	00	03	60
	257	17	00	03	60
	257	8A	00	03	24
	257	7	00	03	22
	257	4	00	04	58
	257	3	00	02	52
	192	9	00	01	30
	192	10	00	00	56
	192	7B	00	00	81
	192	7A	00	06	48
	192	4	00	01	32
	192	5	00	02	08
	192	3B	00	01	20
	192	3A	00	01	26
	192	2	00	02	96

1	2	3	4	5	6
	191	15	00	01	00
	191	16	00	00	65
	191	14	00	01	70
	191	13	00	01	80
	191	12	00	01	54
	191	10D	00	00	70
	191	10C	00	01	80
	191	11	00	02	95
	191	10B	00	01	60
	190	19	00	00	80
	190	20	00	03	32
	190	18	00	06	30
	190	15	00	02	80
	190	14	00	03	76
	190	13C	00	00	95
	190	11	00	04	50
	190	10	00	01	00
	190	8	00	03	60
	190	4	00	01	60
	190	5	00	00	40
	190	2	00	03	60
	190	1	00	00	40
	173	21	00	03	10
	173	15	00	02	20
	173	16	00	02	16
	173	25	00	01	64
	173	17	00	02	40
	173	13	00	00	50
	173	12	00	07	00

1	2	3	4	5	6
	172	7	00	01	90
	172	3A	00	05	60
	172	2A	00	00	40
	171	7B	00	03	20
	171	7A	00	00	40
	171	5	00	16	30
	171	2	00	00	45
	158	6	00	10	00
	158	11	00	00	80
	158	2	00	06	30
	158	1C	00	05	80
	158	1D	00	00	40
	159	3D	00	06	68
	159	3C	00	06	16
	159	3B	00	00	40
	159	1A	00	08	28
	160	3A	00	17	04
	160	3B	00	00	50
	91	8	00	06	30
	91	9	00	04	90
	91	12	00	00	40
	91	11	00	03	00
	91	10B	00	01	80
	91	10A	00	01	04
	82	2D3	00	03	84
	82	2D2	00	01	92
	82	2C1	00	05	04
	82	2B	00	05	01
	82	2A3	00	03	72

1	2	3	4	5	6
	82	2A2	00	00	76
	82	1E5	00	07	56
	82	1D5	00	06	38
	82	1D6	00	01	00
	82	1C	00	10	44
	71	10	00	03	00
	71	9	00	03	10
	71	8	00	02	07
	71	7	00	01	04
	71	6	00	12	33
	71	5A	00	03	18
	71	5B	00	00	84
	71	4B	00	01	80
	95	10	00	08	46
	95	9	00	08	26
	95	4B	00	00	82
	95	4A	00	03	36
	95	1	00	00	40
	95	3A	00	00	40
	95	2	00	09	06
	267	4A1A	00	52	20
	105	1	00	03	40
	105	2	00	09	94
	105	3	00	10	91
	105	4	00	10	94
	105	7	00	02	16
	105	8	00	09	45

1	2	3	4	5	6
26. Ponpadi	201	1	00	13	00
	202	3	00	02	10
	202	5	00	2	80
	200	3	00	06	43
	198	7	00	06	82
	198	5	00	01	82
	198	6	00	02	80
	198	3	00	00	40
	199	4	00	07	44
	187	15	00	10	62
	187	14	00	03	76
	187	13	00	04	29
	187	12	00	01	36
	187	10	00	02	50
	187	11	00	02	60
	186	5	00	05	22
	186	4	00	09	64
	186	3	00	07	51
	186	2	00	01	65
	186	1	00	01	62
	185	6	00	03	20
	185	5	00	01	40
	185	4	00	00	70
	185	7	00	04	48
	185	3	00	00	40
	185	2	00	00	40
	185	8	00	03	90
	185	1	00	00	54
	184	2	00	11	25

1	2	3	4	5	6
	184	6	00	00	96
	184	3	00	06	00
	184	5	00	01	17
	184	4	00	03	46
	183	6	00	05	60
	183	3	00	00	40
	183	7	00	04	55
	183	5	00	01	48
	181	7	00	06	96
	161	6	00	08	20
	161	5	00	07	92
	162	1A	00	15	64
	162	1C	00	02	00
	153	12	00	11	60
	153	11	00	00	40
	153	10	00	03	60
	153	9	00	07	56
	154	9	00	03	60
	154	7A	00	09	60
	150	4	00	01	70
	150	3	00	06	84
	150	2A	00	03	06
	150	1	00	05	75
	155	10	00	01	70
	155	9	00	01	00
	155	6	00	00	40
14, Alameiumangapuram	145	17C	00	09	68
	145	17B	00	01	12

1	2	3	4	5	6
	145	16	00	03	60
	145	15	00	02	60
	145	7	00	10	23
	145	10	00	00	40
	145	9	00	00	40
	145	8	00	00	40
	145	22	00	00	40
	145	6	00	04	14
	145	4A	00	03	60
	145	38	00	01	80
	145	3A	00	01	50
	145	3C	00	01	00
	145	2A	00	03	08
	149	9	00	03	36
	149	8	00	01	50
	149	7A	00	01	70
	149	7B	00	00	40
	149	6	00	01	80
	149	5	00	03	60
	149	4	00	04	10
	149	2	00	03	20
	149	3	00	00	40
	150	22	00	06	20
	150	21	00	01	00
	150	20	00	03	30
	150	19	00	01	40
	150	18	00	01	50
	150	17	00	01	71
	150	16	00	02	70

1	2	3	4	5	6
	150	15	00	00	40
	150	13	00	05	40
	150	9B2	00	09	00
	150	9A3	00	02	60
	150	9A2	00	00	40
	150	9A1	00	00	92
	150	8	00	03	60
	150	3	00	04	66
	274	6	00	13	80
	274	5	00	01	47
	182	3A	00	02	34
	182	4	00	09	80
	182	15	00	01	26
	182	11	00	04	65
	182	10	00	06	98
	182	12	00	01	98
	188	13B	00	10	44
	188	11B	00	04	30
	188	11A	00	00	40
	188	12B	00	02	05
	188	12A	00	01	55
	185	8	00	08	72
	185	9	00	01	10
	185	7	00	00	90
	185	1	00	00	72
	185	2	00	02	52
	185	3	00	04	68
	185	4	00	03	42
	184	2A	00	01	80

1	2	3	4	5	6
	250	-	00	31	68
	251	1	00	05	40
	263	11	00	20	70
	263	12	00	09	00
	263	13	00	05	70
	263	10	00	15	20
	263	9	00	00	50
	263	5	00	05	58
	263	4	00	03	24
	263	3	00	04	05
	263	2	00	05	13
	263	1	00	11	97
	259	1A2	00	01	46
	259	1A1	00	05	04
	258	-	00	25	20
	257	3A	00	09	00
	257	3B	00	01	00
	257	1C	00	01	08
	257	1B	00	27	00
	257	1A	00	16	92
15. Murukkampattu	9	18	00	10	80
	9	15	00	07	70
	9	8	00	05	92
	9	9A	00	03	67
	9	9B	00	00	52
	9	10	00	11	34
	7	12	00	00	49
	9	11	00	03	42

1	2	3	4	5	6
	7	11	00	14	59
	7	8	00	09	83
	7	6	00	03	75
	6	10	00	06	30
	6	9	00	02	52
	6	8	00	02	88
	6	6	00	00	40
	6	1	00	00	40
	5	22	00	06	40
	5	23	00	04	80
	5	21	00	04	80
	5	20	00	01	66
	5	19	00	01	63
	5	18	00	05	81
	4	18	00	00	62
	19	6	00	23	06
	19	3	00	25	20
11, Suryanagaram	23	5	00	02	50
	23	6	00	00	40
	23	2	00	01	80
	23	18	00	02	88
	23	17	00	02	88
	23	1	00	02	52
	1	7	00	02	52
	1	6	00	02	52
	1	5A	00	01	25
	1	5B	00	02	52
	1	4A	00	00	40

1	2	3	4	5	6
	1	48	00	05	40
	1	3	00	10	08
	1	282	00	08	06
	1	283	00	03	90
12. Krishnasamudram	214	8	00	00	40
	214	6	00	00	90
	214	28	00	06	66
	214	2A	00	05	40
	216	8	00	03	52
	216	9	00	01	26
	216	78	00	00	40
	216	7A	00	00	40
	216	5	00	03	73
	216	6	00	00	40
	216	4	00	03	22
	216	3	00	04	32
	221	4E	00	04	10
	221	1	00	07	11
	221	3	00	03	96
	222	6	00	02	04
	222	5	00	01	22
	222	7A	00	02	76
	222	4	00	00	40
	222	8	00	04	00
	222	2	00	01	44
	222	1	00	02	15
	223	4	00	01	62
	223	3	00	01	62

1	2	3	4	5	6
	223	2	00	01	80
	324	3	00	05	42
	324	18	00	00	40
	224	42B	00	02	80
	224	42A	00	02	00
	224	40	00	04	00
	224	39	00	01	00
	224	38	00	01	00
	224	31	00	00	40
	224	37	00	01	50
	224	36	00	01	50
	224	35	00	01	75
	224	34	00	01	62
	225	11	00	04	14
	225	6B	00	03	10
	225	6A	00	03	06
	225	5	00	05	94
	225	3B	00	02	52
	225	2	00	05	94
	225	1	00	02	34
	228	7	00	03	06
	228	6C	00	03	18
	228	6B	00	03	12
	228	6A	00	01	92
	228	5F	00	00	52
	228	5E	00	00	50
	228	5A	00	14	20
	228	5D	00	00	40
	228	2B	00	02	16

1	2	3	4	5	6
	228	1F	00	04	32
	228	1G	00	00	54
	228	1E	00	02	34
	228	1D	00	02	70
	228	1B	00	03	08
	228	1C	00	01	10
	229	10	00	02	50
	229	9	00	02	52
	229	8	00	02	16
	229	7	00	02	43
	229	5C	00	00	70
	229	5B	00	00	40
	229	5A	00	00	40
	229	4	00	01	00
	229	3	00	00	40
	229	2A	00	00	40
	201	10	00	02	45
	201	8	00	05	30
	200	9	00	00	40
	200	8	00	00	40
	230	5	00	00	40
	199	9	00	00	45
	199	8	00	05	76
	199	7	00	02	80
	199	6	00	02	66
	199	5B	00	03	24
	199	5A	00	03	24
	199	2	00	14	13
	199	1	00	00	60

1	2	3	4	5	6
	231	11B	00	00	80
	231	11A	00	00	40
	231	8	00	00	40
	198	6	00	04	40
	198	4B2	00	02	97
	198	4B1	00	01	76
	198	4A	00	01	62
	198	3	00	03	06
	198	2	00	06	48
	233	15	00	04	86
	233	9	00	02	60
	233	10	00	06	00
	233	8	00	05	94
	233	4	00	03	06
	233	3	00	03	06
	233	2	00	05	40
	235	7	00	06	10
	235	6	00	05	40
	235	5	00	05	40
	236	11	00	01	80
	236	10	00	03	24
	236	9F	00	01	85
	236	9G	00	00	40
	236	9E	00	03	78
	236	9C	00	04	86
	236	9A	00	04	14
	238	5B	00	09	00
	237	7	00	00	40
	237	6B	00	02	82

1	2	3	4	5	6
	237	6A	00	00	60
	237	4C	00	02	55
	237	5	00	00	51
	237	4B	00	01	95
	237	4A	00	00	75
	237	3B	00	02	04
	237	2B	00	00	80
	237	3A	00	01	70
	237	2A	00	01	52
	237	1	00	01	68
	151	8	00	03	30
	151	7	00	00	90
	151	6B	00	02	21
	151	6A	00	03	06
	151	5	00	04	86
	151	2	00	03	42
	151	1	00	03	24
	142	7	00	05	40
	142	4B	00	13	32
	142	3	00	02	50
	141	5	00	10	80
	141	4A	00	00	40
	141	3	00	03	60
	141	1B	00	00	72
	141	1A	00	02	54
	140	3	00	04	53
	140	2	00	02	07
	140	1	00	10	74
	87	5	00	05	76

1	2	3	4	5	6
	87	4	00	09	30
	87	2	00	00	40
	87	1	00	00	96
	89	7	00	04	40
	89	6	00	01	18
	89	5	00	02	30
	89	4	00	02	21
	89	3	00	03	10
	89	2	00	01	27
	89	1	00	03	90
	91	4	00	01	50
	91	3	00	02	24
	91	6	00	02	80
	91	5	00	02	88
	91	12	00	00	40
	90	5	00	04	50
	90	4	00	03	60
	90	3	00	03	78
	95	6	00	02	60
	95	8	00	00	40
	92	2	00	04	50
	92	3	00	00	65
	92	1	00	05	94
	94	4	00	06	12
	94	28	00	04	03
	94	3	00	01	55
	94	2A	00	04	08
	94	1	00	02	04
	106	6B	00	06	76

1	2	3	4	5	6
	106	5	00	06	12
	106	4	00	03	42
	106	3	00	03	42
	106	1	00	04	14
	105	5	00	05	20
	106	12	00	00	40
	105	6	00	05	04
	105	18	00	07	56
	105	7	00	00	40
	104	4	00	03	92
	104	3	00	05	98
	104	2	00	05	76
	104	1	00	04	50
	103	11B	00	05	40
	103	12	00	04	86
	103	13	00	06	40
	103	4	00	06	12
	103	3	00	01	98
	27	4	00	05	56
	27	5	00	19	56
	27	3	00	00	40
	10	7	00	08	10
	10	6	00	04	50
	10	5	00	03	10
	10	4	00	05	75
	11	7B	00	01	87
	11	8C	00	00	90
	11	8A	00	21	48
	11	8B	00	01	20

1	2	3	4	5	6
3	3B	00	07	92	
3	3A	00	07	74	
3	2E	00	01	80	
3	2D	00	04	88	
3	2C	00	05	76	
3	2B	00	07	38	
3	2A	00	06	30	
3	1	00	10	44	
5	-	00	22	89	
3, Sirugumi	4	1E	00	02	94
	4	1F	00	04	44
	4	1C	00	15	60
	4	1B	00	15	96
	4	1A	00	16	92
217	2	00	11	63	
218	-	00	03	06	

Taluk : Pallipat	District : Tiruvallur		State : Tamilnadu		
Name of the Village	Survey No.	Sub-Division No.	Hectare	Are	Square meter
1	2	3	4	5	6
19, Ramasamudram	67	3	00	07	50
	58	1	00	13	68
	12	3A65	00	02	20
	12	3A64	00	01	62
	12	3A63	00	01	60
	12	3A62	00	10	35

1	2	3	4	5	6
	12	3A61	00	01	90
	12	3A60	00	01	40
	12	3A59	00	00	40
	12	38	00	15	12
	12	3A33	00	01	80
	12	3A32	00	01	80
	12	3A31	00	01	80
	12	3A30	00	01	80
	12	3A22	00	03	02
	12	3A21	00	00	40
	12	3A29	00	02	52
	12	3A23	00	01	50
	12	3A20	00	01	74
	12	3A19	00	01	72
	12	3A18	00	01	80
	12	3A6	00	09	71
	12	3A7	00	01	62
	12	3A5	00	05	60
	15	13	00	22	32
	16	5	00	05	22
	16	6	00	04	32
	16	7	00	04	32
	16	8	00	04	32
	16	9	00	04	32
	16	10	00	04	32
	1	4	00	04	10
	1	3	00	00	40
	1	14	00	00	48

1	2	3	4	5	6
20, Krishnarajakuppam	182	13	00	02	50
	182	14	00	02	50
	182	17	00	02	25
	182	12	00	00	40
	182	11	00	00	70
	182	15	00	04	13
	182	10	00	01	82
	182	9	00	00	43
	182	8	00	00	44
	181	6	00	10	47
	181	15	00	00	40
	181	13	00	06	80
	181	11	00	05	40
	181	12	00	00	40
	181	10	00	05	22
	178	11	00	04	94
	178	12	00	01	34
	178	4	00	03	50
	178	5	00	01	26
	178	6	00	13	86
	178	8	00	00	40
	129	4	00	02	40
	129	1	00	00	65
	129	3	00	03	60
	129	5B	00	05	40
	129	2	00	02	28
	129	5A	00	01	32
	129	6	00	00	40
	128	13	00	03	98

1	2	3	4	5	6
	128	11	00	01	70
	128	14	00	00	81
	128	9	00	03	60
	128	8	00	03	50
	128	7	00	08	06
	128	6	00	00	40
	128	1B	00	02	52
	128	1A	00	00	40
	128	1C	00	04	40
	128	1D	00	00	84
	128	2	00	04	36
	123	13	00	05	40
	123	11	00	07	20
	123	7A	00	01	46
	123	7B	00	03	90
	123	8	00	03	00
	122	1	00	04	32
	116	20	00	00	51
	116	168	00	04	14
	116	15	00	01	56
	116	14	00	01	44
	116	10	00	10	44
	116	9	00	04	68
	116	8	00	00	40
	116	7B	00	01	70
	116	7C	00	01	70
	116	4	00	02	52
	116	5	00	01	26
	116	3B	00	06	48

1	2	3	4	5	6
	116	1	00	04	32
	110	10	00	05	22
	110	9	00	03	96
	110	7	00	10	26
	112	17	00	15	50
	95	9	00	23	75
	95	4	00	03	64
	95	3	00	03	00
	96	6	00	01	32
	96	5	00	02	20
	96	4	00	03	20
	96	3	00	03	60
	96	2	00	00	80
	96	1	00	13	54
	96	10	00	00	40
	96	9	00	00	40
	90	2	00	01	54
	89	9	00	24	50
	89	6	00	03	85
	81	5	00	06	66
	81	4B	00	03	60
	81	4A	00	04	14
	81	2	00	08	10
	81	1B	00	04	86
	81	1A	00	06	26
	79	5	00	12	36
	79	4	00	02	67
	79	1	00	08	05
	77	2	00	06	82

1	2	3	4	5	6
	77	1	00	11	20
	75	4	00	03	02
	76	2	00	03	90
	76	18	00	09	23
	75	1A	00	16	56
	72	7	00	05	34
	72	4	00	02	70
	72	3	00	02	70
	72	1	00	09	00
	72	2	00	00	40
	72	9	00	03	84
	42	1	00	06	84
	40	1	00	27	70
	40	2A	00	00	40
	34	14	00	03	05
	34	15	00	01	15
	34	13	00	03	06
	34	11	00	07	56
	34	16A	00	00	40
	34	10	00	07	92
	34	8	00	07	74
	34	7	00	00	90
	35	17	00	03	40
	35	13D	00	03	48
	35	13C	00	02	70
	35	12	00	01	30
	35	11	00	01	15
	35	10	00	01	00
	29	14	00	02	47

1	2	3	4	5	6
	29	8A	00	04	45
	29	7A	00	00	72
	29	7B	00	02	01
	29	4	00	02	92
	29	3	00	03	34
*	29	2	00	00	40
	29	1	00	03	24
	19	15	00	02	85
	19	14	00	03	42
	19	13	00	00	57
	19	10	00	04	32
	19	4	00	03	12
	19	5	00	01	25
	19	3	00	02	88
	17	8	00	03	39
	17	9	00	04	29
	3	10	00	03	21
	3	9	00	04	06
	3	6	00	07	90
	3	8	00	00	40
	223	7	00	06	74
	223	6B	00	01	50
	223	8B	00	01	20
	223	8A	00	04	15
	223	9	00	00	40
	205	6	00	01	40
	205	2	00	02	10
	205	3	00	10	00
	205	4	00	03	50

1	2	3	4	5	6
	205	5	00	03	50
	206	9	00	00	65
	206	8	00	09	20
	206	10	00	00	40
	206	5	00	03	12
	206	6	00	03	80
	206	4	00	04	50
	206	3B	00	04	60
	206	2	00	04	14
	207	11	00	04	86
	207	9	00	03	91
	207	8	00	01	80
	207	7	00	00	40
	213	1	00	05	28
	212	4	00	07	94
	212	3	00	09	60
	212	1	00	06	84
	209	12C	00	03	50
	209	12B	00	01	08
	209	12A	00	04	50
	209	11B	00	04	32
	209	11A	00	02	06
	209	7	00	02	16
	210	1A	00	00	40
16, Nochili	106	7	00	10	62
	106	6	00	02	73
	100	9	00	05	58
	100	11	00	09	00

1	2	3	4	5	6
	100	10	00	12	60
	100	6	00	00	68
	100	3	00	03	45
	100	2	00	05	13
	99	1	00	05	02
	99	2A	00	00	40
	101	18	00	02	61
	101	8	00	03	60
	101	7	00	06	98
	98	11	00	01	68
	98	10	00	01	20
	98	12	00	00	90
	98	9	00	01	02
	98	5	00	05	86
	98	4	00	00	40
	98	2	00	02	30
	98	6	00	00	40
	97	4	00	02	24
	97	5	00	01	00
	97	6	00	00	80
	97	7	00	06	10
	97	1	00	00	40
	97	8	00	05	04
	96	7	00	04	70
	96	5	00	00	40
	96	4	00	03	90
	96	8	00	05	35
	96	9	00	04	50
	96	10	00	03	20

1	2	3	4	5	6
	95	3	00	06	87
	95	4	00	01	08
	95	5	00	06	03
	95	2	00	02	10
	95	6	00	03	73
	95	7	00	03	60
	93	3	00	03	00
	93	4	00	01	53
	93	2	00	05	50
	93	1	00	05	67
	94	4B	00	00	40
	92	4	00	04	50
	92	2	00	04	12
	92	3	00	04	20
	91	12	00	03	00
	91	13	00	00	90
	91	11	00	01	00
	91	9	00	01	30
	91	10	00	01	00
	91	8	00	02	55
	91	7	00	03	96
	91	6	00	03	60
	91	1	00	04	40
	91	2	00	00	40

[F. No. R-25011/11/2007-O.R.-I]  
S.K. CHITKARA, Under Secy.

## श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 मार्च, 2008

का.आ. 824.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैं श्री. सी. श्री. एल. के प्रबंधतांत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं.-I) धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 128/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-03-2008 को प्राप्त हुआ था।

[ सं. एल-20012/8/2001-आई आर(सो-I) ]

सनेह लता जवास, डेस्क अधिकारी

## MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

New Delhi, the 12th March, 2008

S.O. 824.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 128/2001) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, (No.-I) Dhanbad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s B.C.C.L., and their workmen, which was received by the Central Government on 12-03-2008.

[No. L-20012/8/2001-IR (C-1)]

SNEH LATA JAWAS, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. I) DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1) (d) (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947.

## Reference No. 128 of 2001

Parties :- Employers in relation to the management of  
Sudamdhil Shaft Mine of M/s. B.C.C.L.

and

Their workman

Present :- Shri Nagendra Kumar, Presiding Officer

## Appearances—

For the Management :- None

For the Workman :- Shri S.N. Goswami, Advocate

State :- Jharkhand.

Industry : Coal

Dated, 26th February, 2008

## AWARD

By order No. L-20012/8/2001-IR (Coal-1) dated 22-05-2001 the Central Government in the Ministry of Labour has in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following

dispute for adjudication to this Tribunal :—

## SCHEDULE

“Whether the action of the management of BCCL Sudamdhil Shaft Mine in changing date of birth, originally recorded as 1-7-58 to 24-7-48 without referring the case of Apex Medical Board is justified? If not, to what relief is the workman Srikant Gareri entitled?”

After having received the Order No. L-20012/8/2001-IR (Coal-1) dated 22-05-2001 of the aforesaid reference from the Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi for adjudication of the dispute a reference case No. 128 of 2001 was registered on 20-6-2001 and accordingly an order to that effect was passed to issue notice through the registered post to the parties concerned directing them to appear in the Court on the date fixed and file their written statement alongwith the relevant document and a list of witnesses in support of their claim. In compliance of the said order notices were issued to the parties concerned Sri S. N. Goswami, Advocate of the union appeared in the Court to represent the union.

From the perusal of the order sheet of the record it transpires that both the parties have filed their written statements in support of their claim. It is further clear from the record that the case was fixed for filing of rejoinder & document by parties but a petition alongwith a Zerox copy of death certificate of workman has been filed in the Court praying there in to pass a NO DISPUTE AWARD. It is obvious from the record and it is also clear from the death certificate granted by the competent authority that Sri Srikant Gareri the workman concerned died on 30-6-07 and this fact was informed by the petition of the Advocate. The petitioner has mentioned in the application that the family do not want to contest the case further any more since this reference is pending, they have not received the retiral benefit. In the prevailing facts and circumstances of the case it is not advisable to keep the record pending any more. As such it is hear by :—

## ORDERED

That let a “NO DISPUTE” Award be made and the same is passed. Send the copies of the Award to the Govt. of India, Ministry of Labour & Employment, New Delhi for information and needful. Reference is accordingly disposed of.

NAGENDRA KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 17 मार्च, 2008

का.आ. 825.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार फेडरल बैंक लि. के प्रबंधतांत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, इनाकूलम के पंचाट (संदर्भ संख्या 49/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-03-2008 को प्राप्त हुआ था।

[ सं. एल-12012/290/2004-आई आर(बी-1) ]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th March, 2008

**S.O. 825.**— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 49/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ernakulam, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Federal Bank Ltd., and their workmen, received by the Central Government on 17-3-2008.

[No. L-12012/290/2004-IR (B-1)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

**IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, ERNAKULAM**  
Present: SHRI P.L. NORBERT, B.A., L.L.B., Presiding Officer

(Thursday the 30th day of August, 2007/8th Bhadrapada, 1929)

I.D. 49 of 2006

(I.D. I/2005 of Industrial Tribunal Alappuzha)

Workman :	Shri George Thomas Kurisummoottil House Salemperum, Pathanapuram P.O. Kottam District Adv. Shri Ashok B. Shenoy.
Management :	The Dy. General Manager Canara Bank, Circle Office, Staff Section (N) Spencer Junction Thiruvananthapuram Adv. M/s. B.S. Krishnan Associates

**AWARD**

This is a reference made by Central Government under Section 10(1)(d) of Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication. The reference is:—

"Whether the action of the management of the Federal Bank Ltd. with headquarters at Alwaye Kerala in dismissing Shri George Thomas, ex-Clerk-Typist of the Koodal Branch vide order No. PIR/M3/P/2266/AW-276/R-242/2002 dated 9-3-2002 is justified? If not, to what relief Shri George Thomas is entitled?"

2. The facts of the case in brief are as follows:—

The workman, Shri George Thomas was a Typist-Clerk in Federal Bank. Two charge-sheets were issued to him on the allegation of unauthorized absence without intimation, borrowing money from customers of the bank, persuading customers and well-wishers to stand guaranty for him and his family members for availing loans and issuing cheques to several persons without maintaining sufficient balance in the account of the workman. A domestic enquiry was conducted and he was found guilty of all the charges and was dismissed from service. The

workman challenged the findings and punishment. According to him he was not given sufficient opportunity to defend. He was not given notice of enquiry. The enquiry was held *ex parte*. The findings are perverse.

3. According to the management, notice of enquiry was given to the workman. He was afforded sufficient opportunity to participate in the enquiry. But he remained absent. Copy of proceedings of enquiry held on 9-11-2001 was forwarded to him by the Enquiry Officer. He was offered a chance to cross-examine the management witnesses. That was also not availed by the workman. Again the Enquiry Officer sent a copy of Enquiry Report to the workman. On the basis of the materials collected by the Enquiry Officer he came to the conclusion that the workman was guilty of the charges. The Disciplinary Authority, analyzing the evidence and the report, concurred with the findings of Enquiry Officer. The workman was given opportunity for personal hearing and thereafter imposed punishment of dismissal. No illegality is committed either by Enquiry Officer or by the Disciplinary Authority. The workman remained absent unauthorisedly without intimation from 3-4-2001 to 12-4-2001 and again from 17-4-2001 to 7-8-2001. He borrowed money from customers and well-wishers and persuaded customers and others to stand guarantee for him and his family members for loan purpose. He also issued cheques without keeping sufficient balance in the account. The past record of the workman is bad. For similar misconduct disciplinary action was initiated twice and punishment of reduction of basic pay by two stages and stoppage of increment for six months were imposed on him. Still he made no improvements. He has violated Leave Rules as well as provisions of Bipartite Settlement. His conduct is prejudicial to the interest of the bank and affects the reputation of the bank. The findings are based on materials and the punishment is in proportion to the charges. Therefore no interference in the findings or punishment is called for.

4. Since the validity of enquiry is challenged by the workman that issue was heard as a preliminary issue and an order was passed on 17-8-2007 finding that the enquiry is valid. What remains to be considered are:—

- (1) Whether the findings of Enquiry Officer are sustainable?
- (2) Whether the punishment is proper?

The evidence consists of the oral testimony of MW1 and documentary evidence of Ext. M1 on the side of management and WW1 and Exts. W1 to W14 on the side of the workman.

**5. Point No. (1)**

There are two charges. The 1st charge is Ext. ME-4 dated 7-8-2001 and the 2nd charge is Ext. ME-7 dated 1-11-2001. As per the 1st charge the allegation is that the workman remained absent continuously without applying for leave and without intimation from 3-4-2001 to 12-4-2001

and again from 17-4-2001 to 7-8-2001. As per the 2nd charge the allegations are that he borrowed money from customers and well-wishers. He persuaded customers and well-wishers to stand *guranty* for him and his family members. He took possession of a cheque book clandestinely from the bank and issued cheques to creditors without keeping sufficient balance in his account.

6. So far as the 1st charge is concerned it is contended by the learned counsel for the workman that intimation was given to the bank regarding the absence. Therefore, according to him, if at all the absence is treated as unauthorized it is only a minor misconduct. There is no quarrel that unauthorized absence with intimation is only a minor misconduct and unauthorised absence without intimation, is gross misconduct falling within Clause 7(a) and 5 (p) respectively of the 7th Supplementary Bipartite Settlement dated 10-4-2002 (Ref. page 567 'Bipartite Settlements' by H.P.J. Kapoor, 12th Edition). Therefore the pertinent question is whether intimation was given or not. According to the workman the reason for his long absence is his illness. The workman (WW1) says that in 1986 he had met with an accident and fractured his leg. A metal rod was implanted in his leg. There was metallic infection. Hence he was unable to attend duty from 17-4-2001 onwards. The absence prior to that is, from 3-4-2001 to 12-4-2001, for 10 days. He had worked thereafter last on 16-4-2001. According to the management the intimation about his absence from 3-4-2001 to 12-4-2001 alone was given as revealed by Ext. ME-11 to 16 & 18. ME-11 is a leave application in the prescribed format dated 16-4-2001. The leave applied was for 10 days from 3-4-2001 to 12-4-2001. Thereafter he joined duty. Again from 17-4-2001 he was absent. Ext. ME-12 is a covering letter *forwarding* Ext. ME-11 application to the Asstt. General Manager. Ext. ME-13 is Fitness Certificate from St. John's Hospital, Pathanapuram stating that he was fit for resuming duty from 13-4-2001. Ext. ME-14 is a medical certificate dated 3-4-2001 advising 10 days' rest from 3-4-2001 onwards. Ext. ME-15 is an intimation letter dated 17-4-2001 regarding absence. Ext. ME-16 is another medical certificate dated 17-4-2001 stating that the workman requires further treatment. Ext. ME-18 dated 14-7-2001 is a letter of intimation to the bank stating that the workman had not fully recovered from his illness and the doctor had advised him rest for 3 more weeks as per medical certificate dated 12-6-2001 and hence he was unable to report for duty. The management however does not admit receipt of medical certificate dated 12-6-2001. Ext. W12 produced by the workman before this Court is a copy of that medical certificate dated 12-6-2001. Ext. W-12 (a) is postal receipt of having sent Ext. W-12 medical certificate to the bank. Hence the bank cannot say now that they did not receive medical certificate dated 12-6-2001. As per that medical certificate the workman was advised rest for 3 weeks from 11-6-2001. Ext. W-13(a) is a letter of intimation dated 28-7-2001 sent to the bank stating that though he was fit for reporting for

duty due to some personal matters he wanted leave for another six months. Ext. W-13(d) is the postal receipt of having sent Ext. ME-13(a) to the bank. Ext. W-13(b) is another similar letter dated 25-1-2002 stating that it was in continuation of his letter dated 28-7-2001 that he was writing for extension of leave for another 3 months from 25-1-2002 onwards. thus it can be seen from Exts. W-12, 12(a), 13(a) and 13(d) that the workman had intimated the bank that he would be absent. However he had not applied for leave except for the period from 3-4-2001 to 12-4-2001. Therefore the absence at any date from 17-4-2001 to 7-8-2001 is clearly unauthorized absence as found by the enquiry officer. But the finding that it was without intimation to the bank is not correct. To that extent the finding of the Enquiry Officer has to be modified. A mere unauthorized absence is only a minor misconduct as already mentioned.

7. The other charges against the workman are borrowing money from customers and others, persuading customers and well-wishers to stand *guranty* for him and issuing cheques without keeping sufficient balance in his account.

8. As per the charge the workman had borrowed Rs. 50,000 from Smt. Kunjamma Thomas of Pathanapuram and Rs. 10,000 from Shri K.P. Paulose, a retired Sub-Inspector of Police, Pathanapuram. A loan was taken by Shri Ramakrishnan, Chevayur, Calicut pledging 400 units of UTI-64. The loan amount was repaid. But the UTI units were not returned. Shri C. Abraham of Punalur was persuaded to stand as a guarantor for workman. So also, Fr. O. Thomas of Pathanamthitta stood as surety for a loan of Rs. One lakh availed by the workman from bank and salary of Fr. Thomas, who was a High School Teacher, was deducted towards repayment of the loan amount. It was contended by the learned counsel for the workman that none of these persons, except one (Shri K.P. Paulose, a retired Sub-Inspector) are customers of the bank. The amount borrowed from him was only Rs. 10,000. Therefore, according to him, the conduct of the workman in borrowing money has neither affected the reputation of the bank nor is it prejudicial to the interest of the bank. It is to be noted that Bank's Bulletin No. 27/97, Part IV dated 2-7-1997 prohibits borrowing money from customers. Enquiry Report refers to the Bulletin (Pg. 3). Even if the workman had borrowed money only from one customer, that was enough violation of the instructions of the bank and hence misconduct. Shri Paulose was examined as MW2. He supported the charge of having borrowed money from him and received a cheque which was dishonoured. Another creditor, Smt. Kunjamma Thomas, was also examined as MW3. She too stated that the workman had borrowed Rs. 50,000 from her and issued a cheque which was dishonoured. Regarding guarantors the Branch Manager of the Bank (MW1) had given evidence before Enquiry Officer that the workman had requested Shri M.C. Abraham to stand as a guarantor. Fr. O. Thomas too stood as

guarantor, MWI also stated that the UTI units pledged by Shri Ramakrishnan for taking a loan from the bank was not returned after repayment of the loan. Besides, documents produced before the Enquiry Officer also support the case of the management. On the basis of the oral and documentary evidence the Enquiry Officer found that the allegation, of borrowing and securing guarantors for loans availed by workman and his family members, is true. The workman had also issued cheques to the creditors. The cheque book facility was withdrawn by the bank from the workman due to his indiscriminate borrowing. It was thereafter that the workman had clandestinely took a cheque book from the bank and issued cheques to borrowers. Ext. ME-9 is copy of a blank cheque signed by the workman. He is not able to explain how he came in possession of the cheque leaf. The cheques when presented by the creditors were dishonoured. It may be true that out of the creditors there is only one customer of the bank. But that will not lighten the gravity of the misconduct. Indiscriminate borrowing by an employee of the bank is bound to tell upon the credibility of the bank. Persuading people by a bank employee to stand as surety and default on his part to repay the loan, affects the reputation of the bank and consequently it is prejudicial to the interest of the bank.

9. The workman does not have a past good record. He was in the habit of indiscriminate borrowing, absenteeism and incurring debts beyond his means of repayment. Ext. ME-31 and 32 are records of disciplinary proceedings on two previous occasions for similar misconduct of absenteeism and borrowing. The punishments imposed are reduction of basic pay by two stage and stoppage of increment for six months. However, there appears to be no ray of improvement in the conduct of the workman. Repetition of the same misconduct unmindful of the consequences, has led him to the present disciplinary action. The bank cannot tolerate such persons. he has dug his own grave and has to beat his own breast. In the circumstances the employer cannot be expected to clamp a lesser punishment than what is ordered and the same is in no way harsh or hard.

10. As per the charge, the misconduct of remaining absent without intimation continuously for a period exceeding 30 days, falls under Clause 5 (p) of 7th Supplementary Bipartite Settlement, doing an act prejudicial to the interest of the bank under Clause 5 (j), absence without leave under Clause 7(a) and incurring debts to an extent considered by the management as excessive under Clause 7(1). The first two are gross misconduct and the last two are minor misconduct. I have already found that the unauthorized absence is with intimation and therefore it is only a minor misconduct. However, borrowing money from customers and others is an act which is prejudicial to the interest of the bank and it is a major misconduct. Unauthorized absence is also a minor misconduct. These are the charges that are proved. For the gross misconduct

of doing an act prejudicial to the interest of the bank, major punishment of dismissal was ordered by the disciplinary authority and for reasons stated above it calls for no interference.

11. In the light of the reasons stated above, an award is passed finding that the action of the management of Federal Bank in dismissing Shri George Thomas from service is legal and justified and he is not entitled for any relief. The parties will suffer their respective costs. The award will take effect one month after its publication in the official Gazette.

Dictated to the Personal Assistant, transcribed and typed by her, corrected and passed by me on this the 30th day of August, 2007.

P. L. NORBERT, Presiding Officer  
APPENDIX

#### Witness for the Workman

WW1-Shri George Thomas - 13-3-2007.

#### Witness for the Management:

MW1-Shri Syriac Joseph - 14-11-2006.

#### Exhibits for the Workman:

W1 series -Electricity bills issued to Consumer No. 741 (7Nos).

W2 -Copy of letter dated 28-5-2002 sent by the workman to the Supdt., Postal Division, Kollam.

W3 -Letter dated 4-6-2002 issued by Customer Care Centre, Deptt. of Posts, Kollam to the workman.

W4 -Letter dated 8-6-2002 issued by the management to the workman.

W5 -Letter dated 12-6-2002 issued by Customer Care Centre, Deptt. of Posts, Pathanapuram.

W6 -Photostat copy of letter dated 20-6-2002 sent by the workman to the Chief Manager, P & IR Deptt. of the management.

W6(a) -Postal receipt.

W7 -Copy of letter dated 8-7-2002 sent by the workman to the Chief Manager, P & IR Deptt. of the management.

W7(a) -Postal receipt.

W8 -Photostat copy of Medical Certificate dated 3-4-2001.

W9 -Photostat copy of Medical Certificate dated 1-5-2001.

W9(a) -Postal receipt dated 2-5-2001 in r/o letter sent under Certificate of Posting by workman.

W10 -Photostat copy of Medical Certificate dated 4-5-2001.

W11 -Discharge summary issued from St. Joseph's Hospital, Pathanapuram in r/o Shri George Thomas, the workman.

W12 -Photostat copy of Medical Certificate dated 12-5-2001.

W13 -Postal receipt dated 13-5-2001 in r/o letter sent Under Certificate of Posting by workman.

W13(a) -Copy of letter dated 28-7-2001 sent by the workman to the Branch Manager, Federal Bank, Koodal Branch.

W13(b) -Copy of letter dated 25-1-2002 sent by the workman to the Branch Manager, Federal Bank, Koodal Branch.

W13(c)to(e) -Postal receipt of letter sent Under Certificate of Posting by the workman.

W14 -Copy of letter dated 5-12-2001 sent by the workman to the management.

## Exhibit for the Management:

M1 -Enquiry File.

नई दिल्ली, 18 मार्च, 2008

क्र.आ. 826.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसारण में, केन्द्रीय सरकार एस.सी.सी.एल. के प्रबंधतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण गोदावरीखनी के पंचाट (संदर्भ संख्या 122/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-03-08 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22013/1/2008-आई आर (सी-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th March, 2008

S.O. 826.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 122/2005) of the Industrial Tribunal, Godavarikhani as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of SCCL and their workman, which was received by the Central Government on 18-3-2008.

[No. L-22013/1/2008-IR (C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE CHAIRMAN CENTRAL  
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-  
LABOUR COURT,  
GODAVARIKHANI

PRESENT : Sri. M. Shanmugam, B. Com., B.L.,  
Chairman-cum-Presiding Officer

Wednesday, the 20th Day of February, 2008

Industrial Dispute No. 122 of 2005.

Between:  
K. Rajeshwar Rao,  
S/o. Chandraiah,  
Aged about 50 years,  
E.C.No.0813372,  
Ex-Coal Cutter, H.No.19-6-340,  
Laxminagar, PO: Godavarikhani,  
Dist.Karimnagar-505 209 (AP).

And

1. The Supdt.,  
of Mines, GDK. No. 3 Incline,  
Singareni Collieries Co.Ltd., RG-I,  
PO : Godavarikhani,  
Dist. Karimnagar.
2. The General Manager,  
Singareni Collieries Co.Ltd.,  
RG-I, PO : Godavarikhani,  
Dist. Karimnagar.
3. The Chairman & Managing Director, Singareni  
Collieries Co.Ltd.,  
PO: Kothagudem,  
Dist. Khammam.

This Industrial Dispute petition U/Sec. 2-A (2) of I.D. Act, coming on before me for final hearing on 21-04-2008, upon perusing all the documents on record and upon hearing the arguments of Sri K. Sudhakar Reddy, Advocate, for the petitioner and Sri D. Krishna Murthy, Standing Counsel for the respondents, having stood over for consideration till this date, the court passed the following :

## A WARD

1. This petition is filed U/Sec. 2-A (2) of I.D. Act, by the petitioner, the petitioner, Ex-Coal Cutter prays this Court to set aside the dismissal order dt. 14-10-2004 passed by the 2nd respondent and direct the respondents' company to reinstate the petitioner into service, with continuity of service, all other consequential benefits and full back wages, to meet the ends of justice.

2. The averments of the petition filed by the petitioner are as follows:

The petitioner/workman hereby humbly submits that he was appointed as Badli Worker in the respondents' company in the year 1975. In the year 1977, the petitioner was promoted as Coal Cutter and his services were confirmed. From the year 1986 to till 2000, the respondents' authorities utilized his services as Acting Clerk, Man way Clerk, Magazine Clerk, Welfare Section, stores in the office and also as Chit Issuing clerk in the Area Hospital. In the year 2001, the petitioner was again posted as coal cutter under the 1st respondent. Ever since his appointment in the year 1975, the petitioner discharged his duties to utmost satisfaction of his superiors without any kind blemish and

has put up 250 to 300 musters and above for several years. He served the respondents company for more than 29 years i.e., three decades.

3: That in the year 2001 i.e., after 15 years service as clerk, he was again posted a coal cutter under the 1st respondent. The respondents again directed the petitioner to work as coal cutter in the under ground, which is very strenuous in nature. It affected his health very badly and he suffered from serious ill health, chronic back pain and joint pains to his knees etc. Even then, he worked for more than the required minimum 100 musters in 2001 and 2002. During the year 2003, his health further deteriorated and the petitioner was constrained to take treatment frequently. Due to illness, he was not in a position to attend his duties regularly and he was confined to bed. But the 1st respondent issued charge sheet dt.22-2-2004 alleging that he has put in only 96 days of attendance during the year 2003, as under :

“C.S.O.No.25.25; Habitual late attendance or habitual absence from duty without cause”. That his explanation to the said charge sheet on 27-05-2004 along with medical certificates. The respondents condoned the absence of the petitioner and took the petitioner into service. The petitioner attended to duties under the 1st respondent in the year 2004 also, duly taking treatment. That the petitioner underwent treatment in the company's hospitals and other private/Govt. hospitals also. The petitioner's old aged ailing parents also suffered from ill health very seriously. Further, his wife also fell seriously ill and suffered from abdomen ulcer in 2003. She under went major surgery and the petitioner was compelled to take care of his wife and parents also. He is the sole member who has to look after them. Thus there is reasonable and sufficient cause for the alleged absence of the petitioner. It is not at all a habitual one nor deliberate. His personal treatment, prolonged treatment to his parents and wife are inevitable and beyond the control of the petitioner. His previous attendance for more than 2½ decades proves the punctually and loyalty of the petitioner to his duties.

4. That the respondents' authorities granted LL TC to the petitioner to go to Rajura of Chandrapur Dist., Maharashtra State, which was availed by the petitioner from 18-05-2003 to 25-05-2003. He was granted leave with pay and was paid LL TC by the company, but surprisingly this entire period was also shown as absent. The total paid National Holidays and weekly holidays of 2003 were also unjustly shown as absent. 31st of April, June and November 2003 were shown as absent. All these things clearly prove the unfair labour practices of the respondents' authorities. That from the year 1986 to till 2000, the respondents' authorities utilized his services as Acting Clerk, Man way clerk, Magazine Clerk, Welfare Section, Stores in the office and also as chit issuing clerk in the area hospital. The petitioner requested the respondents to regularize services as acting clerks. The respondents'

authorities assured their regularization of services and instructed them to withdraw the W.P. before the Hon'ble A. P. High Court. Accordingly, the petitioner withdrew the W.P., and also appeared for the interviews on 27-5-98 and 4-11-98. But, unjustly he was not regularized as acting clerk though his services were utilized as clerk from 1986 to 2000. In the year 2001, the petitioner was again posted as coal cutter under the 1st respondent. Thus, the respondents company deliberately suffered the petitioner physically, mentally and financially. This is the root cause for the entire unfortunate happenings. Even then the petitioner worked hard in the under ground during 2001 (from June 2001 to December 2001) for 113 days, during 2002 for 159 days and during 2003 for 96 days physical musters. Further, he was granted LL TC availment for 8 days during May 2003. Thus, the alleged short of 4 musters for the required minimum 100 musters is an utter false.

5. But the respondents' company got conducted a farce of domestic enquiry in an eye wash manner. The petitioner was not at all given opportunity to cross examine the management witness. He was denied fair opportunity to defend himself during the alleged domestic enquiry. Even the basic principles of natural justice were not followed. The findings of the enquiry officer are biased and perverse. The enquiry officer not at all considered the true facts. This court may be pleased to declare the domestic enquiry as invalid and vitiated, as a preliminary point. That the 2nd respondent failed to call for the objections and comments of the petitioner on the enquiry report and proceedings, straight away, show cause notice was issued and late dismissed the petitioner from service, vide office order dt. 14-10-2004. It is highly arbitrary, unjust and illegal. It cannot be sustained under law.

6. Further, the extreme and capital punishment of dismissal imposed by the 2nd respondent on the petitioner is highly excessive and shockingly disproportionate to the alleged charge for the short of 4 musters during 2003. It is not at all commensurate and amounts to economic death of the petitioner. He served the company from 1975 to 2004 i.e., for more than 29 years without any blemish. Now he is aged about 50 years and has got only few years of service. He spent huge amounts for his treatment, treatment of his parents and wife, by obtaining loans. That the petitioner hails from a very poor family and has no other source of income, except this job. He is the sole bread winner for his entire large family. He has to feed his ailing old aged parents, wife and children, due to the unjust dismissal from service by the respondents' company vide office order dt.14-10-2004, they are thrown on the streets. The petitioner is facing lot of hardship and mental agony. Ever since his dismissal from service, the petitioner remained unemployed and could not get any other job inspite of his best efforts. That this court has got every jurisdiction to adjudicate this case and wide powers vested U/s. 11-A of I.D. Act, to quash the dismissal order. It is prayed that this Court may be pleased

to set aside the dismissal order dt. 14-10-2004 passed by the 2nd respondent and direct the respondents' company to reinstate the petitioner into service, with continuity of service, all other consequential benefits and full back wages, to meet the ends of justice.

7. The averments of the counter filed by the respondent are as follows :—

That respondent at the outset denied all the material allegations of the petitioner except those which are specifically admitted herein. That it is a Government Company incorporated under the provisions of Companies Act, 1956 for carrying out the business of winning and selling the coal. That since the coal winning industry is a central subject the appropriate Government for this respondent management is Central Government. That as per S.7A(1) of I.D. Act, the appropriate Government may by notification in the Official Gazette constitute one or more industrial tribunals for the adjudication of industrial disputes relating to any matter whether specified in the 2nd schedule or 3rd schedule and for performing such other functions as may be assigned to them under this Act. That Central Government established an Industrial Tribunal-cum-Labour Court at Hyderabad from 29-12-2000 for adjudication of industrial disputes and the petitioner ought to have approached the said tribunal for the redressal of grievance, if any. But the petitioner conveniently avoided to file his petition before the tribunal established by the Central Government for the reasons best known to him. That the petition is not maintainable under law and the same may be dismissed on this ground alone.

8. That the maintainability of the dispute raised by the petitioner before this court may be decided as preliminary issue before proceeding with the trial. The petitioner failed to exhaust the conciliation procedure as laid down in the I.D. Act and filed the present petition before this Tribunal under S.2A(2) of I.D. Act, 1947 as amended by A.P. Amendment Act, 1987 (Act No.32 of 1987). That as the appropriate Government for coal mining industry is the Central Government the State Amendment Act is not applicable to the respondent company and the petition filed by the petitioner is not maintainable under law and is liable to be dismissed in limine. That the petitioner was appointed as Bedit Filler in the respondent company on 4-10-1975 and later he was promoted as Coal Cutter. At the time of dismissal he worked at GDK.No.3 Incline as Coal Cutter Grade 'C' (SLU). As per the company's records his date of birth is 01-01-1956. That the services of the petitioner were utilized on clerical jobs as relievers and when required in place of leave vacancy of regular clerks, but not continuously from November, 1988. In accordance with the orders dt.17-8-2000 of the Hon'ble High Court in W.P.No.916 of 2000 and batch WPs and in accordance with the order dt.26-12-2000 in WA No.1048/2000 and batch W.As., the petitioner was sent back to his original job as Coal Cutter.

9. That the petitioner has remained absent on a number of days without leave, sick or without sufficient cause during the year 2003 and he had put in only 96 masters during the year 2003. As such he was issued with a charge sheet No.R.G.1/GDK.3/007/411, dt.22-2-2004 under company's standing orders No.25.25 which reads as follows :—

"25.25: Habitual late attendance or habitual absence from duty without sufficient cause".

He was advised to submit explanation within four days of receipt of the charge sheet. He has received the charge sheet but did not submit any explanation. He did not inform regarding his ill-health to his superior or to the office of the GDK.No.3 Incline. The averment of the petitioner that he submitted his explanation to the said charge sheet dt. 27-5-2004 along with medical certificates is denied and the petitioner is put to strict proof of the same. The contention of the petitioner that the respondents condoned the absence of the petitioner and took the petitioner into service is not correct. As per regular practice when he reported for duty he was allowed. Allowing for duty does not amount to condoning the absence of the petitioner. Regarding his ill-health and his parent's ill-health, the respondent company is carrying a mining operation, which is engaged in exploration, excavation, extraction and winning of coal in the four districts of Andhra Pradesh i.e., Khammam, Karimnagar, Adilabad and Warangal and has a well established chain of hospitals in all its areas and also in the nearby to cater to the health requirements of its employees and their family members. It is also mandatory under the Mines Act/Regulations to maintain the hospitals that are manned by the qualified medical practitioners. Also the respondent company has rules and regulations to refer the cases of complicated diseases to hospitals such as Nizams Institute of Medical Sciences etc., and the charge are also borne by the respondent company. The petitioner is fully aware of the same but did not avail the facilities.

10. That the petitioner was granted LL TC during the May, 2003. The contention of the petitioner that the period of leave was also shown as absent is not correct. That as per the rules, the weekly holidays and National Holidays between the absents were also treated as absents. The contention of the petitioner that 30th of April, June and November, 2003 were shown as absents is not correct. That for accuracy the absents were taken from the pay sheet. That the petitioner was monthly rated employee. The payment of monthly wages should be on 1st of every month. The procedure of calculation of monthly wages are being taken from 21st of December 2002 to 20th January, 2003. Likewise all the absence in the months shows the absents from 21st of previous month to 20th of current month. As such the 30th of April, June and November, 2003 are to be treated as 31st of March, May, October, 2003 only.

11. That the petitioner was charge sheeted under company's standing orders No. 25.25 for his habitual absenteeism during the calendar year 1st January, 2003 to 31st December, 2003. The petitioner was given full and fair opportunity to submit his explanation and also to participate in the domestic enquiry. He did not prefer to submit any explanation to the charge sheet. He has fully participated in the enquiry and voluntarily admitted the charges levelled against him. He did not bring out the fact of availment of LLTC by him, during the enquiry for the reasons best known to him. However after careful examination of his overall attendance during the year from 2001 onwards and also keeping in view of his habitual absence the penalty that of dismissal from company's service was imposed on him. The contention of the petitioner that he has availed LLTC during the month of May, 2003 is an afterthought and an attempt to misleading this court. The petitioner along with others filed WP. No.4757 of 1991 before the Hon'ble High Court of A.P., Hyderabad seeking direction to absorb them as clerks. In accordance with the various settlements, the selection committee has conducted interview on various dates between 11-5-1998 to 31-1-1999. The petitioner has attended for interview. As he has not scored qualified marks he was not promoted as clerk. Again the petitioner along with others filed WP. No.916 of 2000 and it was disposed in favour of management vide order dt.17-8-2000. Subsequently, the petitioner along with others filed W.A.No.1048/2000 and it was also disposed in favour of management vide order dt.26-12-2000. In accordance with interim orders in the said WP and WA, the petitioner was allowed to continue on clerical jobs. After disposal of the said cases the petitioner was sent back to his original job as coal cutter. That the petitioner's original job is coal cutter. The contention of the petitioner that the respondent's company deliberately suffered the petitioner physically, mentally, and financially is not correct. The following are the attendance particulars of the petitioner from 2001:—

Year	Actual Attendance
2001	113
2002	159
2003 (charge sheet period)	96
2004 (upto May)	24

12. The contention of the petitioner that the required minimum musters are 100, is not correct. That an underground employee should put in 190 mandatory musters minimum per year. As such the petitioner's shortfall musters are 94. That the petitioner has remained absent on a number of days without leave, sick or without sufficient cause during the year 2003, and he had put in only 96 musters during the year 2003. As such he was issued with a charge sheet N.RG.VGDK.3/007/411, dt.22-2-2004 under

company's standing orders No.25.25 which reads as follows:—

"25.25: Habitual late attendance or habitual absence from duty without sufficient cause".

He was advised to submit explanation within four days of receipt of the charge sheet. He has received the charge sheet but did not submit any explanation. As such an enquiry notice dt.31-5-2005 was issued advising him to attend the enquiry on 3-6-2004 along with his witnesses, if any. He has received the enquiry notice, he attended the enquiry on 3-6-2004. He was given full and fair opportunity to defend himself in the enquiry. He was explained the procedure of enquiry. He expressed no objection for recording the enquiry proceedings in English. He was given opportunity to cross examine the management witnesses. That management witness No.1 (MW.1) has produced management witness No.2 (MW.2) witness. The MW.2 in support of his statement has produced 12 months pay sheet from January to December, 2003 pertaining to the petitioner. The documents produced by the MW.2 during the enquiry have been verified in the presence of petitioner and found that the petitioner was marked absents as mentioned in the charge sheet. The petitioner in his statement has admitted the charge levelled against him. He stated that he has remained absent from duty due to ill-health of his family members and himself and personal problems during the year 2003. During counselling he gave an undertaking and he assured that he will work for not less than 22 musters in a month in future three months i.e., from 4-6-2004 to 3-9-2004 and prayed to provide him one more opportunity to improve his work performance.

13. Accordingly he was kept under observation for a period of three months from 4-6-2004 to 3-9-2004. The attendance during the observation period is as follows:—

Month/year	Attendance
June, 2004 (from 4-6-04)	6
July, 2004	11
August, 2004	22
September, 2004	5

That the petitioner failed to improve his attendance and work performance even during the observation period also. Further, a show cause notice dt.4-7-2004 along with the copy of the enquiry report and proceedings by advising him to make representation, if any was issued on him. He acknowledged the same but he did not submit any representation. As the charge levelled against the petitioner was proved and his attendance in the previous years was very poor and as he did not improve his work performance during the observation period also, the respondent was constrained to dismiss the petitioner from the services of the company w.e.f., 18-10-2004. It is, therefore, prayed that the L.D., filed by the petitioner may kindly be dismissed with costs.

Heard oral arguments on both sides on 21-1-2008.

14. On behalf of the petitioner side, Ex-W-1 was marked. On behalf of the respondent side, Ex.M-1 to Ex.M-11 were marked. Ex.W-1 and Ex.W-10 are one and the same. The documents are marked with the consent of both the parties. Respondent side one decision filed.

15. On behalf of the respondent side the following cited decision reported as follows :—

No. 1.—In the High Court of judicature of Andhra Pradesh at Hyderabad in W.P.No. 30036/1995, dt. 6-12-2001, between Thimmaiah Vra., Additional Industrial Tribunal-cum-Additional Labour Court, Hyderabad and another, reported in 2002(1), ALD-314 (D.B)—Industrial Disputes Act, 1947—Sections 2(oo)(bb) and 25-F—Termination from service on the ground of continued absence from duty under the standing orders does not amount to retrenchment. When such order of termination was made after giving notice to the employee, it is not liable to be challenged.

16. Before going into the merits of the case, I would like to submit how this case was delayed. This petition-claim statement was filed on 7-11-2005, U/Sec. 2 (A) 2 of the I.D. Act, being aggrieved by the order of removal passed by the respondent-management vide Proc., dt. 14-10-2004, and it was checked and numbered on 25-11-2005. It was posted by issuing notice to respondent side through RPAD on 9-12-2005. On behalf of the respondent side, Sri D. Krishna Murthy, Advocate, filed vikalat on 21-4-2006, R-2 filed counter. Memo filed adopting the counter of R-2 by R-1 and R-3. On 5-6-2006, Sri K. Sudhakar Reddy, Advocate filed the vikalat, petition U/Sec. 36(4) leave granted as other side consented. It was posted for framing on preliminary issues on 9-10-2006 and it was posted for hearing on preliminary issues 6-11-2006. On 20-11-2006 heard arguments on both sides, and posted for orders on 21-11-2006. On that day orders pronounced. In the result, the domestic enquiry conducted is legal, proper valid and binding on the parties. Posted for arguments on 4-12-2006. On 8-12-2006, counsel for the petitioner wants to file compromise petition to refer the matter to the Lok Adalat. On 11-6-2007, 15 adjournments were granted for filing petition to send to Lok Adalat, the petitioner counsel stated the petitioner is not approaching him. If next date not approached, he will report no instructions. Posted finally. On 17-9-2007, junior counsel requested time the respondent counsel stated ready though the court granted 22 adjournments but the petitioner counsel not cooperated for disposal, the court directed if the next date of adjournment, not get ready, filed adjournment petition or report no instructions, otherwise it will be decided U/Order 17, Rule-3 of CPC and Rule-24 of A.P.I.D., Rules, as it is in the identified list. On 21-1-2008 heard arguments on both sides. On perusal of the docket step, petitioner appeared only for two times for a period of three years, and posted for Award.

17. Heard the arguments advanced by the learned counsel appearing for respective parties, (the petitioner counsel stated arguments treated as heard). I have perused the contents of the claim statement and counter allegations together with all other documents filed into the court and material available on record. I have also taken into consideration the various points raised by the respondent counsel during the course of the arguments. Having seen the entire material available on record and the facts and circumstances of the case, the following charge framed against the petitioner in this case arises for consideration.

The petitioner for having habitual late attendance or habitual absence from duty without sufficient cause i.e., during the year 2003, the petitioner absented on number of days without leave sick or without sufficient cause and he had put only 96 days attendance, it amounts to misconduct.

18. After issuing the charge sheet to the petitioner under Ex. M-1, the same was acknowledged by the petitioner under Ex.M-2. The petitioner did not give any reply to the charge sheet. The petitioner also failed to file if any charge sheet explanation given as alleged by him. The respondent issued the office order appointing the enquiry officer for conducting the domestic enquiry under Ex.M-3. The respondent also issued notice directing the petitioner to attend the enquiry under Ex.M-4. The petitioner attended the domestic enquiry. On behalf of the respondent side witness, Sri E.John Samuel is examined as MW-1 and another witness MW-2 Sri Md. Hashan, Pay Sheet Clerk, examined. The petitioner though availed the opportunity and he has not cross examined anything on their evidence. The petitioner gave the statement stating that he received the charge sheet and he admitted the charge levelled against him under the Company Standing Orders 25,25. Petitioner voluntarily admitted that he remained absent from duty without leave sick, permission or information on that dates as mentioned in the charge sheet i.e., he put 96 musters during the year 2003. Further petitioner stated he has remained absent due to personal problems and ill-health of himself and his family members. He requested the management to forgive him for this time on humanitarian grounds and he assured that he will not repeat the same absenteeism in future. The same is marked as Ex.M-5. Enquiry report sent to the respondent. The charge was found guilty of misconduct as per the evidence of MW-1 & MW-2 and the voluntarily admission of the petitioner under Ex.M-6. The petitioner gave the undertaking after counseling stating that he may not be absent for a period of 3 months to prove the same an opportunity should be given. Accordingly, an opportunity was given i.e., Ex.M-7. Show cause notice issued why he should not be removed for his guilty of misconduct under Companies Act No.25,25 under Ex.M-8. Ex.M-9 is the acknowledgement of the petitioner for receiving the show cause notice. Ex.M-10 is the office order of dismissal. The respondent filed the

attendance register Xerox copies of the petitioner's employee compared with the original by the Superintendent found it as correct and it is marked as Ex.M-11.

19. Being aggrieved by the dismissal order issued by the respondent against the petitioner, the petitioner filed this I.D. U/soc.2-A(2) of the I.D. Act, challenging the dismissal order directing the respondent to reinstate the petitioner into service with back wages and other attendant benefits etc. In support of the petitioner, the petitioner workman has filed an affidavit petition, he has narrated all the facts and circumstances that he was forced to file this petition and requested the court to allow this petition as prayed for.

20. On behalf of the petitioner side the petitioner relied on the claim petition contents as defence plea and also petitioner argued treated as heard. The petitioner submitted his explanation to the charge sheet along with medical certificates. The LLTC granted to the petitioner with pay and allowance, but surprisingly this period was also shown as absent. The total paid national holidays and weekly holidays of 2003 were also unjustly shown as absent i.e., 31st April, June and November, 2003 were shown as absent. There is no shortage of 4 musters for the require minimum of 100 musters is an utter false. The petitioner originally was appointed as Badli worker, subsequently he was promoted as Coal Cutter and his services were confirmed. The petitioner requested the respondent to regularize the services as Acting Clerk. The petitioner in the year 2001 i.e., after 15 years service as a Clerk, he was again posted as a Coal Cutter in the under ground which is very strenuous in nature, it affected his health very badly and he suffered from serious ill-health chronic back pain and joint pains to his knees etc., He worked for more than required minimum 100 musters in 2001 and 2002. The charge sheet was issued alleging that he was put only 96 days of attendance during the year 2003. He served in the respondent company for more than 29 years. The respondent dismissed by unfair labour practice. Hence he prays this court to set aside the dismissal and direct the respondent to reinstate him with all benefits etc., to meet the ends of justice.

21. For this, respondent standing counsel argument on behalf of the respondent side relied the documents charge sheet Ex.M-1, enquiry report Ex.M-6, petitioner's undertaking letter after counseling Ex.M-7, show cause notice Ex.M-8, office order of dismissal Ex.M-10 and the Xerox copies of the attendance register compared and attested by the Superintendent filed and marked under Ex.M-11. The respondent counsel also relied on the enquiry proceedings i.e., the evidence of respondent-management witnesses Sri E. John Samuel, MW-1 and Sri Md. Hashan, MW-2. The petitioner's admission at the time of domestic enquiry all are marked under EX.M-5.

22. From the respondent standing counsel argument, the petitioner was advised to submit his explanation within

4 days of receipt of the charge sheet though he received the charge sheet but did not submit any explanation and also denied the petitioner submitting his explanation to the charge sheet on 27-5-2004 along with medical certificates and the petitioner is put to strict proof of the same. The petitioner though received the show cause notice and acknowledged the same, but he did not submit any explanation. The respondent standing counsel mainly relied on the admission of the petitioner for his absenteeism and only attended 96 musters. Once the charge is admitted by the petitioner at the time of domestic enquiry without any dispute, the petitioner stated that he was absented 96 musters rolls nothing to be proved by the respondent when the petitioner admitted. What more evidence is required when the petitioner himself admitted without objected or disputed as per the charge sheet allegations at the time of domestic enquiry. Further the respondent standing counsel argument he denied the submitting charge sheet explanation along with the medical certificate and the petitioner is to put to strict proof of the same. But the petitioner and his counsel failed to file those documents into the court, they also not taken the steps to send for from the respondent. If really those documents were filed by the petitioner and also nothing is prevented by the petitioner to file the Xerox copies or by examining concerned persons to prove that the petitioner taken the treatment, but in all the aspects the petitioner failed to do so. The next point of the petitioner counsel his availment of LLTC was taken absenteeism during the month of May, 2003. For this respondent standing counsel not accepted the contention of the petitioner that the period of leave was also shown his absent not correct, as per the Ex.M-11 attendance register Xerox copies filed into the court and also as per the charge sheet Ex.M-1 which itself clearly go to show that in the month of May, 18th to 22nd was not shown as absent. If the days are disputed, the petitioner is nothing prevented to file the documents showing his days not calculated for the LLTC availed. Except the oral contention the petitioner failed to prove LL TC was shown as absent.

23. From the petitioner's counsel contention the petitioner underwent treatment in the company hospitals and other private hospitals also. The petitioner's old aged ailing parents also suffered from ill-health very seriously and his wife also fell seriously ill and suffered from abdomen ulcer in 2003. For that she also underwent major surgery and the petitioner was compelled to take care of his wife and parents also, as he is the sole member who has to look after them. So there is reasonable sufficient cause for the alleged absenteeism of the petitioner. It is not at all habitual one or deliberate as it is inevitable and beyond the control of the petitioner. For this respondent standing counsel argument. The respondent maintain the hospitals that are manned by the qualified medical practitioners. As per the respondent company rules and regulations to refer the cases of complicated diseases to hospitals such as Nizam

Institute of Medical Sciences etc., and the charges are also borne by the respondent company, but the petitioner fully aware of the same, he did not avail the facilities. That itself shows if really the petitioner suffered ill-health and taken treatment nothing is prevented by him to produce the medical certificates or by examining the doctors who examined him before the court, but the petitioner failed to do so to prove that he suffered ill-health and his parents. So the petitioner's contention is only an afterthought to get over his absence.

24. The petitioner's contention that the respondents condone the absence of the petitioner and took the petitioner into service is not correct. Petitioner allowing for his duty does not amount to condone the absence of the petitioner. The respondent after careful examination of his over all attendance during the year 2001 onwards and also keeping in view of his habitual absence, the petitioner was given the family counseling though the petitioner gave the undertaking in future he will not be absent, but the petitioner continuing by habitual absenteeism without any improvement. Owing the counseling he gave an undertaking and he assured that he will work for not less than 22 musters in a month in future 3 months and prayed to provide him one more opportunity to improve his work performance. Accordingly, he was kept under observation for a period of 3 months from 4-6-2004 to 3-9-2004, the attendance during the observation period is as follows. In the month of June attended 6 days, July, 11 days, August, 22 days and September, 5 days. When there is no improvement on the petitioner's attendance a show cause notice was issued to him, but he did not submit any reply to the show cause notice. As per the enquiry report he found guilty and he was dismissed as per the office order.

25. The petitioner counsel contended with regard to regularization of the service of the petitioner i.e. the petitioner requested the respondent to regularize his service as acting Clerk. For this respondent standing counsel contended that the petitioner along with others filed the W.P.No.916/2000 and it was disposed in favour of the management vide order dtd.17-8-2000. Against that the petitioner and others filed the W.A. NO.1048/2000 and it was also disposed in favour of management vide order dtd. 26-12-2000. In accordance with interim orders in the said W.P. and W.A., the petitioner was allowed to continue after disposal of the writ the petitioner was sent back to his original job as Coal Cutter.

26. The petitioner contention that the require minimum muster rolls are 100 is not correct, the petitioner an underground employee should put in 190 mandatory musters minimum per year. As such the petitioner's short fall musters are 94. For this respondent standing counsel argument the petitioner contentions are generally vague, ambiguous, contradictory and invented an afterthought and not even *prima facie* supported by any reliable evidence. It is an admitted fact and position that the petitioner

remained absent for a number of days without leave, sick or without sufficient cause, but petitioner put only 96 days of attendance during the year 2003. It is also an admitted position that the said absenteeism is unauthorized and there were no prior leave taken. The petitioner's contention that the said absenteeism was suffered ill-health and his parents and also his wife as he is the male member to look after them invariable, so he was absented from duties. But the petitioner nothing is prevented to apply the leave by taking prior permission and sanction of leave, but the petitioner failed to do so. His oral evidence was not supported by the any other cogent reliable oral and documentary evidence particularly non examination of the doctor from whom the treatment taken by the petitioner for his ill-health. The petitioner's except the general allegations, but he failed to prove the genuineness of the allegations made in the petition. It is well settled that a person who approached the court with false explanation is not entitled to any relief. There is no extenuating circumstances to accept the material on record placed by the petitioner. Having burden on the petitioner to prove his case, but the petitioner failed to discharge his burden.

27. In this case, the petitioner though alleged he gave the charge sheet explanation, but the same was not filed into the court, respondent standing counsel also denied stating that petitioner not gave any explanation to the charge sheet. Even then petitioner did not taken steps from the respondent for production of charge sheet explanation, if it was really submitted to the respondent. The non taking of steps if really filed an adverse inference can be drawn against the petitioner either not filing the charge sheet explanation or submitting the charge sheet explanation to the respondent. The petitioner also after receipt show cause notice, he did not submit his reply to the show cause notice. When the petitioner failed to submit his charge sheet explanation and reply to the show cause notice itself clearly go to show that the petitioner had no explanation to offer and presumed that he had admitted the proposed punishment of dismissal order passed by the respondent.

28. In this case, the petitioner's own admission in his statement at the time of domestic enquiry he stated as follows. He received the charge sheet and he admitted the charge levelled against under the companies Standing Orders 25.25. He voluntarily admitted that he remained absent from duty without leave, sick permission or information on the dates as mentioned in the charge sheet. The petitioner put only 96 musters during the year 2003. He remained absent due to his personal problems and ill-health of himself and his family members. Petitioner requested the management to forgive him for this time on humanitarian grounds and he assured he will not repeat the same absenteeism in future. Though the same was also stated after the counselling and also by giving an

undertaking, but the petitioner absented himself without prior permission or sanction of leave. An admission is the statement oral or documentary which suggests any inference as to any fact in issue or relevant facts and which is made by the petitioner. Admission is substantive evidence of the fact admitted in the domestic enquiry without objection or disputed for his absence without permission and sanction of leave due to his ill health and family problems. The petitioner did not make the admission and not contested the admission. The charge is framed and it is proved on the basis of admission was proper and valid. Once the charge is admitted nothing is to be proved by the respondent and therefore the I.D., was not to proceed further with the enquiry and findings of the charge. When the petitioner admitted at the time of domestic enquiry what more evidence is required. When it has admittedly observed that the proved act of misconduct in case of absenteeism and habitual absenteeism petitioner's by his actions or inactions causes loss of work to the corporation.

29. The next contention of the respondent standing counsel argument was that though the respondent gave an opportunity to cross examine the respondent management witnesses i.e., Sri E. John Samuel and Sri Md. Hashan, but the petitioner not at all cross examined anything from them. Veracity of the evidence of the respondent management witness could have been tested if his evidence was appreciated on the touch stone of his cross examination. The cross examination is if properly conducted is one of the most useful and efficacy means to discover the truth by eliciting the defence plea as the case of the respondent witness is false and the defence plea is correct. The purpose of cross examination is two fold, first the cross examination tries to discover if the story told by the witness in examination in chief is tainted by exaggeration or false word, secondly the adverse party can in some cases construct his line of defence from out of the mouth of the witness. It is the rule of justice that a petitioner must put the crucial and important point of the case to the respondent witnesses gave evidence that the petitioner was put only 96 days instead of 100 working musters in his cross examination. The defence plea of the petitioner if no such questions are put them, the court presume that the witness evidence has been accepted. If it is intended to suggest that a witness was not speaking the truth upon a particular point his attention first be directed to the fact by cross examination, so that he may have an opportunity of giving an explanation. In this case though the opportunity was given to the petitioner but he was not at all cross examined. When there is no cross examination of the respondent management witnesses, his evidence can be believed as he was not discredited by the petitioner. In this case in the domestic enquiry the respondent management witnesses were examined it is marked under Ex.M-5. The statement of respondent witnesses evidence it is right to subject him to impeachment in the appropriate

way. So it is competent to the petitioner to put atleast any question in the cross examination which the petitioner may consider important to test the accuracy veracity of the witness to deny the charge and to prove his defence plea. The effect of non cross examination of the respondent management witness when a fact is stated about the misconduct of habitual late attendance or habitual absent from duty without sufficient cause stated in their chief examination and there is no cross examination on that point naturally it leads to the inference that the respondent witness's evidence accepts as the truth of the evidence given by them. When the petitioner not at all cross examined the respondent witness to discredit him his evidence can be believed and accepted as true proved the charge against the petitioner.

30. The word misconduct should be given wide meaning whether the particular misconduct was severe or otherwise will depend upon the facts and circumstances of each case. No hard and fast rule can be laid down to gauge the severity and triviality of the misconduct. The misconduct in this case habitual late attendance or habitual absent from duty the defence plea of the petitioner, the petitioner under went treatment due to his ill-health and his old aged ailing parents suffered from ill health very seriously and also his wife's went underwent major surgery for abdomen ulcer, he is the sole member who has to look after them. Those are the reasonable and sufficient cause for the alleged absence of the petitioner and he is not at all habitual one or deliberate one and beyond his control. The misconduct which may not be considered in certain cases to be serious can be serious in another set of circumstances. The court must appreciate the nature of misconduct itself effect and attended circumstances under which the misconduct has been committed and other allied factors like whether the misconduct has been done out of the ordinary human weakness. It is done that the question of severity and punishment has to be considered in strict comparison with the misconduct committed by the petitioner. The punishments are two types, first is the dismissal shall be awarded for the gravest act of misconduct where involved in a proved misconduct of grave charges. The 2nd part is the reformable to a misconduct which by itself may not warrant an order of removal, by giving an opportunity to improve his trustworthiness in a fiduciary capacity.

31. From the petitioner counsel main argument urged with regard to quantum of punishment the order of dismissal of the petitioner from the service was harsh shockingly disproportionate and not at all consumerate with the gravity of alleged charge of misconduct of habitual late attendance or habitual absent from duty without sufficient cause the petitioner put in only 96 days of attendance as required 100 musters levelled against the petitioner as discussed above in detail. The capital punishment of dismissal from service inflicted it amounts to economic death on the

petitioner amounts to highly arbitrary and not at all warranted to the present facts of the case. The previous service rendered by the petitioner i.e., petitioner was appointed as Badli Worker in the respondent company in the year, 1975, the petitioner was promoted as Coal Cutter and his services was confirmed in the year 1977. From the year 1986 to till 2000, the respondent authorities utilized his services as acting clerk and also chit issuing clerk in the area hospital. In the year 2001, the petitioner was again posted as Coal Cutter. The petitioner discharged his duties with utmost satisfaction of his superiors without any kind of blemish and put up 250 to 300 musters for several years. He served the company for more than 29 years i.e., 3 long decades. As per the respondent cited decision is not applicable as it is no way similar on facts and circumstances as in the following case the facts are distinct and distinguishable. Some minor punishment would have been sufficient and it is open to the court to set aside the punishment order and direct the respondent to reinstate the petitioner into service with all attendant benefits as the punishment is not proportionate for the misconduct of absenteeism.

32. From this the respondent standing counsel argument the power of Labour Court Tribunal to interfere with the quantum of punishment under the powers of the ID Act, was limited and when once the charge has been found to be proved the Labour Court Tribunal cannot interfere with the quantum of punishment. The misconduct of charge of absenteeism as discussed above serious in nature. In this case the petitioner not submitted the explanation to the charge sheet and also no reply to the show cause notice given. Though the petitioner was family counseled and he gave an undertaking he will not be absented in future without permission and sanction of leave, but the petitioner failed to do so. This court cannot take any lenient view and substitute its own opinion for that of the respondent-management. When there is no improvement in his conduct of attending the duties, finally the management is left with no alternative, as there is no improvement on the part of the petitioner, but to result to the extreme punishment of dismissal from service of the petitioner. There is no extenuating circumstances to accept the material on record placed by the petitioner. Having burden on the petitioner to prove his case, but the petitioner failed to discharge his burden. It is well established that this court should not mechanically use the words punishment being disproportionate to the charge. This court is required to give reasons as to why the punishment is grossly disproportionate to the discretionary powers cannot be equated with the power of veto. When the petitioner is undoubtedly committed the misconduct of absenteeism. In these circumstances. This court cannot take any lenient view by considering the powers U/Sec. 11-A of the I.D. Act, and substitute its own opinion for that of the respondent punishment dismissal order.

33. From both the counsel argument with regard to punishment to give appropriate relief in cases of the charge of dismissal of a workman U/Sec. 11-A of the I.D. Act, the only question that remains in this case is that whether the punishment is justified in the circumstances and the nature of allegations in the charge of misconduct as per the respondent company standing orders No. 25.25 Habitual late attendance or habitual absence from duty without sufficient cause. From the submissions of the learned counsel for the petitioner was that on the question of punishment order of dismissal against the petitioner is excessive and that lesser punishment would meet the ends of justice as it was shockingly disproportionate for the misconduct as stated above. It is stated to be one of the grounds on which the petitioner could be removed from service. The petitioner's counsel argument was that for the misconduct done out of ordinary human weakness the extreme punishment of dismissal ought not to have been awarded. The petitioner-workman Coal cutter will be given a lesser punishment by giving an opportunity to improve his performance of his duties as this is the 1st time in his service for a period of 29 years (for perusal no SR., is filed into the court). The only fault committed by the petitioner is that he was not observed the company standing orders without applying prior permission and sanction of leave for his absence period, but in this case, company not objected for his re-joining into duties after his absence to attend the duties for that mistaken committed by the petitioner the punishment given by the respondent is excessive. This court should observe that there may not be any malafidies or willful intention on the part of the petitioner. The court must appreciate the nature of misconduct and its effect and attended circumstances under which the misconduct has been committed and allied factors as the misconduct has been done out of ordinary human weakness. It is then that the question of severity of punishment has to be considered in strict comparison with the misconduct committed by the petitioner. Such a comparison is looked into while considering the question of nature of punishment. The petitioner served in the corporation for nearly 29 years without any remarks said this is the first absenteeism committed by the petitioner. For the dismissal of the petitioner actually the real victim of any such punishment is the family member of the petitioner who is the bread winner is jobless as a result, he and his family are suffering from food and facing untold financial problems. These are the above mitigating factors which warrant necessity of lesser punishment.

34. From the respondent standing counsel argument the discretion can be exercised U/Sec. 11-A of the ID Act is available only on the existence of certain parameters like punishment being disproportionate to the gravity of misconduct, so as to disturb the concise of the court or the existence of any mitigating circumstances which requires the reduction of the punishment is past conduct of the

petitioner which may persuade by this Court to reduce the punishment. The court to interfere with the quantum of punishment the discretion has to be used judiciously and not capriciously it should observe that harsh punishment only disproportionate the charge should be criterion for interference. In the absence of any such mitigating factors existing this Court cannot by way of sympathy alone exercise the powers U/Sec.11-A of the I.D Act and reduce the punishment.

35. Further from both the counsel argument the court must take into consideration all the relevant facts and circumstances and can interfere with the punishment of dismissal order by the respondent only when it comes to the conclusion that the punishment imposed is extremely harsh and disproportionate to the misconduct proved. The punishments are two types one is the dismissal shall be awarded for the gravest act of misconduct where involved in a serious misconduct of charges against the petitioner. The 2nd part is the reformable to a misconduct which by itself may not warrant an order of dismissal and may be a ground to take lenient view by giving an opportunity to reform by the petitioner. The number of years of service past record of the petitioner may not alone be a relevant factor in awarding lesser punishment, but it is one of the factor to be considered. When such powers are being invoked this court is required to examine the connected parameters namely nature of the charge proved i.e., company standing orders No. 25.25 - Habitual late attendance or habitual absence from duty without sufficient cause. The petitioner was appointed as Badli Worker in the respondent's company in the year 1975 and in the year 1977 he was promoted as coal cutter. From 1986 to 2000 his services utilized as acting Clerk. Since from the appointment the petitioner discharged his duties to the utmost satisfaction of his superiors without any kind blemish and he has put up 250 to 300 musters for all the years. The petitioner's length of service in the respondent company already worked 29 years and he is at the fag end of service. To show the past record of the Petitioner, no S.R., is filed into the court. The social background of the poor petitioner, consisting of large family and he has not committed any wanton misconduct of absenteeism not intentional or willful, but due to the ill-health of the petitioner, his wife and parents as he is sole member to look after them. At the same time company also not questioned at the time of rejoining after the absence period. It is not a case where the petitioner involved in a prove misconduct of forgery, misappropriation of money and funds of the company and fabrication of material documents as all these acts attracts grave misconduct. But in this case, the misconduct of absenteeism without prior permission and sanction of leave, for that punishment of dismissal imposed by the respondent-management is disproportionate to the misconduct by the petitioner, some minor punishment would have been sufficient. At the fag end of his service

having worked his entire service there is no question of getting any alternative employment anywhere as he worked for a period of 29 years in the company without any blemish record. It is well established that this court should not mechanically use the words punishment being disproportionate to the charge. This court is required to give the reasons as to why the punishment is grossly disproportionate. From the above discussed parameters are in my opinion are the mitigating factors in which warned the necessity of recording a finding that the punishment in this case was disproportionate to the misconduct proved. The only fault committed by the petitioner is that without prior permission and sanction of leave he was absented and the company was joined him without any objection. Proportionately involves balancing test and necessity test.

36. This court observes that there may not be any malafidies or willful intention to commit the misconduct on the part of the petitioner for the only fault committed by the petitioner he was absented without prior permission and sanction of leave. For that the punishment order passed by the respondent to the petitioner is excessive and I would say that the punishment is not proportionate. Hence, in my view the petitioner will be given a fresh opportunity to improve his excellence of performance of his duty, some minor punishment would have been sufficient and test upon to set aside the punishment as the punishment is not proportionate.

37. I am of the opinion that the judgment cited by the learned counsel for the respondent year 2002(1) ALD-314 (D.B.) U/Sec.2(oo)(bb) and Sec.25(F) of I.D. Act, in the case has no application whatsoever on the facts of the present case is no way similar on facts and circumstances and the facts are distinct and distinguishable. It is well settled that a little difference in facts or additional facts may make a lot of difference in the presidential value of the decision.

38. In my considered opinion this court while exercising its jurisdiction vested in it u/sec.11-A of the I.D. Act, accordingly considered the question of relating to proportionality involves balancing test and necessity test. These are in my opinion from the above discussed mitigating factors in detail which warrant the necessity of regarding a finding that the punishment in this case was not proportionate to the proved misconduct. Thus in the light of my discussions while upholding the findings of the enquiry officer and the respondent order. I am of the opinion that the punishment of dismissal is not commensurate with the charge of misconduct levelled against the petitioner and I would say that punishment is not proportionate. In view of that this court came to the conclusion that the punishment of dismissal order against the petitioner is harsh and not proportionate to the proved charge levelled against him in exercise of the same, I modify the punishment of dismissal order passed by the respondent into the lesser punishment.

39. In the result, the punishment order of dismissal of the petitioner Ex-Coal Cutter from service by the respondent company vide office order dt. 14-10-2004, is set aside and the respondent-management company is directed to appoint the petitioner into service as a fresh Coal Cutter only. On condition subject to production of medical fitness certificate by the petitioner issued by the medical examination by the respondent company as per the procedure laid down in the standing orders, due to the absenteeism for ill-health, the petitioner not filed fitness certificate to join the duty. Further if the petitioner absented himself from duty without leave or prior intimation or sanction of leave on single occasion during the period of two years, his services may be dismissed. The award will come into force after expiry of 30 days from its Gazette publication. Within 30 days after its publication, the petitioner should approach the respondent by appearing in person or by Regd. Post with Ack., Due or by means of legal notice with a request to issue an order of fresh appointment as Coal Cutter only. Otherwise, the petition shall be deemed to have been dismissed and the petitioner need not be appointed.

Accordingly, with this above modification, the award is passed. But in the circumstances, no costs.

Typed to my dictation directly by Typist, corrected and pronounced by me in the open court on this, the 20th day of February, 2008.

SRI M. SHANMUGAM, Chairman-cum-Presiding Officer

**Appendix of Evidence**  
**Witnesses Examined**

For Workman: For Management  
-NIL- -NIL-

**EXHIBITS**

For Workman :  
Ex.W-1 14-10-2004 Dismissal Order

For Management :  
Ex.M-1 22-02-2004 Charge sheet

Ex.M-2 24-03-2004 Acknowledgement

Ex.M-3 01-07-2002 Office order  
(Enquiry nomination letter)

Ex.M-4 31-05-2004 Enquiry call letter

Ex. M-5 03-06-2004 Domestic enquiry statement  
of the petitioner

Ex. M-6 03-06-2004 Enquiry report

Ex. M-7 03-06-2004 Petitioner undertaking letter  
after counselling

Ex.M-8 04-07-2004 Show cause notice

Ex.M-9 07-07-2004 Acknowledgement

Ex.M-10 14-10-2004 Office order

Ex.M-11

Attendance register for the months of Jan., 2003, Feb., 2003, April, 2003 to December, 2003 (X-Copies).

आदेश

नई दिल्ली, 18 मार्च, 2008

का.आ. 827.—जबकि केन्द्र सरकार का यह भत है कि पारंपरीय खाद्य निगम के प्रबंधन से संबंधित नियोक्ताओं एवं इसके साथ संलग्न अनुसूची के संबंध में उनके कामगारों के मध्य एक औद्योगिक विवाद है;

और जबकि इस विवाद में राष्ट्रीय पड़ाव का प्रश्न उपस्थित है एवं ऐसी प्रकृति का भी है कि इसमें एक राज्य से अधिक में स्वतंत्र पारंपरीय खाद्य निगम के प्रतिष्ठानों के इसमें रुचि रखने अथवा प्रभावित होने की संभावना है;

और जबकि केन्द्र सरकार का यह भत है कि उक्त विवाद का राष्ट्रीय अधिकारण द्वाय न्यायनिर्णयन किया जाना चाहिए;

अतः अब केन्द्र सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 77 द्वाय प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं उक्त विवाद के राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकारण का गठन करती है, जिसका मुख्यालय कोलकाता में होगा एवं न्यायमूर्ति श्री सी.पी. मिश्रा, अस्सीगान में पीडीसीन अधिकारी, सी.जी.आई.टी.-सह-अप न्यायालय, कोलकाता को इसके पीडीसीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है, और औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1क) द्वाय प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त औद्योगिक विवाद को न्यायनिर्णयन देते हुए उक्त राष्ट्रीय अधिकारण के सुपुर्द करती है। उक्त राष्ट्रीय अधिकारण 6 महीनों की अवधि के अन्दर अपना निर्णय देगा।

**अनुसूची**

“क्या श्रमिक संघ की पारंपरीय खाद्य निगम के विभिन्नीय कामगारों को कोलकाता बन्दरगाह के बन्दरगाह एवं गोदान कामगारों के सम्बुद्ध्य 1-6-2000 से सुनिश्चित चेतन उन्नयन योजना प्रदान करते एवं 1-1-1998 से मकान कियाया भरतपुर प्रतिकर यता की स्वीकृति की मांग विधिक एवं न्यायसंगत है? यदि नहीं, तो कामगार किन सार्थों के पात्र हैं?”

[सं. एल-22012/304/2006-आई आर (सी-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

**ORDER**

New Delhi, the 18th March, 2008

S.O. 827.—Whereas the Central Govt. is of the opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of FCI and their workmen in respect to the schedule hereto annexed;

And whereas the dispute involves question of national importance and also is of such nature that the establishments of Food Corporation of India situated in more than one State are likely to be interested in, or affected;

And whereas the Central Government is of the opinion that the said disputes should be adjudicated by the National Tribunal;

Now, therefore, the Central Government, in exercise of the powers conferred by Section 7B of the I.D. Act, 1947 (14 of 1947), hereby constitutes a National Industrial Tribunal with the Head Quarters at Kolkata and appoint Justice Shri C.P. Mishra, presently Presiding Officer CGIT-cum-LC, Kolkata as its Presiding Officer and in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1A) of Section 10 of the I.D. Act, hereby refers the said Industrial Dispute to the said National Tribunal for adjudication. The said National Tribunal shall give its award within a period of six months.

#### SCHEDULE

“Whether the demand of the Union for extending Assured Career Progression Scheme to Departmentalized workers of FCI w.e.f. 1-6-2000 and grant of HRA/CCA w.e.f. 1-1-1998 at par with Port & Dock Workers at Kolkata Port is legal and justified? If not, to what relief the workers are entitled?”

[No. L-22012/304/2006-IR (C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2008

का.आ. 828.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस.इ.सी.एल. के प्रबंधनतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 141/1998) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-3-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/332/1997-आईआर(सी-II)]

अजय कुमार गौड़, देस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th March, 2008

S.O. 828.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 141/1998) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of SECL and their workman, which was received by the Central Government on 19-3-2008.

[No. L-22012/332/1997-IR (C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
JABALPUR

(No. CGIT/LC/R/141/98)

Presiding Officer : Shri C.M. Singh,

Shri M. L. Jain,  
Ex Committee Member,  
S K M S Near Panchayat Mandir,  
Shahdol (MP) .... Workman/Union

Versus  
Sub Area Manager,  
Jharkhand RO SECL,  
PO : West Jharkhand Colliery,  
Distt. Surguja ..... Management

#### AWARD

Passed on this 19th day of February 2008

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its notification No. L-22012/332/97/IR(CM-II) dated 20-7-1998 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal:—

“Whether the action of the Dy. GM/Sub Area Manager, Jharkhand Sub Area of SECL in dismissing Sh Heeralal S/o Dulare, Loader, South Jharkhand Colliery from company services w.e.f. 31-1-92 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled ?”

2. Vide order dated 28-11-05, the reference proceeded ex parte against the workman.

3. The case of the management in brief is as follows. That workman Heeralal was employed as Loader in South Jharkhand colliery. He was in the habit of remaining absent from duty without sanctioned leave or without intimation. Therefore a chargesheet was issued to him for his act of misconduct and indiscipline. An enquiry was conducted by the management against him legally and properly. The workman was given full opportunity in the enquiry to defend himself. The charges levelled against the workman were fully proved. As the charges of misconduct were proved against him, he was dismissed from the company's services. The workman is not entitled to any relief.

4. As the case proceeded ex parte against the workman, there is no evidence on record on behalf of the workman.

5. The management in order to prove their case filed affidavit of Shri S.K. Jha, then working as Sr. Personnel Officer, Jharkhand Sub Area in SECL, Hasdeo Area.

6. I have heard Shri A.K. Shashi, Advocate the learned counsel for the management.

7. I have very carefully gone through the entire evidence on record.

8. The case of the management is fully established and proved from the uncontested and unchallenged affidavit of their witness Shri S.K. Jha. Therefore the reference deserves to be decided in favour of the management and against the workman without any orders as to costs.

9. In view of the above, the reference is answered in favour of the management and against the workman without any orders as to costs holding that the action of Dy. GM/ Sub Area Manager, Jharkhand sub Area of SECL in dismissing Sh. Heeralal S/o Dular, Loader, South Jharkhand Colliery from company services w.e.f. 31-1-92 is legal and justified. Consequently the workman is not entitled to any relief.

10. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour & Employment as per rules.

C. M. SINGH, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2008

का.आ. 829.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस.ई.सी.एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 157/1995) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-3-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/25/1995-आईआर(सी-II)]

अजय कुपर गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th March, 2008

S.O. 829.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 157/1995) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of SECL and their workmen, which was received by the Central Government on 19-3-2008.

[No. L-22012/25/1995-IR(C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

No. CGIT/LC/R/157/95

Presiding Officer : Shri C. M. Singh

Shri Jagdish Singh,  
General Secretary,  
Koila Mazdoor Sabha (UTUC),  
Post Dhanpuri,  
Distt. Shahdol (MP) .... Workman/Union

Versus

The Sub Area Manager,  
Rungta Chachai Sub Area,  
SECL, Post Amlai Colliery,  
Distt. Shahdol .... Management

#### AWARD

Passed on this 5th day of March 2008

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012/25/95-IR(C-II) dated 29-8-95 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal:—

“क्या चचाई एण्ड रुंग्टा सब एरिया एस.ई.सी.एल. पोस्ट अमलाई कोलरी, चिला-शहडोल (म.ग.) के प्रबंधकों द्वारा श्रमिक श्री कन्हई, बल्द नगर स्टेन. 2095/3293 को जनवरी 1981 से मई 1993 तक अंडरग्राउंड अलाइन्स का सुगतान न करना ज्यायाचित है? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मचार किस अनुतोष का इकदार है?”

2. Workman's case in brief is as follows. That he was employed as Trammer, Opium Mines of Burhan Colliery No. 1. His token No. was 2095/3293. He contacted tuberculosis and the breathing illness. The Doctor advised him to work on surface and accordingly he was offered job to work on surface in 1991. That in May-1993, he was transferred to Chachai Mines where he was not given job to work on surface, rather he was asked to work underground. That he received underground allowance upto year 1980 but from Jan-1981, he was not given underground allowance. It has been prayed by the workman that the management be directed to pay him underground allowance from January-1981 to May 1993.

3. The case of the management in brief is as follows. That the claim of the workman for payment of underground allowance is illegal and unjustified as during the period from 1981 to May 1993, he had worked on surface in alternative job on the recommendation of the Medical Officer as he was suffering from Tuberculosis and Bronchitis. That the underground allowance is admissible to those workmen who are deployed underground and is not extended to persons/employees working on surface. That as per clause 4.1 of the I.I. No. 5 circulated by JBCCI, underground allowance shall continue to be paid to those employees working underground as defined in the Mines Act and Regulations framed thereunder. Under the above circumstances, the workman is not entitled to underground allowance or any other relief whatsoever.

4. Vide order dated 28-3-06 passed on the ordersheet of this reference, the reference proceeded ex parte against the workman.

5. As the reference proceeded ex parte against the workman, there is no oral evidence of workman on record.

6. The management in order to prove their case examined their witness Shri K.A. Sunder, then working as Dy. Personnel Manager in SECL, Amlai and Bangwar Sub Area.

7. I have heard Shri A.K. Shashi, Advocate learned counsel for the management. I have very carefully gone through the evidence on record.

8. The case of the management is fully established and proved from the uncontested and unchallenged

affidavit of management's witness Shri K.A. Sunder. Therefore the reference deserves to be decided in favour of the management and against the workman without any orders as to costs.

9. In view of the above, the reference is decided in favour of the management and against the workman without any orders as to costs holding as follow :—

"चार्चाई एण्ड रूग्टा सब एरिया एस.ई.सी.एल. पोस्ट अपलैंड कल्लरी, जिला-शहडोल (म.ग्र.) के प्रबंधकों द्वारा श्रमिक श्री कर्हृ, बल्द नगर टो.नं. 2095/3293 को जनवरी 1981 से मई 1993 तक अंडरग्राउंड अलाउन्स का भुगतान न करना न्यायोचित है : अतः सर्वोधार कर्मकार किसी अनुसूच का हकदार नहीं है।"

10. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour & Employment as per rules.

C. M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2008

का.आ. 830.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घाय 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस.ई.सी.एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संखा 137/1995) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-3-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/16/1995-आईआर(सी-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th March, 2008

S.O. 830.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 137/1995) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of SECL and their workman, which was received by the Central Government on 19-3-2008.

[No. L-22012/16/1995-IR (C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

(No. CGIT/LC/R/137/95)

PRESENT: Presiding Officer : Shri C. M. Singh.

The Area General Secretary,  
M.P.K.M.S.(H.M.S.), House No. B/57,  
Vikas Nagar,  
Kusmunda Colony, Post Kusmunda,  
Distt. Bilaspur ..... Workman/Union

Versus

The General Manager,  
SBCL, Kusmunda Area,  
Post Kusmunda,  
Distt. Bilaspur

.....Management

#### AWARD

Passed on this 1st day of February, 2008

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its notification No. L-22012/16/95/IR(C-II) dated 14-7-1995 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :—

"Whether the action of SECL, Kusmunda Area in transferring S/Sh. S.P. Singh, Dumper Operator & A.K. Choudhary, Shovel Operator to VTC in their the then existing capacity grade and scale of pay and subsequently redesignating them as Instructor VTC or 'A' as well as converting them from daily rated to monthly rated without giving opportunity to S/Sh N.J. Lal, C/o T. Narsinghulu, Shovel Operator R.U. Singh, Shovel Operator, G.S. Roy, Sr. Mechanic and S.C. Sharma, Sr. Mechanic is legal and justified? If not, to what relief the concerned workmen are entitled and from which period ?"

2. The case of workman/Union in brief is as follows. That Shri S.P. Singh and Shri A.K. Choudhary prior to their redesignation/placement as instructor in T&S Grade 'A', were working in Excavation cadre by holding the post of Dumper/Shovel Operator respectively. They are much junior to Sarva Shri N.J. Lal, Crane Operator, T. Narsinghulu, Shovel Operator, R.U. Singh, Shovel Operator, G.S. Roy, Sr. Mechanic, S.C. Sharma, Sr. Mechanic the workmen in this case, employees of excavation cadre at Kusmunda. That as per cadre scheme of the company, there is no provision of conversion/placement of excavation cadre employees i.e. non technical and Supervisory Personnel in monthly rated cadre i.e. in Technical & Supervisory personnel. If there is any such vacancy of instructor in technical and supervisory cadre, that can be done only by a duly constituted Departmental Promotional Committee after observing all the formalities. So far the case of above 5 employees of Kusmunda is concerned, all the employees are working in Excavation Cadre and have been superseded by Shri S.P. Singh and Shri A.K. Choudhary, which has been done by the management at their own interest. That the Area Management violating all procedures of DPC converted the above two daily rated employees directly in monthly cadre in Technical and Supervisory Grade "A" which is quite illegal and unjustified. That the post of instructor is technical and Supervisory Grade "B" whereas the promotees have been converted and placed in Technical and Supervisory Grade 'A' which is illegal. That the above two employees have also been given full pay protection in the post of instructor whereas in the same type of other cases of Kusmunda, other employees have not been given pay protection which also

show the step motherly treatment of the management. That as per circular No. 18 of 1966 (Section 58) issued by Director General of Mines of Safety, the above two employees are not eligible for the post of instructor. That prior to promotion/conversion of placement of above two employees as VTC Instructor, Shri N.J. Lal, Crane Operator of Kusmunda Project had applied for the above post, but the management had regretted his application and given him in writing that there is no such post lying vacant at Kusmunda whereas the management created such post as VTC Instructor at the same time and promoted to their own employees namely Shri S.P. Singh and Shri A.K. Choudhary as VTC Instructor which is also a clear violation of the circular mentioned above. It is prayed on behalf of workmen/union that the above action of the management be declared illegal and unjustified and the adequate relief be granted to the workmen Sarva Shri N.J. Lal, Crane Operator, T. Narsingmullu, Shovel Operator, R.U. Singh, Shovel Operator, G.S. Roy Sr. Mechanic & S.C. Sharma Sr. Mechanic so far as the cases of 5 employees (workmen) of Kusmunda is concerned.

3. The case of the management in brief is as follows. That Sarva Shri S.P. Singh and Shri A.K. Choudhary were working as Sr. Dumper Operator Spl. Grade and Shovel Operator Gr. 'A' at Kusmunda Project since 26-11-86 and 20-6-87 respectively. Shri S.P. Singh was transferred to Kusmunda VTC vide office order dated 13-5-91. After their transfer to VTC they have been working in VTC and since they ceased to be in their original cadre of excavation, Shri S.P. Singh and Shri A.K. Choudhary have been converted to monthly rated cadre as Instructors in the present grade i.e. in Gr. "A" as per the order of SECL HQ Bilaspur dated 14-7-93. The Union has raised the issue and alleged that both the above workmen have got promotion as VT Instructors by superseding Sarva Shri N.J. Lal Crane Operator, T. Narsingmullu Shovel Operator, R.U. Singh, Shovel Operator, G.S. Roy Sr. Mechanic & S.C. Sharma Sr. Mechanic. The dispute raised by the Union was devoid of any merit. Sarva Shri S.P. Singh and A.K. Choudhary, Sr. Dumper Operator and Shovel Operator respectively have been converted into monthly rated cadre in the same grade i.e. Grade "A" as Instructors. The allegation of the Union that they have been promoted is baseless and mere concoction of facts. In view of the above facts and circumstances, it is submitted that the management has not committed any illegality by re-designated Sarva Shri S.P. Singh and A.K. Choudhary. In view of the above, the five workmen are not entitled to any relief and the action of the management in re-designating Sarva Shri S.P. Singh and A.K. Choudhary be declared as legal and justified.

4. Vide order dated 9-5-04, the case proceeded ex parte against the workman/Union.

5. As the case proceeded ex parte against the workman/Union, there is no evidence on record on behalf of the workman/Union.

6. The management in order to prove their case filed affidavit of their witness Shri Jose Mathew, then working as Personnel Manager, Kusmunda Project of SECL.

7. I have heard Shri A.K. Shashi, Advocate, learned counsel for the management. I have very carefully gone through the evidence on record. The case of the management is fully proved from the uncontested and unchallenged affidavit of management's witness Shri Jose Mathew. Therefore the reference deserves to be answered in favour of the management and against the workmen/union without any orders as to costs.

8. In view of the above, the reference is answered in favour of the management and against the workmen/union without any orders as to costs holding that the action of SECL, Kusmunda Area in transferring S/Sh. S.P. Singh, Dumper Operator & A.K. Choudhary, Shovel Operator to VTC in their the then existing capacity grade and scale of pay and subsequently redesignating them as Instructor VTC or "A" as well as converting them from Daily rated to monthly rated without giving opportunity to S/Sh. N.J. Lal, C/o T. Narsingmullu, Shovel Operator, R.U. Singh, Shovel Operator, G.S. Roy, Sr. Mechanic and S.C. Sharma, Sr. Mechanic is legal and justified and consequently the workmen are not entitled to any relief.

9. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour & Employment as per rules.

C. M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2008

का.आ. 831.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को भारत 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इलेक्ट्रॉनिक्स रेजिस्ट्रेटरी टेस्ट लैबरेटरी (ईस्ट) के प्रबंधतात्रे के संबद्ध विधेयकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कोलकाता के पंचाट (संदर्भ संख्या 8/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-3-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/322/2003-आईआर(सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th March, 2008

S.O. 831.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 8/2005) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Kolkata as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between management of Electronics Regional Test Laboratory (East) and their workmen, received by the Central Government on 19-3-2008.

[No. L-42012/322/2003-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

## ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
AT KOLKATA

## Reference No. 08 of 2005

Parties : Employers in relation to the management of  
Electronic Regional Test Laboratory (East)

AND

Their workmen.

Present: Mr. Justice C.P. Mishra, Presiding Officer

Appearance :

On behalf of the Management : Mr. B. Mukherjee,  
AdvocateOn behalf of the Workmen : Mr. A. Bhadury,  
Trade Union  
Representative

State : West Bengal

Industry : Electronic  
Test Laboratory

Dated : 10th March, 2008

## AWARD

By Order No. L-42012/322/2003-IR(CM-II) dated 28-12-2004 the Central Government in exercise of its powers under Section 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether Sri Bidyut Kumar Biswas and seven others, Security Guards in the Estt. of Electronics Regional Test laboratory (East), Deptt. of Information Technology, STQC Directorate, Kolkata are entitled for regularization of their services in the organization? If yes, to what relief they are entitled ?”

2. When the case is called out today, representative of the workmen is absent, but all the 8 concerned workmen are present and they file a petition praying for disposal of the present reference by passing a “No Dispute” Award. Learned Advocate for the management has no objection.

3. Since the concerned workmen at whose instance the present reference has been made is not interested to proceed further in the matter and has prayed for passing a “No Dispute” Award, this Tribunal has no other alternative but to dispose of the present reference by passing a “No Dispute” Award.

4. A “No Dispute” Award is accordingly passed and the present reference is disposed of.

C. P. MISHRA, Presiding Officer

Dated Kolkata

The 10th March, 2008.

Registered with A/D

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
KOLKATA

20B, Abdul Hamid Street

1st Floor, Kolkata-700069

Dated the 12th March, 2008

No. MA-2/99/969

To

The Secretary to the Govt. of India,  
Ministry of Labour & Employment,  
Shram Shakti Bhavan,  
New Delhi-110001.

Subject : Misc. Application No. 02 of 1999.

Indian Oil Corporation Ltd. Employees Organisation  
Haldia Refinery, P.O. Haldia, Dist. Purba Midnapore  
.....Applicant

V/s.  
M/s. Indian Oil Corporation Limited,  
Haldia Refinery, P.O. Haldia, Dist. Purba Midnapore  
.....Opp. Party

Sir,

Under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947 I submit herewith my Award in the above mentioned application which was filed before this Tribunal under Section 33A of the said Act along with a copy thereof for appropriation action.

Kindly acknowledge receipt.

Encl. as above

Yours faithfully,

(C.P. Mishra) Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2008

का.आ. 832.—ऑपोर्टिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की आरा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आर्केस्ट्रिकल सर्वे बॉर्ड इंडिया के प्रबंधनत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ऑपोर्टिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औपोर्टिक अधिकारण अथवा न्यायालय जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सी जी आई टी/एल सी/आर/117/98) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-3-2008 को प्राप्त हुआ था।

[स. एस-42012/63/1997-आई आर(डी. यू.)]

सुरेन्द्र सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th March, 2008

S.O. 832.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. CGIT/LC/R/117/98) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Archaeological Survey of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 19-3-2008.

[No. L-42012/63/1997-IR (DU)]

SURENDRA SINGH, Desk Officer

**ANWERKUND**  
**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT**  
**INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,**  
**JABALPUR**  
**(No. CGIT/LC/R/117/98)**

**SHRI C. M. SINGH: Presiding Officer**

Shri Mohan Singh S/o Shri Kishan Lal,  
 R/o. Chandra Nagar,  
 Behind Kali Mata Mandir,  
 Koteshwar Road, Gwalior: Workman/Union  
 Versus

Asstt. Supdt. Archaeologist,  
 Archaeological Survey of India,  
 Archaeological Museum,  
 Gwalior Fort, Gwalior. Management

**AWARD**

Passed on this 28th day of February, 2008

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its notification No. L-42012/63/97-IR(DU) dated 11-06-1998 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal:—

“Whether the action of the management of Asstt. Supdt., Archaeological Survey of India in terminating Shri Mohan Singh S/o Kishan Lal w.e.f. Jan. 1997 is justified? If not, to what relief the workman is entitled for?”

2. The case of workman Shri Mohan Singh in brief is as follows: That he was appointed in the year 1986 on daily wages. He was given duty of watchman in the Watch and Ward Section of the Archaeological Museum, Gwalior Fort, Gwalior (MP). He was allowed to work till 29th January, 1997. No appointment order was given to him because according to the practice of the department, daily wages are not given any appointment order. His services were terminated by verbal order in the last week of January, 1997 without compliance of the mandatory provisions of Section 25-F of the I.D. Act, 1947 and the relevant rules. The workman had been in continuous service for more than 10 years. He has worked for more than 240 days in preceding 12 months before termination of his services. He has been illegally retrenched because the Central Government has decided to regularise all daily rated employees. It is prayed by the workman that the action of termination of service of the workman be declared as illegal and void and the direction be given to the management to reinstate him with all full back wages, allowances and other benefits.

3. The case of the management in brief is as follows: That the Hon'ble Supreme Court has given verdict in a case that the Industrial Dispute Act, 1947-Section 2(j), 2(oo) and 25(F) will not be applicable against every departments of the Government as all such departments cannot be treated to be an Industry. The Hon'ble Supreme Court has also held that since the petitioner is only daily wage employee and has no right to the post, his

disengagement is not arbitrary. The Archaeological Survey of India does not fall within the definition of the “Industry” and the petitioner under the category of “worker” and in such situation, his disengagement from service does not fall under Section 2(oo) of the I.D. Act, 1947. The petitioner in the present case was also engaged as and when the repair/maintenance works were undertaken by the Archaeological Museum, Gwalior for its proper maintenance which is in the area under their jurisdiction and for which there was no sanctioned post. Under the above circumstances, the case of the petitioner is liable to be dismissed.

4. The workman in support of his case examined himself. He could not be cross-examined by the management as the right of the management to cross-examine him was closed.

5. The management did not examine any witness as no one appeared for the management and, therefore, the management's evidence was closed.

6. I have heard Shri B.P. Singh, advocate for the workman. As no one put in appearance for the management, therefore, I could not have an opportunity of hearing the management.

7. First of all, it is to be considered as to whether Archaeological Survey of India falls within the definition of “Industry” as given in Section 2(j) of the Industrial Dispute Act, 1947 it has been held in 1997 SC cases (L&S) 1079 in the case of Vidhyarthi and others versus State of Bihar & others that every department of the Government cannot be treated as an “Industry”. “Industry” is defined in the Industrial Disputes Acts, 1947 as under:—

“Industry means any business, trade undertaking, manufacture or calling of employers and includes any calling service, employment, handicraft or industrial occupation or avocation of workman”.

The Hon'ble Supreme Court in 1978(2) S.C.C. 213 held that “Industry”, as defined in Section-2(j) and explained, has a wide import.

(a) Where (i) Systematic activity, (ii) Organised by co-operation between employer and employee (the direct and substantial element is chimerical) (iii) for the production and/or distribution of goods and services calculated to satisfy human wants and wishes (not spiritual or religious but inclusive of material things or services geared to celestial bliss e.g. making on a large scale Prasad or food), *prima facie*, there is an “industry” in that enterprise.

(b) Absence of profit motive or gainful objective is irrelevant, be the venture in the public, joint, private or other sector.

(c) The true focus is functional and the decisive test is the nature of the activity with special emphasis on the employer-employee relations.

(d) If the organization is a trade or business it does not cease to be one because of philanthropy animating the undertaking.

8. Having considering the definition of "industry" given in the Act 1947 & explained by the Hon'ble Supreme Court, I am of the considered opinion that Archaeological Survey of India does not fall within the definition of "Industry" as defined under Sec-2(j) of the Industrial Disputes Act, 1947 and, therefore, there can be no industrial dispute between the petitioner and the management.

9. There is an affidavit of Shri Mohan Singh on record wherein he has stated that he has continuously worked for 10 years with the management. It is also stated therein that in every calendar year, he has worked for more than 240 days. It has been submitted on behalf of the workman that he has been retrenched by the verbal order of the management which is illegal and is not in accordance with Section 25(F) of the Act of 1947. There is a photocopy of certificate also on record purported to be given by Asstt. Suptd., Archaeologist(M) to Shri Mohan Singh. It is dated 17-07-91. By the said certificate, it has been certified that Shri Mohan Singh has worked in the organizational work of the museum on daily wages from time to time. It does not indicate that he worked for more than 240 days in any calendar year. In (2004)8 SC cases 195, it has been held by the Hon'ble Supreme Court that the oral evidence adduced by the workman for proving that he worked for more than 240 days in a calendar year is not enough. That the burden of proof lies on the workman to show that he has worked continuously for 240 days prior to his alleged retrenchment. In the present case, the workman has not filed any documentary evidence to indicate that he has worked for more than 240 days in any calendar year. He did not even examine any other witness in support of his case. Therefore, on the basis of oral testimony of the workman, it cannot be held that he worked for more than 240 days with the management in any calendar year.

10. It has been admitted by the workman Shri Mohan Singh that he was a daily wager. Since he was a daily wager employee, therefore, he has no right to the post and his disengagement is not arbitrary.

11. In view of the above, I am of the considered opinion that the reference should be decided in favour of the Archaeological Survey of India and against the workman Shri Mohan Singh without any orders as to costs. The reference is, therefore, decided in favour of the management and against the workman without any orders as to costs holding that the action of the management Asstt. Suptd., Archaeological Survey of India in terminating Shri Mohan Singh S/o Kishan Lal, w.e.f. Jan., 1997 is justified and consequently he is not entitled to any relief.

12. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour & Employment as per rules.

C. M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2008

का.आ. 833.—औषधिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूरसंचार विभाग के प्रबंधरत्व के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औषधिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औषधिक अधिकारण/प्रध न्यायालय, जबलपुर के पंचाट (सदर संचया सी जी आई टी/एल सी/आर/167/90) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-3-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/129/1989-डी-2(बी)/आई आर(डी.यू.)]  
सुरेन्द्र सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th March, 2008

S.O. 833.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. CGIT/LC/R/167/90) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Department of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 19-3-2008.

[No. L-40012/129/1989-D-2(B)/IR (DU)]

SURENDRA SINGH, Desk Officer  
ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
JABALPUR

(No. CGIT/LC/R/167/90)

Presiding Officer : SHRI C. M. SINGH

Shri L. D. Sharma,  
Divisional Secretary,  
Akhil Bhartiya Door Sanchar Karmachari Sangh,  
C.T.O. Compound,  
Jabalpur ..... Workman/Union

Versus

The General Manager,  
Telecommunication, Bhopal.

The Sub Divisional Officer,  
Telegraph, Narsinghpur. .... Management

AWARD

Passed on this 31st day of January, 2008

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its notification No. L-40012/129/89-D-2(B) ) dated 10-07-1990 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :—

"क्या टेलिकम्युनिकेशन, भोपाल (म.प्र.) के प्रबंधकों द्वारा अमिक श्री गोपाल प्रसाद पटेल आमन बाबूलाल पटेल, एसस अमिक की सेवाएं दिनांक 30-04-1988 से समाप्त किए जाने की कार्रवाही न्यायोपचाल है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?"

2. The case of the workman/Union in brief is as follows. Workman Shri Gopal Prasad Patel was appointed on the post of Telegraph Mazdoor w.e.f. 1-4-85 and was continued in the service upto 30-4-88. His services were terminated without any notice or without paying him the retrenchment compensation as required under Sec-25(f) of the Industrial Disputes Act, 1947. He has worked for more than 240 days in 1986, 1987 & 1988. Therefore his services couldnot have been terminated without following the mandatory provisions of Sec-25(f) of the Industrial Disputes Act, 1947. It is prayed that the management be directed to reinstate the workman in service with all back wages and benefits.

3. The case of the management in brief is as follows. The workman was not engaged continuously by the management. It is denied that the workman continuously worked from 1-4-85 to 30-4-88. The workman was engaged at Narsinghpur but he was not engaged on casual basis continuously. He has not been engaged for a period more than 240 days in a calendar year. Infact the workman left the work on his own voluntarily and did not turn up to serve on muster roll. The workman is, therefore, not entitled for the relief claimed.

4. Vide order dated 18-5-05 passed on the ordersheet of this reference, the reference proceeded ex parte against the workman.

5. As the case proceeded ex parte against the workman/Union, there is no evidence on record on behalf of the workman/Union.

6. The management in order to prove their case filed affidavit of their witness Shri G. P. Yadav, then working as Sub Divisional Officer(T), Nagpur.

7. I have heard Shri K. P. Pathak, Advocate learned counsel for the management. I have very carefully gone through the evidence on record.

8. The case of the management is fully established and proved from the uncontested and unchallenged affidavit of their witness Shri G. P. Yadav. Therefore the reference deserves to be decided in favour of the management and against the workman without any orders as to costs.

9. In view of the above, the reference is answered in favour of the management and against the workman without any orders as to costs in the following manner—

“क्या टेलिकम्युनिकेशन, योगाल (मप्र.) के प्रबंधकों द्वारा अधिक श्री गोपाल प्रसाद पटेल आत्मज बाबूलाल पटेल, एवं अधिक की सेवाएं दिनांक 30-04-1988 से समाप्त किए जाने की कार्यवाही न्यायोचित है? अतः कर्मकार किस अनुतोष का हकदार नहीं है?”

10. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour & Employment as per rules.

C. M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2008

का.आ. 834.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 ( 1947 का 14) को द्याए 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार द्वारा, सी.एल. के प्रबंधतात्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/प्रम न्यायालय, जबलपुर के पांचाट (मंदर्भ संख्या 139/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-3-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/65/2002-आई.आर.(सीएम-II)]  
अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th March, 2008

S.O. 834.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.139/2002) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Western Coalfields Ltd. and their workmen, received by the Central Government on 19-3-2008.

[No. L-22012/65/2002-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, JABALPUR

(No. CGIT/LC/R/139/2002)

Presiding Officer : SHRI C. M. SINGH

The General Secretary,

Khadan Mazdoor Sangh (INTUC),

Pathakhera Area, Distt. Betul (MP)

Betul. ....Workman/Union

versus

The Chief General Manager,

Western Coalfields Ltd.,

PO: Pathakhera Area, Distt. Betul (MP)

Betul. ....Management

#### AWARD

Passed on this 3rd day of March, 2008

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its notification No. L-22012/65/2002-IR (CM-II) dated 3-10-2002 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal:-

“Whether the action of the management of General Manager, Western Coalfields Ltd. in dismissing Sh. Mangal Prasad Soni from service w.e.f. 26-9-2000 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. The case of workman/Union in brief is as follows. That workman Shri Mangal Prasad Soni, Token No. 426 Shobhapur Mines was posted as Electric Filter-Helper. He was served with chargesheet dated 20-8-99 alleging therein

that he got his uncle admitted in the hospital run by the WCL and got him medically treated there for which an amount of Rs. 71,997 (Rupees Seventy One Thousand Nine Hundred Ninety Seven only) has been incurred by the management. Since the uncle of the workman was not entitled for free treatment, the workman admitted him showing him as his father. It has been further alleged in the charge that the uncle of delinquent employee died in Hospital at Nagpur where he has been shifted on management's expences and thus the employee committed the misconduct enumerated in Clause 26.1 and 26.22 of the Certified Standing Orders. That a departmental enquiry was held and the delinquent employee admitted his guilt in writing. Thus the findings of holding guilty was submitted by the Enquiry Officer on the basis of which the employee has been dismissed from services w.e.f. 26-9-2000. It is averred in the statement of claim that the dismissal of the employee from the services is highly disproportionate to the alleged misconduct and the delinquent employee, as has been proved by the Doctor, the condition of the patient was so serious that he needed immediate medical help and since only the family members of the employee are entitled for such medical facility the delinquent employee was left with no option except to admit him by showing him as father. Thus the delinquent employee has done that act on humanitarian grounds to save life of his uncle. The Disciplinary Authority ought to have considered this aspect while imposing the penalty and such a harsh punishment ought not to have been imposed. That the enquiry was not held in a legal manner as the principles of natural justice were not followed and proper opportunity was not given to the workman to defend his case, therefore the enquiry has been vitiated and deserves to be quashed. It is prayed by the workman that in the interest of justice, the reference may be answered in negative and the management be directed to reinstate the delinquent employee in service.

3. The case of the management in brief is as follows. The workman Shri Mangal Prasad Soni, Token No. 426 was initially appointed by the management of WCL, Pathakhera Area w.e.f. 19-4-1979 as Badli time rated/piece rated worker and posted at Shobhapur mines. Subsequently, he was regularised as General Mazdoor Category-I w.e.f. 1-3-1980. He was re-designated as Electrical Fitter Helper Cat-III by giving the benefit under SLU. That the terms and conditions of the employee working at Coal Industry are governed by various settlements generally known as NCWA. That the service conditions are also governed by the Cadre Scheme. Coal Mine Workers are given various facilities such as free accommodation, free fuel, free water supply, free medical aid etc. As far as free medical aid is concerned, the same is regulated by medical attendance rules and is available to the family members of the employee. On 18-10-98 at Pathakhera Area Hospital, the workman admitted his uncle namely Bisen in the name of his father Shri Gaonu. The

patient was referred to Nagpur where he got special treatment. The entire medical expenditure i.e. an amount of Rs. 87,479 was spent by the management. The management received anonymous complaint dated 20-12-98 by post addressed to Chief General Manager, WCL, Pathakhera Area intimating the fraud committed by the workman. That on receipt of the said anonymous complaint, a preliminary enquiry was conducted to find out the correctness of the complaint. It is revealed that the complaint received by the management is true. Accordingly workman was issued with a charge sheet No. 677 dated 25/2/99-2000 by the Supdt. Of Mines Shobhapur under the provisions of Standing Order applicable to the said mines. The workman submitted his reply dated 3-3-99. The reply was found unsatisfactory, accordingly a departmental enquiry was conducted against the workman legally and properly. The Enquiry Officer after conducting the enquiry, submitted the report holding the workman guilty of charges. The Enquiry report dated 20-9-99 is on record. The Competent Authority/DA having examined the enquiry report with reference to the relevant documents on record the disciplinary authority agreed with the findings of the enquiry officer and held that the charges framed against the workman stood proved. Accordingly the workman was issued with a show cause notice dated 10-9-2000. The workman submitted representation dated 15-9-2000. As the workman did not show any justification or convincing defence, the Disciplinary Authority decided to impose the punishment of terminating the services of the workman. The order of termination dated 26-9-2000 was passed against the workman. It is submitted that the workman is not entitled to any relief.

4. Upon the pleadings of the parties, following issues were framed on 21-11-05.

(i) Whether the Departmental enquiry conducted by the management against the workman is legal and proper ? If not so, whether the management has succeeded in proving the misconduct of the workman ?

(ii) To what relief, if any is the workman entitled?

5. The record reveals that the parties did not lead any oral evidence.

6. I have heard Shri Arvind Shrivastava, Advocate for the workman and Shri A. K. Shashi, Advocate for the management.

#### FINDINGS

7. Issue No. 1 :—The findings on this issue have been recorded on 11-9-06. It has been held that the Departmental enquiry conducted by the management is legal and proper. Issue No. 1 is decided accordingly in favour of the management and against the workman. The findings on this issue shall form the part of the award.

8. Issue No. 2 :—The learned counsel for the workman submitted that the punishment of dismissal from

services imposed on the workman is shockingly disproportionate to the misconduct of the workman. He requested that powers under Sec-11-A of the I.D. Act 1947 be invoked and the workman be reinstated in service with some lesser punishment. He also submitted that had he not shown his uncle as his father in the Company's hospital, his uncle would not have been admitted in the hospital and would have died at that time only. That the workman has tried his best to save the life of his uncle though he did not succeed ultimately. In such circumstances even assuming that the workman committed breach of rules his conduct was not such as to warrant punishment of dismissal from services. Against the above, the learned counsel for the management submitted that the workman has committed fraud and dishonesty and such a person is not entitled to be retained in service and therefore the action of the management in terminating the services of workman is legal, proper and proportionate to the gravity of misconduct proved against him. The learned counsel for the management also submitted that it is no part of the function of the tribunal to substitute its own decision when enquiry is held in accordance with rules and punishment is imposed by the authorities considering all the relevant circumstances and which it is entitled to impose. In this respect, he placed reliance on 1998-I-LLJ-431 in the case of UOI and others *versus* Shrivastava B.K. I have gone through the law cited above. The submission of the learned counsel for the management that it is no part of the function of tribunal to substitute its own decision when the enquiry is held in accordance with the rules and the punishment is imposed by the authorities considering all the relevant circumstances and which it is entitled to impose is quite correct. The learned counsel for the management further submitted that according to law laid down by the Hon'ble High Court of Kerala in the case of Caltex India Ltd. *versus* Labour Court Quilon and others reported in 1966-II-LLJ-416 the dismissal cannot be set aside by a Labour Court unless the court finds that the dismissal was without good faith or as a result of intimidation or unfair labour practice or that the procedure adopted is against rules of natural justice and lastly when on the materials the finding is completely baseless and perverse. I have very carefully gone through the law cited above. The submission made by the learned counsel for the management is according to the law cited above. Under the facts and circumstances of this case, I am of the considered opinion that there is no need of interference with the punishment imposed on the workman by the management. Issue No. 2 is, therefore, decided in favour of the management and against the workmen holding that the workman is not entitled to any relief. But considering the facts and circumstances of the case, it would be harsh to impose costs on the workman. Therefore there shall be no order as to costs.

9. In view of the findings on Issues No. 1 & 2, the reference is decided in favour of the management and

against the workman without any orders as to costs holding that the action of the management of General Manager, Western Coalfields Ltd. in dismissing Sh. Mangal Prasad Sont from service w.e.f. 26-9-2000 is justified and consequently the workman is not entitled to any relief.

10. Findings on Issue no. 1 shall form the part of award.

11. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour & Employment as per rules.

C. M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2008

का.आ. 835.—औद्योगिक विवाद अधिकायम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार द्वारा ही सौ. एल. के प्रबंधतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकार्ता के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकार जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 136/1994) को प्रतिवादित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-3-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/119/1994-आई. आर. (सी-II)]

अजय कुमार गौर, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th March, 2008

S.O. 835.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 136/1994) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of SECL and their workman, which was received by the Central Government on 19-3-2008.

[No. L-22012/119/1994-IR (C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer  
ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
JABALPUR

(No. CGIT/LC/R/136/1994)

Presiding Officer : Shri C. M. Singh

The Area General Secretary,

R.K.K.M.S. (INTUC),

At : Quarter No. C/121,

Sobhash Block, SECL,

PO Korba, Distt Bilaspur.

Workmen/Union

versus

The Sr. Supdt.,

Central Electrical and Mechanical Workshop,

S.E.C.L. Korba,

P.O. Korba Colliery,

Distt. Bilaspur.

Management

AWARD

Passed on this 19th day of February, 2008

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its notification No. L-22012/119/94-IR (C-II) dated 18-8-94 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal:

“Whether the following demands of R.K.K.M.S. (INTUC) union in respect of Shri Manjoor Ali, Ex-Fitter Gr. I of Central E & M Workshop and present Sr. Mech. Group A Gevra Project are justified? If so, to what reliefs Shri Manjoor Ali is entitled to?

**Demand No. 1.** Payment of full salary of the period from 14-5-86 to 13-8-86.

2. Restoration of Basic Pay @ Rs. 47.73 per day from 24-8-86

3. Promotion to the post of Sr. Mech. Group-A w.e.f. 28-2-87

4. Transfer back to Central E & M Workshop from Gevra Project.”

2. The case of the workman/Union in brief is as follows. That Shri Manjoor Ali Sr. Mechanic Group “A” was working in Central E/M workshop, SECL, Korba. On 14-5-86, he was placed under suspension for the alleged commission of theft of management’s property. It is said that he had committed theft of 33 rubber ‘O’ rings for which he was issued a chargesheet and a departmental enquiry was conducted against him. The allegation of the workman is that the departmental enquiry was not conducted against him properly and legally as he was not given proper opportunity to defend his case. The charges levelled against the workman were found fully proved by the Enquiry Officer and consequently he recorded his findings holding the workman guilty of all the charges. The Disciplinary Authority after considering the findings recorded, by the Enquiry Officer and the other material on record vide order dated 22-23-8/86 imposed the following punishment on the workman—

“Revision of Shri Manjoor Ali, Fitter Gr. I, Token No. 58, Autocar-shop, Central Workshop, Korba to the lower stage in the same grade/scale of pay i.e., he is reverted from his existing basic pay of Rs. 47.83 per day in the Excavation Category ‘B’ pay scale of Rs. 31.99-1, 76-56.63 per day (NCWA-III) to the basic pay of 31.99 per day in the same NCWA-III pay scale of Rs. 31.99-1, 76-56.63 per day w.e.f. 24th August 1986”.

The workman has sought the relief as he should be awarded the full salary w.e.f. 14-5-86 to 13-8-86, restoration of Basic Pay @ Rs. 47.83 per day from 24-8-86. Promotion to the post of Sr. Mech. Group-A w.e.f. 28-2-87 & transfer back to the Central E & M Workshop from Gevra Project.”

3. The management’s case in brief is as follows. That Shri Manjoor Ali was working at Central E & M Workshop, Korba, as Fitter Gr-I. He was issued with a chargesheet. The charges levelled against him was that “it was reported that on 28-4-86, while he was on duty in the general shift, he was found carrying 33 numbers of rubber ‘O’ rings

unauthorisely in a plastic bag under the seat of his cycle. The reply of the workman to the aforesaid charge was not found satisfactory and hence a departmental enquiry was conducted against him. After having considered the findings of the Enquiry Officer and the other material on record, the Disciplinary Authority imposed the following punishment on the workman.

“Revision of Shri Manjoor Ali, Fitter Gr.I, Token No. 58, Autocar-shop, Central Workshop, Korba to the lower stage in the same grade/scale of pay i.e., he is reverted from his existing basic pay of Rs. 47.83 per day in the Excavation Category ‘B’ pay scale of Rs. 31.99-1, 76-56.63 per day (NCWA-III) to the basic pay of Rs. 31.99 per day in the same NCWA-III per scale of Rs. 31.99-1, 76-56.63 per day w.e.f. 24th August 1986”.

4. My learned predecessor in office vide his order dated 12-5-04, recorded his findings on preliminary issues No. 1 & 2. He decided Issue No. 1 against the workman holding that enquiry proceedings do not suffer from any infirmity and the same was conducted by observing the principles of natural justice. Regarding Issue No. 2, my learned predecessor in office held that so far as Issue No. 2 is concerned, the worker has not led any evidence to support his case. He decided Issue No. 2 holding that the enquiry report is not perverse as alleged by the workman. He specifically held that Issue No. 2 is decided accordingly against the workman. The findings dated 12-5-04 on Issues No. 1 & 2 of my learned predecessor in office shall form the part of this award.

#### FINDINGS ON ISSUE No. 3

5. I have heard Shri A.K. Shashi, Advocate the learned counsel for the management on Issue No. 3. I could not have an opportunity of hearing the counsel for the workman as inspite of sufficient service of notice, no one put in appearance for the workman.

6. After having heard the learned counsel for the management, I have very carefully gone through the record. Issue No. 3 is as follows:-

“To what relief, if any, is the workman entitled to?”

In view of the findings of my learned predecessor in office on Issues No. 1 & 2, it is concluded that the workman is not entitled to any relief. Issue No. 3 is decided accordingly in favour of the management and against the workman.

7. In view of findings on Issue Nos. 1 to 3, the reference is answered in favour of the management and against the workman/Union without any orders as to costs holding the following demands of R.K.K.M.S.(INTUC) Union in respect of Shri Manjoor Ali, Ex-Fitter Gr. I of Central E & M Workshop and present Sr. Mech. Group A Gevra Project are not justified.

**Demand No. 1.** Payment of full salary of the period from 14-5-86 to 13-8-86.

2. Restoration of Basic Pay @ Rs. 47.73 per day from 24-8-86
3. Promotion to the post of Sr. Mech. Group-A w.e.f. 28-2-87
4. Transfer back to Central E & M Workshop from Gevra Project."

Consequently the workman is not entitled to any relief. The findings dated 12-5-04 on Issue No. 1 & 2 recorded by my learned predecessor in office shall form the part of this award.

8. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour and Employment as per rules.

C. M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2008

का.आ. 836.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उप धारा-(3) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार एतद्वारा 01 अप्रैल, 2008 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उप धारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपरन्त तमिलनाडू राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्

"कलर बिले के कलर सीमा के अन्तर्गत राजस्व ग्राम केल्लियानै-दक्षिण, केल्लियानै-ठतर, फिल्वप्पट्टी के अधीन आने वाले क्षेत्र।"

[सं. एस-38013/17/2008-एस.एस.-1]

एस. द्व. जोवियर, अवर सचिव

New Delhi, the 31st March, 2008

S.O. 836.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State

Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st April, 2008 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (i) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Tamil Nadu namely :-

"Areas comprising the Revenue Villages of Velliyanai South, Velliyanai North, Pitchampatty in peripheral areas of Karur of Karur District.

[No. S-38013/17/2008-SS.I]

S. D. XAVIER, Under Secy.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 2008

का.आ. 837.—भारत के भाग-II, खण्ड-3 (ii) में दिनांक 7 दिसम्बर, 2002 को अंग्रेजी में प्रकाशित अधिसूचना संख्या सं.आ.सं. 3833 तथा हिन्दी में प्रकाशित अधिसूचना संख्या सं.आ.सं. 3822 में क्रम संख्या 30 पर श्री एस. के. बाणचंद्री, उप निदेशक, जान सुरक्षा (खनन) के नाम को 'श्री एस. बाणचंद्री' पढ़ा जाए।

[सं. एस-29025/5/2002-आई.एस.एच. II (पार्ट फाईल)]

सुभाष चन्द्र, अवर सचिव

#### CORRIGENDUM

New Delhi, the 4th April, 2008

S.O. 837.—In the Notification S.O. No. 3833 in English and S.O. No. 3822 in Hindi published in the Gazette of India Part II, Section 3(ii) dated 7th December, 2002, the name of Shri S.K. Bagchi, DDMS(Mining) of Sl. No. 30 may be read as 'Shri S. Bagchi'.

[No. S-29025/5/2002-ISH. II (Pan File)]

SUBHASH CHAND, Under Secy.

